Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 18 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-169

चीन में उइगर मुसलमानों पर भीषण अत्याचार का प्रामाणिक खुलासा

रोहिंग्या पर शैतानी शोर, उइगर पर मक्कार चुप्पी

- जर्मन मीडिया ने सबूतों के साथ किया खुलासा
- भारतीय मीडिया और खान मार्केट गिरोह मौन

रोहिंग्या पर शैतानी शोर मचाने वाली जमातें उइगर मुसलमानों पर चीन में हो रहे जुल्म पर शातिराना चुप्पी साधे हैं। जर्मनी के कुछ पत्रकारों ने उइगुर मुसलमानों पर चीन सरकार द्वारा किए जा रहे अत्याचार का प्रामाणिक खुलासा किया है। इसके बावजूद धर्मांध इस्लामिस्ट, छद्मी प्रगतिशील, दुर्बुद्धिजीवी, संकुचित लिबरल्स और टुकड़ाखोर पत्रकार चुप हैं। भारत समेत कई देशों के पत्रकार चीन से पैसा खाते हैं, इसलिए चुप रहते हैं। भारत के कुछ बड़े स्वनामधन्य पत्रकार तो चीन से पैसा खाकर भारत के ही खिलाफ बोलते और लिखते हैं। इसका आधिकारिक खुलासा हो चुका है।

बहरहाल, जर्मन मीडिया ने यह प्रामाणिक खुलासा किया है कि चीन का सुरक्षा प्रशासन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरों की मदद से उइगुर मुसलमानों पर निरंतर नजर रखता है। उन्हें डिटेंशन सेंटर में लाकर प्रताड़ित किया जाता है। उनकी दाढ़ी और बाल शेव कर दिए जाते हैं और उन्हें नमाज पढ़ने से रोका जाता है। जर्मन मीडिया के आउटलेट टेबल (डॉट) मीडिया ने इसे प्रमाण के साथ उजागर किया है। जर्मन पत्रकारों ने जिन दस्तावेज के आधार पर इसे उजागर किया है, वे दस्तावेज उन्हें शंघाई, झेजियांग प्रांत के

शुभ-लाभ सरोकार

विभिन्न शहरों और दक्षिण-पश्चिमी महानगर चेंगदू के पुलिस विभागों से प्राप्त हुए हैं। इससे पुष्टि होती है कि एआई कैमरों के माध्यम से उइगरों पर निगरानी रखी जा रही है और उनके साथ अत्याचार किया जा रहा है।

गौरतलब है कि चीन में उइगर मुस्लिमों को खतरे की तरह देखा जाता है। इसके संबंध में 2019 से खबरें आ रही हैं कि चीन उइगर मुस्लिमों में से कट्टरपंथ की सोच निकालने के नाम पर डिटेंशन सेंटर में डालता है और वहां उन्हें अनगिनत प्रताड़नाएं दी जाती हैं। प्रताड़नाओं की खबरें बाहर तो निकलती हैं, लेकिन मीडिया इसे सुर्खियां नहीं बनाता। खास तौर पर भारतीय मीडिया इसे सघनता से नहीं उठाता। भारत में रोहिंग्या की रुदालियां गाने वाली शैतान जमातें और पड़ोस के इस्लामी मुल्क भी उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार का मसला नहीं उठाते।

इस समय चीन में हर विरासत का चीनीकरण किया जा रहा है। मस्जिदों पर हथौड़े चल रहे हैं। मस्जिदों की मीनारें और गुंबद तोड़े जा रहे हैं। इसके अलावा मुस्लिम महिलाओं पर भीषण अत्याचार हो रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन में सुरक्षाकर्मी डिटेंशन सेंटर में महिलाओं के साथ जबरन शारीरिक सम्बन्ध बनाते हैं। उइगर पुरुषों के साथ-साथ उइगर महिलाओं की भी वहां जबरन नसबंदी करा दी जाती है। उइगुर मुसलमानों को जबरन शराब पिलाने और सुअर का मांस (पोर्क) खिलाने का काम भी होता है।

जर्मन पत्रकारों के पास 2023 से लेकर बीते छह वर्षों के आधिकारिक दस्तावेज हैं जो बताते हैं कि उइगरों का चेहरा एआई कैमरों की मदद से पहचाना जाता है और उनकी प्रत्येक गतिविधियां रिकॉर्ड की जाती हैं। इस मामले में जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के झिंजियांग विशेषज्ञ ब्योर्न अल्परमैन कहते हैं कि उल्लेखित दस्तावेजों से साफ पता चलता है कि चीनी सुरक्षा अधिकारी व्यवस्थित रूप से उइगरों के साथ अपराधियों जैसा बर्ताव करते हैं और दोयम दर्जे के नागरिक की तरह उनके साथ सलूक करते हैं।

चप्पे-चप्पे में बिछे एआई कैमरों के जरिए चीन के सुरक्षाकर्मी उइगरों की तस्वीरें और उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड करते हैं। उन पर नजर रखते हैं कि वे कहां-कहां और किनसे संपर्क करते हैं। जुहूई में ही अकेले 3700 कैमरे उइगरों की निगरानी कर रहे हैं। यह एआई कैमरे तस्वीरें लेते हैं और प्रशासन को सचेत रखते हैं। निगरानी

▶10 पर

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई-चेन) में सिरमौर बन रहा भारत

तीन साल में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

- फेडएक्स, फॉक्सकॉन, एप्पल का भारत में संचालन इसका प्रमाण
- वॉल स्ट्रीट जर्नल समेत कई वैश्विक आर्थिक विश्लेषकों की रिपोर्ट
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष : 5 ट्रिलियन डॉलर वाला देश बनेगा भारत

शुभ लाभ ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 जून।

विश्वव्यापी आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) में भारत का प्रभावशाली उदय दुनिया के देशों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। भारत में फेडएक्स, फॉक्सकॉन और एप्पल जैसी कंपनियों के परिचालन के विस्तार से भी यह साफ हो रहा है। देश का अनुकूल प्रोत्साहन और यहां के विविध उद्योग-धंधे इसे एक आकर्षक विनिर्माण केंद्र बनाते हैं।

व्यापारिक जोखिम कम करने और लागत एवं लीड टाइम के लचीलेपन में सुधार करने के लिए, आपूर्ति श्रृंखला में शामिल कई अग्रणी कंपनियां दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का विस्तार कर रही हैं। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता हानिकारक है। भू-राजनीतिक चुनौतियां बहुत हैं, जो दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला संघर्षों को और बढ़ाएंगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि आपूर्ति श्रृंखला लागत सीधे भू-राजनीति से प्रभावित होती है। नतीजतन, जैसे-जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में तनाव बढ़ता है, कई निगम अधिक झटके के लिए तैयार हो रहे हैं।

आपूर्ति श्रृंखला कंपनियों के विशेषज्ञ विविधता लाने के लिए नई वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए भौगोलिकताओं की जांच करने के बाद इस नतीजे पर पहुंच रहे हैं कि व्यापक संभावनाएं वाले उन नए क्षेत्रों में प्रमुख रूप से भारत का स्थान है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पूर्वानुमानों के अनुसार, भारत 2027 तक जर्मनी और जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जिसकी जीडीपी 5 ट्रिलियन डॉलर होगी। इसके अलावा, सालाना 2 मिलियन से अधिक स्नातकों के साथ, भारत दुनिया में दूसरा सबसे

▶10 पर

अकेले यूपी में 20 लाख मुसलमानों को मिले पीएम आवास

भाजपा से लाभ ले रहे खूब, पर वोट नहीं देते

- भाजपा ने दो मुस्लिमों को बनाया एमएलसी, रिजल्ट शून्य
- 2.61 करोड़ को मिला राशन कार्ड, मुफ्त अनाज भी खा रहे
- मुसलमानों की सवर्ण जातियों ने भाजपा को कुछ वोट दिए

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका लगा है। साल 2019 में यहां 62 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 33 लोकसभा सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। चुनाव परिणाम के बाद भाजपा अब समीक्षा कर रही है। उत्तर प्रदेश में अपेक्षा के अनुरूप वोट न मिलने को लेकर भाजपा नेतृत्व कई बिंदुओं पर मंथन कर रहा है। मंथन में एक बात यह भी निकल कर आ रही है कि भाजपा ने अपने दूसरे कार्यकाल में मुसलमानों को प्रसन्न करने की खूब कोशिश की। इस कोशिश में देश की राजधानी दिल्ली में बसाए गए रोहिंग्याओं को सुविधाएं देने में भी भाजपा सरकार खैरख्वाह बनी और उसने अपने घुसपैठिया विरोधी सिद्धांत की सार्वजनिक खिल्लियां उड़वाईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पसमांदा पसमांदा रटते रहे। मुस्लिम समुदाय का 80 फीसदी हिस्सा पसमांदा मुसलमानों का ही है। मुसलमानों में भाजपा सरकार की योजनाओं का भरपूर फायदा उठाया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर लिया। मुफ्त अनाज योजना का पूरा लाभ उठाया। भाजपा ने दो मुसलमानों को विधान परिषद का सदस्य भी बनाया। लेकिन मुसलमानों ने भाजपा को वोट नहीं दिया। पसमांदा मुस्लिम समाज ने फायदा उठाया और समय आया तो साथ देने से नकार दिया। पसमांदाओं की चारित्रिक असलियत भाजपा समझ नहीं पाई।

उत्तर प्रदेश में भाजपा पसमांदा मुस्लिम समाज को खास तौर पर साध रही थी। पसमांदा मुसलमानों के लिए भाजपा सरकार द्वारा खास दौर पर प्रोग्राम चलाए गए। मुसलमानों के इस समुदाय को कितनी तवज्जो दी गई थी, इसका अनुमान इस बात से ही लगा सकते हैं कि इसके नेताओं को सरकार और पार्टी दोनों में जगह दी गई। खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने अपनी सभाओं में पसमांदा समाज के पिछड़ेपन का कई बार जिक्र किया और सपा एवं कांग्रेस पर इस समुदाय की उपेक्षा करने का आरोप लगा लगाया।

पसमांदा फारसी शब्द है। जिसका मतलब है पीछे छूटे हुए लोग। मुस्लिमों में पसमांदा शब्द का इस्तेमाल समाज में पिछड़े, दलित और आदिवासी तबके की पहचान बन गई है। पसमांदा मुसलमान उत्तर

प्रदेश की मुस्लिम आबादी का लगभग 80 प्रतिशत हैं। उत्तर प्रदेश के जिन जिलों में पसमांदा मुस्लिमों की संख्या काफी ज्यादा है, उनमें मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़ और वाराणसी शामिल हैं। मुस्लिमों के इस वर्ग को रिझाने के

▶10 पर

कर्नाटक सरकार के फरमान के खिलाफ व्यापक जन आक्रोश

पेट्रो कीमतें बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन में भाजपा नेता की मौत

पेट्रोल-डीजल के दाम 2% कम हुए तो कर्नाटक में क्यों बढ़े?

बेंगलुरु, 17 जून (एजेंसियां)।

पेट्रोल डीजल की कीमतों में तीन रुपए से अधिक का इजाफा करने के कर्नाटक सरकार के निरंकुश फैसले के खिलाफ हो रहे जन प्रदर्शन में भाजपा के वरिष्ठ नेता एमबी भानुप्रकाश की मौत हो गई। कर्नाटक भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके एमबी भानुप्रकाश पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। इस दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके भानुप्रकाश विरोध प्रदर्शन का

▶10 पर

आतंकवाद के विरोध की अमेरिकी असलियत का पर्दाफाश

खालिस्तानी आतंकी के पक्ष में खड़ा अमेरिका

चेकोस्लोवाकिया से निखिल गुप्ता को जबरन अमेरिका मंगवाया

प्राग, 17 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के संरक्षण में रह रहे खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को अमेरिका में मरवाने के लिए सुपारी देने के आरोप में चेकोस्लोवाकिया में गिरफ्तार किए गए भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिका ने दबाव देकर अपने देश मंगवा लिया। बाद में निखिल गुप्ता को अमेरिका लाए जाने की कार्रवाई को प्रत्यर्पण का नाम दिया गया। आतंकवाद के विरोध की अमेरिकी असलियत यही है। अमेरिका खुलेआम खालिस्तानी आतंकी के पक्ष में खड़ा है। निखिल गुप्ता अमेरिकी राष्ट्रपति का टार्गेट नहीं है, अमेरिकी

राष्ट्रपति का टार्गेट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन नरेंद्र मोदी को लेकर व्यक्तित्व संकट से गुजर रहे हैं।

निखिल गुप्ता को 15-16 जून को ही अमेरिका लाया गया। अब जाकर कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। निखिल गुप्ता ने चेक गणराज्य से प्रत्यर्पण से बचने के

▶10 पर

नौसेना में शामिल होंगी छह अत्याधुनिक पनडुब्बियां

स्पेन में होगा पनडुब्बियों का परीक्षण

मैड्रिड, 17 जून (एजेंसियां)।

भारतीय नौसेना एआईपी तकनीक से सुसज्जित छह पनडुब्बियों का अधिग्रहण करेगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं। स्पेन में इन पनडुब्बियों का परीक्षण होगा।

भारतीय नौसेना स्पेन में प्रोजेक्ट 75 भारत (पी75आई) के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी।

▶10 पर

राज्यसभा में एनडीए को जरूरत पड़ेगी संख्या बल की

एनडीए के लिए जरूरी हैं वाईएसआरसीपी और बीजेडी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) और ओड़ीशा का बीजू जनता दल (बीजेडी) चुनाव हारने के बाद भी मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। राज्यसभा में दोनों ही दलों के पास अच्छी संख्या है और इसी कारण बिल पास कराने में सरकार को उनकी मदद लेनी पड़ सकती है।

वाईएसआरसीपी के पास 11 राज्यसभा सांसद हैं, जबकि बीजेडी के पास नौ सांसद हैं।

वर्तमान में 245 सदस्यीय राज्यसभा में 117 एनडीए सांसद, 80 इंडी गठबंधन के सांसद और 33 अन्य सांसद हैं। निर्वाचित सदस्यों के लिए 10 और मनोनीत सदस्यों के लिए पांच जगह खाली हैं। 10 निर्वाचित सदस्यों की जो जगह खाली है

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 25^0

स्मार्ट सिटी मिशन

अब तक अधूरे 15,000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।

क्या स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स की डेडलाइन को एक बार फिर बढ़ाया जाएगा। क्या केंद्र की मोदी सरकार डेडलाइन को बढ़ाने पर विचार कर रही है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स के लिए 30 जून, 2024 की डेडलाइन रखी गई थी लेकिन यह लगभग तय है कि इस डेडलाइन तक भी इस मिशन के तहत चल रहे काम पूरे नहीं हो पाएंगे।

स्मार्ट सिटी मिशन को केंद्र सरकार ने 2015 में लॉन्च किया था। इसके तहत जनवरी 2016 से जून 2018 तक देश के 100 शहरों का चुनाव किया गया था। जिन शहरों का चुनाव किया गया था, उन्हें 5 साल का वक्त दिया गया था कि वे इस अवधि में अपने सभी प्रोजेक्ट्स को पूरा करेंगे। कोरोना महामारी की वजह से स्मार्ट सिटी मिशन के प्रोजेक्ट्स की डेडलाइन को जून 2023 तक बढ़ा दिया गया था। पिछले साल मई में शहरी विकास मंत्रालय ने एक बार फिर इस डेडलाइन को बढ़ाया था और इसे 30 जून 2024 कर दिया गया था।

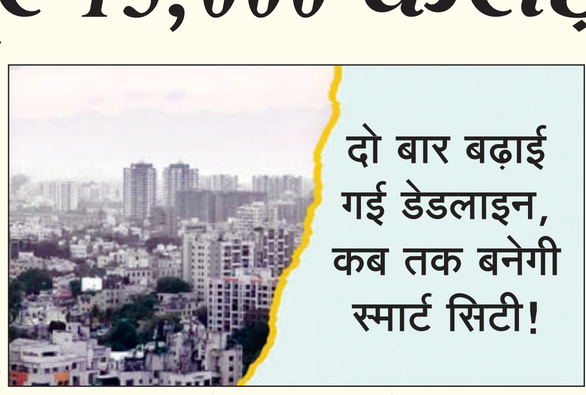

स्मार्ट सिटी मिशन भारत सरकार का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, इसके तहत देश भर में 100 शहरों को विकसित करना, उन्हें लोगों की सुविधाओं के अनुकूल बनाना है। इसके तहत ई-गवर्नेंस, कूड़ा प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, कौशल विकास, बुनियादी ढांचा विकसित करना आदि काम होने हैं। इस मिशन के लिए लगभग 2 लाख करोड़ रुपए अलग से रखे गए थे। केंद्र और राज्य इसके लिए बराबर-बराबर पैसा देते हैं।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट में से लगभग 10 प्रतिशत प्रोजेक्ट जो 15,000 करोड़ रुपए की लागत के हैं, वे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं और ऐसे में यह जरूरी है कि इन प्रोजेक्ट्स के पूरा होने की डेडलाइन को आगे बढ़ाया जाए। शहरी विकास मंत्रालय के स्मार्ट सिटी मिशन डैशबोर्ड से पता चलता है कि 1.64 लाख करोड़ रुपए के कुल 7,996 प्रोजेक्ट्स में से 1.43

▶10 पर

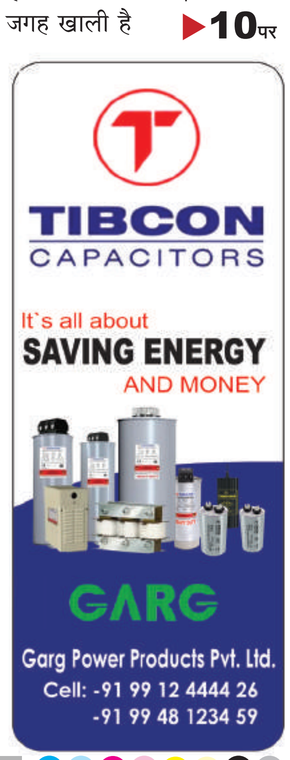

दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के जहाज के बीच टक्कर, ड्रैगन ने पूरा आरोप मनीला पर मढ़ा

बीजिंग, 17 जून (एजेंसियां)। चीन दक्षिण चीन सागर को पूरी तरह से हड़पने के लिए लगातार दूसरे देशों से टकराता रहता है। पिछले कुछ महीनों से चीन और फिलीपींस के तटरक्षक बलों के बीच होने वाली झड़पें खबरों में रही हैं। हालांकि, इस बीच दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास एक चीनी जहाज और एक फिलीपींस के आपूर्ति जहाज के बीच टक्कर होने की जानकारी सामने आई है। थॉमस सोल के पास हादसा चीन के तटरक्षक बल ने बताया कि दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास एक चीनी जहाज और एक फिलीपीन आपूर्ति जहाज टकरा गया। तटरक्षक बल ने आगे बताया कि फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने द्वितीय थॉमस शोल के निकट पानी में प्रवेश किया, जो स्प्रैटली द्वीप समूह में एक जलमग्न चट्टान है। चेतावनियों को किया नजरअंदाज चीनी तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीचैट पर कहा कि चीन बार-बार चेतावनी दे रहा था, लेकिन फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने गंभीर चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। वहीं, एक चीनी जहाज के पास गैर-पेशेवर तरीके से खतरनाक तरीके से पहुंचा, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हो गई। आगे कहा कि इस पूरे मामले का जिम्मेदार फिलीपींस है। मनीला की सफाई हालांकि, फिलीपींस की राजधानी मनीला का कहना है कि यह समुद्री तट, जो उसके तट से 200 समुद्री मील (370 किलोमीटर) से भी कम दूरी पर स्थित है, उसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेष आर्थिक क्षेत्र में आता है और वह अक्सर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के फैसले का हवाला देता है, जिसने ऐतिहासिक आधार पर दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों को अमान्य कर दिया था। शोल के पास हाल के महीनों में कई घटनाएं हुई हैं, जहां फिलीपींस ने बीआरपी सिएरा माद्रे जहाज पर एक चौकी बना रखी है। दक्षिण चीन सागर को लेकर क्या विवाद है दक्षिण चीन सागर दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक है। यह समुद्री मार्ग से व्यापार एवं परिवहन के लिए एक महत्त्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। दक्षिण चीन सागर या साउथ चाइना सी पर दावे को लेकर चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रूनेई दारुसलाम, फिलीपींस, ताइवान, स्कार्बोराफ रीफ जैसे विभिन्न देशों के बीच विवाद है।

न्यूज ब्रीफ

धीरे-धीरे एटमी हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है चीन, भारत के पास पाकिस्तान से ज्यादा परमाणु बम

बीजिंग। चीन धीरे-धीरे अपनी परमाणु क्षमताओं में बढ़ोतरी कर रहा है। यह खुलासा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन अपनी परमाणु क्षमताओं का विस्तार और आधुनिकीकरण कर रहा है, अनुमान लगाया जा रहा है कि वह साल 2030 तक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों में अमेरिका या रूस की बराबरी कर लेगा। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में भले ही एटमी हथियारों की संख्या घट रही हो, लेकिन ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। चीन तेजी से बढ़ा रहा परमाणु भंडार दुनियाभर में हथियारों की दौड़ पर निगाह रखने वाली स्वीडन के थिंक टैंक सिपरी निदेशक डैन स्मिथ ने जारी ईयरबुक 2024 में बताया है कि दुनिया भर में हर साल सक्रिय परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ रही है, जिसमें सबसे तेजी से बढ़ रहा भंडार चीन का है। संस्थान ने भविष्यवाणी की है कि 2030 तक चीन के ऑपरेशनल अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या अमेरिकी और रूस के बराबर हो सकती है। डैन स्मिथ के मुताबिक दुनियाभर में ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जबकि शीत युद्ध के दौर के हथियारों को धीरे-धीरे खत्म किए जाने के कारण वैश्विक परमाणु हथियारों की कुल संख्या में गिरावट जारी है, लेकिन अफसोस की बात है कि हम ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या में साल-दर-साल बढ़ोतरी देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी और आने वाले वर्षों में इसमें शायद और बढ़ोतरी हो और यह अत्यंत चिंताजनक है। चीन के पास 500 परमाणु हथियार रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी तक चीन के परमाणु भंडार में पिछले साल के मुकाबले 410 से बढ़कर 500 परमाणु हथियार हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में लगभग 2,100 तैनात परमाणु हथियार हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर हैं, जिनमें से अधिकांश रूस और अमेरिका के हैं। पहली बार ऐसा माना जा रहा है कि चीन ने भी शांति काल के दौरान मिसाइलों पर अपने कुछ हथियार अलर्ट पर रखे हैं। चीन ने पिछले एक साल में 90 नए परमाणु बम बनाए हैं। निष्कर्ष अमेरिकी पेंटागन द्वारा कांग्रेस को दी गई रिपोर्ट से मेल खाते हैं, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि चीन के पास वर्तमान में 500 से अधिक ऑपरेशनल परमाणु हथियार हैं, जो संभवतः जिनकी संख्या इस दशक के अंत तक 1,000 से ऊपर पहुंच सकती है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में पांच आतंकवादी ढेर

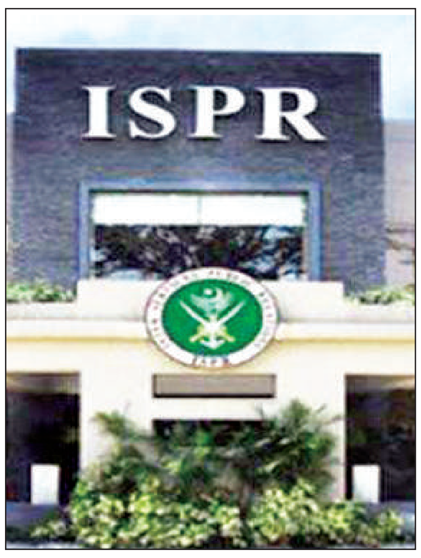

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में पांच आतंकवादी मारे गये। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने सोमवार को बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर रविवार को सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर कबायली जिले में अभियान शुरू किया।

बयान में कहा गया है कि अभियान के दौरान, सैनिकों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर प्रभावी ढंग से कब्ज़ा कर लिया और पांच आतंकवादियों को मार गिराया।

आईएसपीआर ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किये गये।

इजराइली सेना के हर दिन 11 घंटे युद्धविराम पर रार आग बबूला हुए पीएम नेतन्याहू, कहा- यह अस्वीकार्य

यरूशलम, 17 जून (एजेंसियां)। हमास ने सात अक्तूबर को इजराइल पर हमले की शुरुआत की थी। इसके जवाब में इजराइल ने गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था, जो अभी भी जारी है। ऐसे में गाजा की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सेना ने युद्ध विराम करने का फैसला लिया, लेकिन पीएम नेतन्याहू गुस्सा हो गए। हमास और इजराइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच खबर सामने आ रही है कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी सेना से नाराज हो गए हैं। दरअसल, सेना ने हाल ही में फैसला लिया था कि फलस्तीनी क्षेत्र में सहायता पहुंचाने के लिए गाजा की मुख्य सड़कों में से एक पर लड़ाई में प्रतिदिन रणनीतिक विराम लगाया जाएगा। इस कदम को लेकर ही पीएम नेतन्याहू भड़क गए और सेना की आलोचना की।

सेना ने यह उठाया कदम

सेना ने केरेम शालोम क्रॉसिंग से सलाह अल-दीन रोड और फिर उत्तर की ओर के क्षेत्र में हर दिन सुबह पांच बजे से शाम को चार बजे तक कोई भी हमला नहीं करने का एलान किया था।

आगबूबला हुए पीएम

एक अधिकारी ने बताया कि जब प्रधनामंत्री को इस बात का पता चला कि हर दिन 11 घंटे का युद्ध पर विराम रहेगा तो वह आग बबूला हो गए। उन्होंने तुरंत सेना के सचिव से बात की और स्पष्ट किया कि यह कदम वह स्वीकार्य नहीं करेंगे।

सेना ने दिया जवाब

वहीं, सेना ने स्पष्टीकरण दिया कि राफा में सामान्य अभियान जारी रहेंगे, जहां आठ सैनिक मारे गए थे हालांकि, नेतन्याहू की प्रतिक्रिया ने गाजा में सहायता के मुद्दे पर राजनीतिक तनाव को रेखांकित किया, जहां अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने बढ़ते मानवीय संकट की चेतावनी दी है।

जिसने भी फैसला किया वह मूर्ख

नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन में राष्ट्रवादी धार्मिक दलों में से एक का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने एक रणनीतिक विराम के विचार की निंदा करते हुए कहा कि जिसने भी फैसला किया वह मूर्ख था। फैसला करने वाले को नौकरी से निकाला जाना चाहिए।

नया संघर्ष छिड़ता दिख रहा

युद्ध विराम को लेकर गठबंधन के सदस्यों और सेना के बीच नया संघर्ष छिड़ता दिख रहा है। इससे एक सप्ताह पहले मध्यमार्गी पूर्व जनरल बेनी गैंट्ज ने नेतन्याहू पर गाजा में कोई प्रभावी रणनीति नहीं होने का आरोप लगाते हुए सरकार का साथ छोड़ दिया था।

यहूदियों को सेना में भर्ती करने पर मतभेद

पिछले सप्ताह संसद में अति-रूढ़िवादी यहूदियों को सेना में भर्ती करने संबंधी कानून पर हुए मतदान में मतभेद उजागर हो गए, जब रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने पार्टी के आदेशों की अवहेलना करते हुए इसके खिलाफ मतदान किया और कहा कि यह कानून सेना की जरूरतों के लिए अपर्याप्त है। गठबंधन में शामिल धार्मिक दलों ने अति-रूढ़िवादी लोगों के लिए भर्ती का कड़ा विरोध किया है, जिससे कई इस्राइलियों में गुस्सा है, जो युद्ध के चलते और गहराता जा रहा है। सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने कहा कि तेजी से बढ़ते अति-रूढ़िवादी समुदाय से अधिक सैनिकों की भर्ती करने की निश्चित आवश्यकता है।

यह है मामला

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

ट्रंप ने किया इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाने का वादा, बाइडन को दी दिमाग का टेस्ट कराने की सलाह

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। इस साल अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप में कड़ी टक्कर है। दोनों उम्मीदवार एक दूसरे पर जमकर निशाना साधते रहते हैं। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ने मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन पर तंज कसते हुए दावा किया कि वह फिर से सत्ता में आते हैं तो देश के इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाया जाएगा। वहीं, बाइडन को सलाह दी है कि उन्हें दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि, इस दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम गलत बोल गए। मतदान करने का आह्वान 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में फिर से चुने जाते हैं तो सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाएंगे। मिशिगन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने समर्थकों से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति के लिए मतदान करने का आह्वान किया। लोगों के पास दो विकल्प उन्होंने कहा, नवंबर में हर मतदाता के पास विकल्प है। आप ऐसा राष्ट्रपति चुन सकते हैं, जो हजारों चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को हमारे देश में आने दें। या फिर आप एक ऐसा राष्ट्रपति बना सकते हैं, जो चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को देश से बाहर निकाल देगा। ट्रंप ने कहा, मेरे नए प्रशासन के पहले दिन हम अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब रिपब्लिकन खेमा प्रवासियों के हमले को उठाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप और उनके समर्थक चुनाव से पहले ही ऐसा माहौल बना रहे हैं कि डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन ने अप्रवासियों के लिए अमेरिका आना आसान बना दिया है। दिमाग का टेस्ट लें बाइडन इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति को एक सुझाव दिया कि उन्हें एक दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि सुझाव के दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम भूल गए और डॉक्टर रॉनी जैक्सन को रॉनी जॉनसन कहकर बुलाने लगे। पूर्व राष्ट्रपति ने डेट्रायट में टर्निंग प्वाइंट एक्शन के एक कार्यक्रम में बाइडन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वह यह भी नहीं जानते कि मुद्रास्फीति शब्द का मतलब क्या होता है।

राष्ट्र विरोधी अभियानों को रोकने के लिए शहबाज सरकार ने दी चेतावनी, पीटीआई से प्रचार रोकने का आग्रह

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया गया है। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की सरकार ने चेतावनी दी है कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा, पाकिस्तान एक स्वतंत्र राष्ट्र है, उसे किसी अन्य राष्ट्र से आदेश लेने की जरूरत नहीं है। हम सभी राष्ट्र के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामी अभियान चलाया गया। इसने पाकिस्तान विरोध प्रचार को बढ़ावा दिया है। अकील मलिक ने पीटीआई को घेरा मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने विदेशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान चलाने के लिए पीएम फार्म और पैरवी करने वालों को काम पर लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कदम उठाया जाएगा। कानूनी मामलों के प्रवक्ता ने पीटीआई से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की छवि को धूमिल करने की बजाय उन्हें इसके समाधान पर विचार करने के लिए सरकार से बात करनी चाहिए। मलिक ने दावा कि सभी पाकिस्तान विरोधी कानून पीटीआई के इशारों पर बनाए जाते हैं और इस पार्टी के साथ विशेष जुड़ाव रखने वाले प्रवासी पाकिस्तानी इन कानूनों का दुरुपयोग करते हैं। बता दें कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव को लेकर पीटीआई सवाल उठा रहा है।

हज करने गए जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी के कारण मौत, ईरान के पांच लोगों की भी गई जान

रियाद, 17 जून (एजेंसियां)। सऊदी के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद अल-अब्दुलअली ने बताया कि 2,760 तीर्थयात्री सनस्ट्रोक और लू के शिकार हुए। उन्होंने आगे कहा कि संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। सऊदी अरब में हज करने गए जॉर्डन के कम से कम 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी से मौत हो गई। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हज यात्रा के दौरान 17 अन्य तीर्थयात्री लापता हो गए। हालांकि, इसे लेकर मंत्रालय लगातार सऊदी अधिकारियों के संपर्क में हैं। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि हज यात्रा के दौरान 17 तीर्थयात्री लापता हो गए। मीडिया के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण स्ट्रोक से पीड़ित होने के बाद नागरिकों की मौत हो गई। मंत्रालय ने कहा कि तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब में दफनाने या फिर जॉर्डन में स्थानांतरित करने के लिए सऊदी के अधिकारियों से बातचीत जारी है।

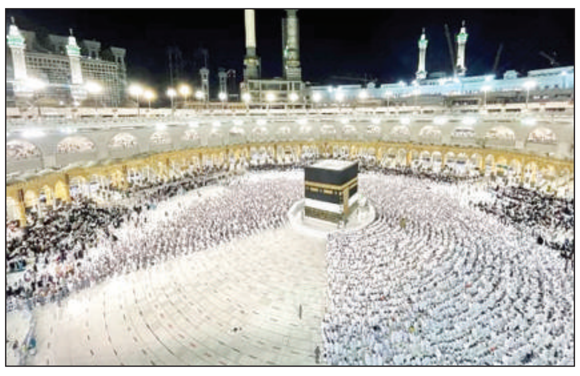

ईरानी तीर्थयात्रियों की भी मौत

ईरान ने भी बताया कि हज यात्रा के दौरान उनके पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हालांकि, उन्होंने मौत के कारणों की पुष्टि नहीं की। सऊदी अरब ने भी अभी तक जान गंवाने वालों को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। सऊदी के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद अल-अब्दुलअली ने बताया कि 2,760 तीर्थयात्री सनस्ट्रोक और लू के शिकार हुए। उन्होंने आगे कहा कि संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसी के साथ उन्होंने तीर्थयात्रियों से भरी दोपहरी में नहीं निकलने की अपील की और खुद को हाइड्रेट रखने को कहा।

मक्का का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है। हज यात्रा संपन्न होगी। पिछले साल हज यात्रा के दौरान 240 लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में ज्यादातर इंडोनेशिया के थे।

मतभेदों को सुलझाने पर सहमति, ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष से मुलाकात के बाद बोले चीनी पीएम कियांग

मेलबर्न, 17 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने कैनबरा में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। अल्बनीस के साथ अपनी बातचीत को स्पष्ट, गहन और सार्थक करार देते हुए ली ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच कुछ मतभेदों और असहमतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और उनपर आगे काम करने पर सहमति व्यक्त की।

हेंगजुन की तबियत सही नहीं

इससे पहले, यांग हेंगजुन के समर्थकों ने प्रधानमंत्री अल्बनीस से अनुरोध किया था कि वे चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से बीमार चल रहे लेखक को मेडिकल पैरोल पर रिहा करने या उन्हें ऑस्ट्रेलिया को सौंपने के लिए कहें। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, लेखक और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता यांग हेंगजुन जासूसी के आरोप में 2019 से ही चीन की जेल में बंद हैं। हालांकि, हेंगजुन अपने ऊपर लगे आरोपों को शुरू से ही नकारते आ रहे हैं।

वार्षिक बैठक में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बात हुई। हालांकि अभी यह जानकारी सामने नहीं आई है कि हेंगजुन को रिहा करने के मुद्दे पर बात हुई या नहीं। मगर माना जा रहा है कि दोनों के बीच इस पर चर्चा हुई होगी।

सात साल बाद...

सात साल बाद चीन का कोई प्रधानमंत्री आस्ट्रेलिया की यात्रा पर आया है। धीरे-धीरे दोनों देशों के बीच संबंध सुधरते जा रहे हैं। बैठक के बाद ली कियांग ने कहा कि दोनों पक्ष उच्च स्तरीय आदान-प्रदान बनाए रखने और दोनों देशों के बीच सरकारी विभागों और राजनीतिक दलों के बीच आदान-प्रदान को मजबूत करने पर सहमत हुए।

उन्होंने कहा, अभी-अभी, प्रधानमंत्री अल्बनीज और मैंने एक बैठक की और कई मुद्दे पर आम सहमति पर पहुंचे। हम दोनों अपने द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में बनाए रखने, सुधार और विकास की इसकी गति को मजबूत करने पर सहमत हुए। हमने इस संबंध को एक रणनीतिक साझेदारी के रूप में परिभाषित करने, आपसी सम्मान और विश्वास के लिए और इस रिश्ते को सकारात्मक दृष्टिकोण में देखने और संभालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

ली ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे

दरअसल, चीनी प्रधानमंत्री ली ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। इस दौरान चीनी दूतावास द्वारा जारी एक बयान में ली ने कहा था कि चीन-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध उतार-चढ़ाव के बाद पटरी पर लौट आए हैं। वहीं, एडिलेड के पास एक वाइनरी में ली के लिए दोपहर का भोजन आयोजित किया गया था, जिसमें विदेश मंत्री पेनी वोंग, व्यापार मंत्री डॉन फैरेल और कृषि मंत्री मरे वाट ने भाग लिया था।

बाद में चीनी पीएम ने एडिलेड चिड़ियाघर का भी दौरा किया था। वहां दो चीनी पांडा की घोषणा की, जो लंबे समय से एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण रहे हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर पीटर मालिनौस्कास ने कहा था कि यह घोषणा ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंधों के स्थिरीकरण का एक शक्तिशाली संकेत है।

अल्बनीज ने संकेत दिया था कि बातचीत में वे दोनों देशों के बीच के मुश्किल मुद्दों को उठाएंगे। इनमें हाल की घटनाएं शामिल हैं। थोड़े दिन पहले ऑस्ट्रेलिया की सैन्य संपत्तियों और कर्मियों को चीनी सोनार और फ्लेयर्स द्वारा निशाना बनाया गया था।

झींगा मछलियों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध...

ऑस्ट्रेलियाई सरकार उम्मीद कर रही है कि इस यात्रा से ऑस्ट्रेलियाई झींगा मछलियों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को जल्द से जल्द हटा दिया जाएगा, हालांकि फैरेल ने संकेत दिया कि उन्हें तत्काल घोषणा की उम्मीद नहीं है। यह पिछली गठबंधन सरकार के खिलाफ चीनी प्रतिशोध से उत्पन्न बाधाओं का सामना करने वाला अंतिम महत्वपूर्ण ऑस्ट्रेलियाई उत्पाद है।

कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकराई मालगाड़ी 15 की मौत, 60 से अधिक घायल

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी सहित कई नेताओं ने जताया दुःख
- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घटनास्थल पहुंचे, हालात का लिया जायजा
- पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए दिए जाएंगे

दार्जिलिंग, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिल में सोमवार को बड़ा रेल हादसा हुआ है। कोलकाता से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने से 15 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। ट्रेन को सिलीगुड़ी के रंगापानी क्षेत्र में एक मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घटनास्थल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। रेल मंत्री ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात भी दी। उधर द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी सहित कई नेताओं ने घटना पर गहरा दुःख जताया है। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार

रूपए अनुग्रह राशि दिये जाने की घोषणा की।

हालांकि रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीईओ जय वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, ईस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है।

न्यूज एजेंसियों ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि रेलवे के आंतरिक दस्तावेज में इस बात का खुलासा हुआ है कि ऑटोमेटिक सिग्नल खराब था, इस वजह से मालगाड़ी का ड्राइवर आगे बढ़ गया। रेड सिग्नल काम ही नहीं कर रहे थे। रानीपात्रा के स्टेशन मास्टर ने मालगाड़ी के ड्राइवर को जारी किए दस्तावेज में उसे सभी रेड सिग्नल पार करने की मंजूरी थी। इससे पहले रेलवे बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा के मुताबिक, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है। कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो पार्सल और एक एसएलआर कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12:40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हुई। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है।

रेल मंत्री ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख और घायलों को ढाई-ढाई लाख रुपए देने का किया ऐलान

नई दिल्ली 17 जून (वार्ता) रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी के समीप सोमवार को अगरतला-सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल लोगों को ढाई-ढाई लाख रुपए और मामूली रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। श्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा, पीड़ितों को बढ़ी हुई अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। मृत्यु की स्थिति में 10 -10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल के लिए 2.5-2.5 लाख रुपए और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 50,000-50,000 रुपए दिए जाएंगे।

रायबरेली रहेंगे राहुल गांधी
वायनाड से लड़ेंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद देशभर में सियासी दल आंतरिक बैठक कर आगे की रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक की और राहुल गांधी की संसदीय सीट को लेकर फैसला किया।

बैठक के बाद खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी वायनाड सीट छोड़ेंगे और रायबरेली अपने पास रखेंगे। इसके बाद प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार होंगी। इस मीटिंग में सोनिया गांधी के साथ राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल भी शामिल हुए।

खड़गे ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, हम सबने बैठक में यह तय कर लिया कि राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे, क्योंकि रायबरेली पहले से भी उनके काफी नजदीक रही है। उस परिवार के साथ जुड़ाव है और पीढ़ियों से वहां से लड़ते आए हैं। इसलिए वहां के लोगों और पार्टी के लोगों का भी कहना है कि वह रायबरेली की सीट अपने पास रखें। वायनाड के लोगों का प्यार भी राहुल को मिला है। वे लोग चाहते हैं कि राहुल वायनाड में ही रहें, लेकिन कानून इसकी इजाजत नहीं देता कि कोई दो सीटें अपने पास रखे। इसीलिए वायनाड सीट से प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ेंगी।

प्रियंका गांधी ने कहा, मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। वायनाड का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात होगी। मैं एक अच्छा प्रतिनिधि बनने की कोशिश करुंगी। रायबरेली से मेरा पुराना रिश्ता है और मैंने रायबरेली और अमेठी के लिए काफी काम किया है। मैं भैया की मदद रायबरेली में भी करूंगी। हम दोनों वायनाड और रायबरेली में एक-दूसरे की मदद भी करेंगे। कांग्रेस आलाकमान की यह बैठक राहुल गांधी के रायबरेली या वायनाड सीट छोड़ने पर मची सियासी सरगर्मी के बीच आयोजित की गई थी।

बांडीपोरा में मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर, गोलीबारी जारी

जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)। उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा जिले के अरागाम इलाके में सोमवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच चल रही मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। जबकि दूसरे के साथ समाचार भिजवाए जाने तक गोलीबारी जारी थी। दूसरी ओर सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा मे हिज्बुल मुजाहिदीन के एक आतंकी को हथियारों समेत धर लिया है।

अरागाम में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है, जिसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। सेना के एक अधिकारी ने भी चल रही मुठभेड़ में एक आतंकवादी के मारे जाने की पुष्टि की है। जैसे ही सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने संदिग्ध स्थान की ओर तलाशी तेज की, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस गोलीबारी का सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। मुठभेड़ में दो आतंकवादी

फंसे हुए थे। जानकारी के लिए जम्मू- कश्मीर में हाल ही में चार आतंकी हमलों के बाद अलग-अलग जगहों पर संदिग्ध देखे गए थे। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया था। गौरतलब है कि 24 अप्रैल को इसी स्थान पर आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में दो सैन्य जवान घायल हो गए थे।

दूसरी ओर उत्तरी कश्मीर के जिला कुपवाड़ा में पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम को बड़ी सफलता मिली है। जिले के उप जिला हंदवाड़ा में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है। आतंकी प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन संगठन से जुड़ा हुआ है और वह क्षेत्र में साफ्ट टारगेट करने की फिराक में था। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को हंदवाड़ा के काचरी गांव से हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के आतंकवादी को गिरफ्तार किया। उसे लक्षित हत्याओं को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। हंदवाड़ा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसएसपी हंदवाड़ा दाऊद अयूब ने कहा कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सेना की 30आरआर और हंदवाड़ा पुलिस सहित सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान जाकिर हामिद मीर के रूप में की गई है।

हेलीकॉप्टर से अमरनाथ आने वालों को ऑनलाइन बुकिंग करानी होगी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 17 जून।

इस बार हेलीकॉप्टर से अमरनाथ यात्रा में शामिल होने की योजना बना रहे श्रद्धालुओं को इस बार ऑनलाइन बुकिंग करानी होगी। अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड ने इस बार सभी टिकट आनलाइन ही बेचने का निर्णय लिया है। इस बार हेलीकॉप्टर से दर्शन करने के लिए जाने वालों को कोई प्राथमिकता के आधार पर दर्शन सुविधा नहीं मिलेगी।

अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, इस बार ठफलाइन टिकट या प्राथमिकता उपलब्ध नहीं होगी, इसलिए बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी और सीधे श्रद्धालुओं को प्रदान की जाएगी।

इस अधिकारी ने जानकारी दी की पहलगाम से पंजतरणी तक का एकतरफा किराया 4,900 रुपए, दो तरफा किराया 9,800 रुपए है जबकि नीलग्रथ से पंजतरणी तक का एकतरफा किराया 3,250 रुपए और दोनों तरफ का किराया 6,500 रुपए तय किया गया है।

जानकारी के लिए इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा

की ऑनलाइन बुकिंग 16 जून से शुरू हो गई हे। अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने 29 जून से शुरू होने वाली इस साल की 52 दिवसीय अमरनाथ यात्रा के लिए बालटाल और पहलगाम दोनों यात्रा मार्गों के लिए सुविधा शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बालटाल मार्ग के लिए नीलग्रथ-पंजतरणी-नीलग्रथ पर हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि पहलगाम मार्ग के लिए पहलगाम-पंजतरणी-पहलगाम मार्ग पर हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध होगी।

एसएएसबी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू हो रही है और 19 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर सम्पन्न होगी। पंजतरणी हेलीपैड से पवित्र गुफा तक और वापस यात्रा में समय लगता है, इसलिए तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध स्लॉट यात्राओं के बीच कम से कम 5 से 6 घंटे के अंतराल पर दिखाई देंगे।

श्राइन बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि यात्री को यात्रा के दौरान मूल फोटो पहचान पत्र और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र साथ रखना होगा, जबकि तीर्थयात्रियों को बुक किए गए समय से कम से कम 30 मिनट पहले संबंधित हेलीपैड पर पहुंचना होगा। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि हेलीकॉप्टर सेवा की ऑनलाइन बुकिंग आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर की जा सकती है। श्राइन बोर्ड ने एक बयान में कहा कि चार्टर बुकिंग केवल श्रीनगर और नीलग्रथ के बीच यात्रा के लिए अनुमति दी गई है, जिसमें नीलग्रथ और पंजतरणी के बीच चलने वाली कनेक्टिंग सेवा पर प्राथमिकता वाली सीटें हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चार्टर बुकिंग से यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के पास भी हेलीकाप्टर टिकट बुक करते समय स्वास्थ्य प्रमाणपत्र होना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अनुसार, तीर्थ यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। तीर्थयात्रियों के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल से ही शुरू हो चुका है। इस साल, पवित्र गुफा तक 125 लंगर लगाने की अनुमति दी गई है। कई स्थानों पर लंगर व्यवस्थाएं मूर्त रूप लेने लगी हैं।

चुनाव से पहले आएगी नौकरी की बहार मुख्यमंत्री ने समय सीमा भी बताई

पटना, 17 जून (ब्यूरो)। चुनावी माहौल में तेजस्वी यादव 17 महीने में नौकरी देने की बात कहते रहे जिसका असर लोकसभा चुनाव के परिणाम में देखने को मिला। हार-जीत के मंथन में सरकार ने इस बात को भी समझा और इसलिए लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के समाप्त होते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहले कैबिनेट की बैठक के साथ यह फैसला लिया कि 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्होंने 10 लाख नौकरियां और 10 लाख रोजगार की जो बात कही थी, उसे अब अगले चुनाव यानि बिहार विधान सभा चुनाव से पहले पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि आधा काम हो गया है और आधा काम जल्द से जल्द पूरा कर लेना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2020-25 के अन्तर्गत

15 दिसम्बर 2020 से लागू सात निश्चय - 2 के अन्तर्गत 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। अब तक 5 लाख 16 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। 1 लाख 99 हजार सरकारी नौकरी से संबंधित नियुक्ति की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गयी है। सरकार का कहना है कि अगले तीन महीने में नियुक्ति पत्र का वितरण कर लिया जायेगा।

2 लाख 11 हजार नई नियुक्ति हेतु अधियाचना विभिन्न आयोगों को भेजी जा चुकी है, जबकि 2 लाख 34 हजार पदों पर नियुक्ति के लिए विभिन्न आयोगों को अधियाचना भेजने की तैयारी की जा रही है। इस प्रकार कुल 5 लाख 17 हजार सरकारी नौकरी की नियुक्ति के लिए विभिन्न आयोगों को अधियाचना या तो भेजी जा चुकी है या फिर प्रक्रियाधीन है। वर्ष 2024-25 तक नियुक्ति पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किय गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय - 2 के अन्तर्गत मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित 10 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के विरूद्ध आगामी वर्ष तक 12 लाख से अधिक लोगों को सरकारी नौकरियां दे दी जायेगी। हालांकि अब तक 22 लाख से अधिक रोजगार सृजित किये जा चुके हैं, जबकि वर्ष 2024-25 में कुल 11 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नियुक्ति हेतु आयोजित परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता न हो सके। साथ ही प्रश्नपत्र लीक न हो इसको लेकर एक सख्त कानून बनाया जायेगा। इसके लिए एक प्रस्ताव आगामी विधानसभा के सत्र में लाया जायेगा।

सात निश्चय- 2 के अन्तर्गत 5 लाख 16 हजार नियुक्तियां की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 1 लाख 99 हजार नियुक्ति पत्र वितरण के लिये तैयार है। साथ ही 5 लाख 17 हजार रिक्तियों के विरूद्ध नियुक्ति प्रक्रियाधीन है यानी (5 लाख 16 हजार + 1 लाख 99 हजार + 5 लाख 17 हजार) कुल 12 लाख से अधिक सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक रखा गया है।

हीरानगर हमले के बाद जम्मू सीमा के संवेदनशील ठिकानों पर सतर्कता

जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)। कठुआ के हीरानगर में पिछले हफ्ते हुए आतंकी हमले के उपरांत बीएसएफ की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल इसलिए उठने लगे थे क्योंकि जम्मू कश्मीर पुलिस का कहना था कि मारे गए आतंकी जम्मू सीमा को पार कर ही इस ओर आए थे। यही नहीं पुलिस का तो यह भी दावा था कि मारे गए आतंकियों के साथी अभी भी इस ओर जिन्दा हैं।

ऐसे में बीएसएफ ने इस चुनौती का सामना करने के लिए 264 किमी लंबी जम्मू सीमा पर संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा ग्रिड को और पुख्ता बनाया है। नदी, नालों से लगते इलाकों में अतिरिक्त कंटीली तारें बिछाई गई हैं। इसके साथ इन जगहों पर घुसपैठ को रोकने के लिए बेतहर तकनीकी सर्वेलांस का सहारा लिया जा रहा है। संवेदनशील जगहों पर जवानों की तैनात बढ़ाने के साथ ड्रोन की मदद से भी सरहद के हर हिस्से पर नजर रखी जा रही है। कई स्थानों पर पहली बार बारूदी सुरंगें भी बिछाई हैं।

कई स्थानों पर जमीन में सुरंगों को खोजने का कार्य भी जारी है क्योंकि आशंका यह है कि ताजा घुसे आतंकी किसी सुरंग के सहारे इस ओर घुसे थे। यह आशंका इसलिए जताई जा रही है क्योंकि बीएसएफ के सूत्रों का दावा था कि कहीं से कोई तारबंदी कटी हुई नहीं पाई गई है। सीमा पर घुसपैठ को नाकाम बनाने की दिशा में सीमा सुरक्षा बल ने अहम भूमिका निभाई है। पिछले सालों में जब पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण पाकिस्तानी रेंजर्स की बुनियाद हिला रहा तो उस समय सीमा सुरक्षा बल सीमा से सटे इलाकों की सफाई कर रही थी। पाकिस्तान की ओर से एतराज करने, गोलीबारी करने के बाद भी सीमा प्रहरियों की मुहिम चलती रही है। ऐसे में सांबा सेक्टर में बसंतर नदी के पास सीमा सुरक्षाबल ने पांच सौ कनाल जमीन से सरकंडे हटाकर इसे खेती लायक बना दिया। यह वही जगह थी यहां बाढ़ से फैंसिंग को नुकसान होने के बाद सरकंडों की आड़ में घुसपैठ की कोशिशें होती थी।

सीमा सुरक्षाबल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आतंकवाद के समूल नाश के लिए बनी रणनीति के तहत सेना, सीमा सुरक्षा बल व जम्मू कश्मीर पुलिस मिलकर काम कर रहे हैं। सरहद पर घुसपैठ पर अंकुश लगाने के बाद सक्रिय आतंकवादियों को मार गिराने के साथ जमीनी पर उन्हें सहयोग देने वाले ओवरग्राउंड वर्करों को निष्क्रिय किया जा रहा है। यह रणनीति कारगर साबित हो रही है। हताशा में आतंकववादियों का कश्मीर में आम लोगों को निशाना बनाना इसका सबूत है। आने वाले दिनों में आतंकवादियों को घेरने के दायरे को और सख्त बनाया जाएगा।

यही नहीं जम्मू के इंटरनेशनल बार्डर पर बरसात एक बार फिर बीएसएफ के लिए चुनौती साबित होने जा रही है। यही कारण था कि बरसात के दिनों में सीमा पार से होने वाली घुसपैठ को रोकने की खातिर बीएसएफ सभी उपाय कर लेना चाहती है। बरसात के दिनों में बाढ़ से नदी, नालों पर फैंसिंग क्षतिग्रस्त हो जाती है। इसके साथ नदी से सटे इलाकों में जलस्तर कम होने से कई घुसपैठ के रास्ते बन जाते हैं। बारिश के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दूर तक देखना संभव नहीं होता है। ऐसे में कई बार आतंकवादी बारिश के बीच घुसपैठ करने के लिए कोशिशें करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय बहतर रहेगा कार्य सिद्धि होगी । कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोतरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा तरल भोजन करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज गणेश जी को दूर्वा और सिन्दूर चढाए मनोवांछित फल मिलेगा। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा पदोन्नति संभव हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ध्यान और प्राणायाम करें शरीर मे उर्जा रहेगी। आपको यात्रा पर जाना पड़ सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर होगी ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज मनमुताबिक कार्य नही होंगे ।बहते पानी मे शक्कर बहादें। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

गणेश मंत्र का जप करें गाय को हरी सब्जी खिलाए । नई योजना बना सकते हैं। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। घर परिवार का माहौल ठीक रहेगा। यात्रा का योग बनेगा गुड का सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें । आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। खानपान में सावधानी बरते शाम को दूध का सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपको बुजुर्गों का माता पिता का आशीर्वाद लेकर चलें । आज खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। यात्रा का बिल्कुल नही है सावधानी बरते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अनुकूल नही हैं शिवमंत्र का जप करें । तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। सावधानी से खर्च करें। चींटियों को आटा डालें कर्ज मुक्त होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शानदार बनाना हैं तो ब्रह्म मुहूर्त मे निंद्रा त्याग कर ईश्वर का चिंतन करें । अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। दाम्पत्यजीवन मे पूर्ण सहयोग रहेगा। रिश्तों मे मधुरता बढेगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन खुशहाल हैं तरक्की के रास्ते खुलेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। नौकरी मिलने की पूरे योग हैं धन के रास्ते खुलेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप जो महनत करेंगे उसका परिणाम सौ प्रतिशत मिलेगा। आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। कुंवारों का रिश्ता तय हो सकता है दुर्गा जी को लाल पुष्प चढाए कार्य सिद्ध होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको विरोधी नुकसान पहुंचा सकते हैं सतर्कता बरतें । किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। वाणी पर क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपशब्दों का इस्तेमाल न करें व्यवहार खराब होगा संयमित रहें।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 18 जून 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 06:26 तक
नक्षत्र : स्वाति दोपहर 03:56 तक
योग : शिव प्रातः 09:38 तक
करण : विष्टि प्रातः 06:26 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : निर्जला एकादशी व्रत ,
भद्रा प्रातः 06:26 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अलवर के थानागाजी में 11 मोर मृत पाए गए

अलवर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के थानागाजी उपखंड इलाके में किशोरी पंचायत के निकटवर्ती क्यारा गांव में सोमवार को 11 मोर एक साथ मृत पाए गए।

मोरों के अचेतावस्था की खबर सुन कर समाज सेवी जयराम मीणा ने प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित किया जिसमें पुलिस एवं रेंज थानागाजी की टीम मौके पर पहुंची तो वहां पाया सभी मोर मृत अवस्था में थे। इसके बाद टीम ने मोरों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करा कर नाका घाटा पर दफनाया। एक साथ इतने मोरों की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए। आखिर 11 मोर एक साथ एक समय एक जैसी स्थिति में कैसे मरें, इनके साथ तापघात या घात अथवा बीमारी या ईश्वर की दी गई मौत या कहीं ज़हरीला दाना डाल कर एक साज़िश के तहत मौत दी गई।

इधर रेंजर जितेंद्र कुमार ने बताया कि मृत मोरों का पोस्टमार्टम कराया गया और इनके पोस्टमार्टम के बाद बिसरा को एकत्रित कर सैंपल को जांच के लिए भेजा गया जिससे यह पुष्टि हो जाए कि इन मोरों की मौत किस तरीके से हुई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का आरोप है कि अज्ञात लोगों ने जहरीला चुका डाला जिसके खाने के बाद उनकी मौत हुई है।

पीएम मोदी से राजस्थान के सीएम भजनलाल ने की मुलाकात

नई दिल्ली/जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। श्री मोदी से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। श्री शर्मा ने बताया कि आज राजधानी दिल्ली में विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए साधनारत, भारत के अमृतकाल के सारथी श्री मोदी से स्नेहपूर्ण भेंटकर उनका स्नेहिल आशीर्वाद एवं आत्मीय मार्गदर्शन प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत के निर्माण और जन जन की सतत सेवा के लिए पूर्णतः संकल्पित है। श्री शर्मा ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री एम एल खट्टर से भी मुलाकात की। इस अवसर पर श्री शर्मा ने श्री खट्टर के साथ राजस्थान प्रदेश से जुड़े विकास एवं विद्युत क्षेत्र में ऊर्जा के नए स्रोतों की बढ़ोतरी, आधुनिकीकरण और नवीन टेक्नोलॉजी के उपयोग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

सैनी ने अंबाला से अयोध्या के लिये बस को दी हरी झंडी

अंबाला, 17 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्री योजना के तहत अयोध्या के लिये बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री सैनी ने कहा कि अंबाला से 42 लोगों का एक जत्था अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के लिये जा रहा है। इन लोगों को विशेष बस से अयोध्या ले जाया जा रहा है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनका सपना आज साकार हो रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा की बधाई और शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के लिए जा रहे हैं। यह बहुत ही खुशी की बात है, उनकी यात्रा मंगलमय हो।

भजनलाल ने कंचनजंगा एक्सप्रेस एवं मालगाड़ी हादसे पर जताया दुख

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाई गुड़ी में कंचनजंगा एक्सप्रेस एवं मालगाड़ी हादसे पर गहरा दुख प्रकट किया है।

श्री शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि न्यू जलपाई गुड़ी में कंचनजंगा एक्सप्रेस एवं मालगाड़ी में भीषण टक्कर दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की और कहा मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भी इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार मिला। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना तथा घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। श्री गहलोत ने सरकार से त्वरित प्रभावी उपायों द्वारा जन जीवन संरक्षण सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया।

राजस्थान में ट्रेलर के पलटने से चार लोगों की मौत

उदयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर सिरोही राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बेकरियां थाना क्षेत्र में सोमवार को एक अनियंत्रित ट्रेलर राहगीरों को चपेट में लेता हुआ पलट गया जिससे दो महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि बेकरिया थाना क्षेत्र में मालवा का चौरा में अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे चल रहे राहगीरों को चपेट ले लिया और पलट गया। हादसे में तिलोई गांव निवासी मसरु गरासिया, हकरी बाई, सौवनी बाई तथा ट्रेलर चालक पंजाब निवासी बलविंदर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को 108 एम्बुलेंस से उपचार के लिए उदयपुर ले जाया गया है। मृतकों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई है। उनके आने पर शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बलराज हत्याकांड: प्रदर्शनकारियों का तोड़फोड़ का वीडियो आया सामने

फतेहाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद शहर के काठमंडी निवासी बलराज उर्फ गोली हत्याकांड के बाद सोमवार को दूसरे दिन भी पुलिस अलर्ट रही। पुलिस की अलग अलग टीम कबीर बस्ती, बाल्मीकि चौक और मातूराम कॉलोनी में तैनात की गई है। यहां पर नाकेबंदी करके आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

पुलिस को आशंका है कि शरारती तत्व यहां पर विवाद कर सकते हैं। वहीं रविवार शाम को आरके कॉलोनी में कुछ युवकों द्वारा मकान में की गई तोडफ़ोड़ का वीडियो सामने आया है। 15 से 20 युवकों ने आरके कॉलोनी निवासी गुलशन जग्गा के घर में घुसकर तोड़फोड़ की थी। वीडियो में नजर आ रहा है कि युवक घर में घुसकर तोड़फोड़ कर रहे हैं। युवक चौबारे तक जाकर तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं। युवकों ने आंगन में खड़े बुलेट बाइक को आग लगा दी थी। काठमंडी निवासी बलराज पर शुक्रवार शाम को बाइक सवार कुछ युवकों ने फायरिंग कर दी थी।

वह अपनी पत्नी पूजा के साथ स्वामी नगर से प्लाट देखकर क्रेटा गाड़ी पर वापस काठमंडी स्थित अपने निवास पर लौट रहा था। उसके पेट में गोली लगी थी। हिसार में शनिवार सुबह 6 बजे के आसपास उसने दम तोड़ दिया था। पुलिस ने उसकी पत्नी की शिकायत पर सिरसा के बनसुधार निवासी संजय व फतेहाबाद के खेमाखाती चौक निवासी विकास पर मामला दर्ज किया है। कल शाम को परिजनों ने लाल बत्ती पर शव लाकर जाम लगा दिया था। करीब तीन घंटे तक हिसार-सिरसा रोड पर जाम रहा था।

भाजपा सरकार शिक्षा का निजीकरण कर रही है : सैलजा

सिरसा, 17 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार शिक्षा का निजीकरण कर रही है। सुश्री सैलजा ने सोमवार जारी बयान में कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के हजारों पद रिक्त पड़े हैं, पर सरकार रिक्त पदों पर भर्ती नहीं कर रही। इससे निजी स्कूलों को बढ़ावा मिल रहा है। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये यह बड़ी समस्या बनती जा रही है क्योंकि उनके बच्चे सरकारी स्कूलों में ही शिक्षा ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे बच्चों को शिक्षा से वंचित रख कर उन्हें और ज्यादा पिछड़े रखना चाहती है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के 2300 स्कूलों में 9995 पीजीटी शिक्षकों के रिक्त हैं। इतने पद खाली होने से यह कहा जा सकता है कि सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था लचर हो चुकी है। इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा सरकार ने गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से वंचित रखने का षडय़ंत्र रचा हुआ है। उन्होंने कहा कि यही स्थिति उच्च शिक्षा में बनी हुई है। प्रदेश के 182 कॉलेज में प्रोफेसर के 7986 में से 4618 पद खाली पड़े हैं। इन खाली पदों ने हरियाणा के भविष्य के रास्ते को संकरा एवं अंधकारमय बना दिया है।

उपचार के दौरान वकील की मौत होने पर लोगों ने किया हंगामा

अजमेर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के पुष्कर रोड पर हरिभाऊ उपाध्याय नगर (मुख्य) स्थित आर्या न्यूरो हास्पिटल पर सोमवार को कुछ नागरिकों ने अस्पताल में उपचार के दौरान एक वकील की मौत होने पर हंगामा किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 13 जून को मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद ग्राम बड़ल्या के एडवोकेट दिलबाग सिंह रावत को उपचार चल रहा था। अस्पताल के डा. सूर्यप्रकाश चौधरी ने ईलाज के लिए भर्ती कर लिया और 14 जून को सिटी स्कैन किया गया। परिजनों का आरोप है कि बिना बताए आपरेशन कर दिया गया और अन्ततः मरीज की मौत हो गई। ईलाज के नाम पर 2.50 लाख रुपये भी ले लिए।

गत रात मौत की सूचना पर बड़ल्या गांव के ग्रामीण महिला-पुरुष, रावत समाज, परिजन सभी अस्पताल आ गये और आज सुबह जमकर हंगामा किया व नारेबाजी भी की। अस्पताल में हंगामे के समाचार सुन अतिरिक्त जिलाधीश (शहर) गजेंद्र सिंह राठौड़ , क्षेत्रीय उपाधीक्षक पुलिस रूद्रप्रकाश शर्मा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और समझाईश की, लेकिन सभी लोग अस्पताल प्रशासन, चिकित्सक डा. सूर्य कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते रहे तथा चेतावनी दी कि जब तक मृतक के परिजनों को मुआ-वजा नहीं दिया जाता, वे डटे रहेंगे। अजमेर जिला बार एसोसिएशन ने भी अपने सदस्य वकील की मौत पर परिजनों का समर्थन किया है।

आमने सामने की टक्कर के बाद दो डंपरों में लगी आग, एक का चालक जिंदा जला

झज्जर, 17 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर जिले के बेरी में जहाजगढ़-छुछकवास मार्ग पर दो डंपरों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर लगने के बाद दोनों डंपरों में आग लग गई जिसमें एक डंपर का ड्राइवर जिंदा जल गया। फिलहाल मृतक ड्राइवर की पहचान नही हो पाई है। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और डंपरों में लगी आग को कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डस्ट से भरा एक डंफर छुछकवास से जहाजगढ़ की तरफ जा रहा था। सामने से आ रहे खाली डंफर से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर होने के बाद दोनों डंफरों में आग लग गई। आग लगने से जहाजगढ़ की तरफ से खाली आ रहे डंफर का ड्राइवर अंदर ही फंस गया और जिंदा जल गया। बेरी थाना प्रभारी अमित का कहना है कि जहाजगढ़-छुछकवास मार्ग पर दो डंफरों की आमने-सामने की टक्कर होने के बाद दो डंफरों में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। जहाजगढ़ की तरफ से आ रहे डंफर का ड्राइवर अंदर जिंदा जल गया। लेकिन फिलहाल मृतक ड्राइवर की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 25 जून को रवाना होगा पहला जत्था

जानिए यात्रा से जुड़ी अहम बातें

जम्मू कश्मीर स्थित बाबा अमरनाथ में बर्फ से प्राकृतिक रूप से बनने वाले शिवलिंग के दर्शन करने के लिए छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत देशभर के प्रमुख शहरों से पहला जत्था 25 जून को रवाना होगा। वहीं, 29 जून से यात्रा शुरू होगी।

रायपुर से 150 और प्रदेशभर से 500 से अधिक श्रद्धालु रवाना होंगे। कई साल से यात्रा पर जा रहे अनुभवी श्रद्धालु पहली बार जाने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा में होने वाली परेशानियों से निपटने के विशेष सुझाव दे रहे हैं। इसके लिए व्हाट्सअप ग्रुप बनाया गया है, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालु एक-दूसरे के संपर्क में रहे।

करें ऑनलाइन-ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन

इस बार अमरनाथ यात्रा 29 से जून से शुरू होकर 19 अगस्त यानी की रक्षाबंधन पर्व तक चलेगी। 18वीं अमरनाथ यात्रा में बालाघाट और पहलगाम मार्ग से भक्त यात्रा करेंगे। 1 जुलाई को भक्त बाबा बर्फानी के दर्शन कर पाएंगे। यात्रा के लिए 17 अप्रैल से ही रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर की 20 बैंक शाखाओं में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी शुरू किए जा चुके हैं। अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुताबिक, 13 साल से लेकर 70 साल के लोग अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए https://jksasb.nic.in वेबसाइट पर जा सकते हैं।

इन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

अमरनाथ यात्रा के लिए आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड, श्राइन बोर्ड से ऑथराइज्ड डॉक्टर के हाथों बना हुआ मेडिकल सर्टिफिकेट, 5 पासपोर्ट साइज फोटो की जरूरत होगी। इस यात्रा पर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन, जॉइंट पेन, सांस की बीमारी, मिर्गी के दौरे जैसी बीमारियों से पीड़ित लोग नहीं जा सकते हैं। 29 जून 2024 से बाबा अमरनाथ की गुफा के पास भंडारा भी शुरू होगा और रक्षाबंधन के दिन तक चलेगा। इसमें यात्रियों के लिए नाश्ता, भोजन और चाय की व्यवस्था रहेगी। वहीं, बालटाल बेस कैंप में श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था भी की जाएगी।

अमरनाथ धाम को कहा जाता है तीर्थों का तीर्थ

चंद्रमा के साथ घटता-बढ़ता है शिवलिंग का आकार

अमरनाथ धाम की वार्षिक यात्रा 29 जून से शुरू होगी और इसका समापन 19 अगस्त को होगा। अमरनाथ धाम हिंदू धर्म के प्रमुख तीर्थों में से एक है। अमरनाथ धाम को तीर्थों का तीर्थ भी कहा जाता है। अमरनाथ धाम भगवान शिव को समर्पित है। हर साल आषाढ़ माह की पूर्णिया से अमरनाथ धाम की यात्रा शुरू होती है और रक्षाबंधन तक यह यात्रा यात्रा जारी रहती है।

अमरनाथ धाम दक्षिण कश्मीर में 3888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार यही वह स्थान है, जहां भगवान शिव ने माता पार्वती को ब्रह्मांड का रहस्य बताया था। इस दौरान दो कबूतरों ने भी इस कथा को सुन लिया था, जिससे वे भी अमर हो गए। माना जाता है कि वे दोनों कबूतर हर वर्ष सावन माह में इस पवित्र गुफा में देखे जा सकते हैं। अमर नाथ गुफा की लंबाई 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। गुफा करीब 11 मीटर ऊंची है।

यात्रा में आती है कई कठिनाई

अमरनाथ यात्रा कठिन माने जाने वाली यात्राओं में गिनी जाती है। यात्रा के दौरान कई उबड़-खाबड़ रास्ते पड़ते हैं, तो वहीं श्रद्धालुओं को इस दौरान बर्फबारी और बारिश का सामना तक करना पड़ता है। साथ ही कई बार बर्फीली हवाएं भी चलने लगती है। हालांकि, यह सब कठिनाइयां भी भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं ला पाती।

स्वयंभू हिमानी कहलाता है शिवलिंग

गुफा में शिवलिंग का निर्माण प्राकृतिक तरीके से हुआ है। शिवलिंग पर ऊपर से बर्फ की पानी की बूंदे टपकती है। प्राकृतिक बर्फ से निर्मित होने के कारण ही इस शिवलिंग को स्वयंभू हिमानी भी कहा जाता है। मान्यता है कि चंद्रमा के घटने बढ़ने के साथ ही शिवलिंग का आकार भी घटता-बढ़ता रहता है, जबकि श्रावण माह की पूर्णिमा को यह शिवलिंग अपने पूर्ण आकार में आ जाता है और अमावस्या तक धीरे-धीरे छोटा होता है।

जानें कब निकलेगी बाबा महाकाल की श्रावण सवारी

इस वर्ष 22 जुलाई से श्रावण मास की शुरुआत होने जा रही है। इसी के चलते उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर में निकलने वाली बाबा महाकाल की सावन सवारी की तैयारियां भी शुरू हो गई है। इस बार श्रावण मास की शुरुआत सोमवार से होगी, ऐसे में इस माह के पहले ही दिन बाबा महाकाल की सवारी निकलेगी।

दर्शन व्यवस्था में भी होता है बदलाव

श्रावण मास में महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में भी विशेष बदलाव किया जाता है। सामान्य दिनों में मंदिर के पट तड़के चार बजे खुलते हैं। श्रावण मास में प्रत्येक रविवार को रात 2.30 बजे मंदिर के पट खुलते हैं। शेष दिनों में मध्य रात्रि 3 बजे मंदिर के पट खोले जाते हैं और बाबा महाकाल की भस्म आरती होती है। साथ ही कांवड़ियों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाती है।

हर बार नए स्वरूप में दर्शन देते हैं बाबा महाकाल

श्रावण-भादौ माह में निकलने वाली प्रत्येक सवारी में बाबा महाकाल नए स्वरूप में दर्शन देते हैं। भगवान महाकाल के इन रूपों को शिव सहस्त्रनामावली में उल्लेखित शिव के विभिन्न नामों के आधार पर बनाया गया है। इस दौरान बाबा

महाकाल मन महेश, चंद्र मौलेश्वर, शिव तांडव, उमा महेश, सप्त धान घटाटोप और होलकर स्वरूप में दर्शन देते हैं।

ऐसा रहेगा बाबा महाकाल की सवारी का शेड्यूल

22 जुलाई	पहली सवारी
29 जुलाई	दूसरी सवारी
5 अगस्त	तीसरी सवारी
12 अगस्त	चौथी सवारी
19 अगस्त	पांचवीं सवारी
26 अगस्त	छठी सवारी
2 सितंबर	शाही सवारी

रसोई में इस दिशा में लगवाएं खिड़की, घर आएगी सुख-शांति

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। आप घर में सकारात्मक माहौल चाहते हैं, तो वस्तुओं को सही दिशा में ही रखें। गलत दिशा में वस्तुओं को रखने से जीवन में अशुभ परिणाम आना शुरू हो जाते हैं। वास्तु शास्त्र के हिसाब से रसोई व मंदिर की दिशा पहले से ही तय है। रसोई में खिड़की भी वास्तु शास्त्र के हिसाब से लगानी चाहिए। यह आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करेगी। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी ने विस्तार से बताया है कि रसोई घर की खिड़की किस दिशा में होनी चाहिए?

रसोईघर में किस दिशा में होनी चाहिए खिड़की?

रसोई घर में खिड़की की दिशा को लेकर वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा में खिड़की लगाने से सकारात्मकता आती है।

रसोई घर में पूर्व दिशा में हो खिड़की

पूर्व दिशा में खिड़की लगाने का कारण यह है कि इस दिशा में सर्योदय होता है। यह बहुत ही शुभ दिशा होती है। इस दिशा में खिड़की बनवाने से घर में खुशहाली आती है।

रसोई घर में उत्तर-पूर्व दिशा में होनी चाहिए खिड़की

उत्तर-पूर्व दिशा को ज्ञान और आध्यात्मिकता की दिशा माना जाता है, इसलिए रसोई में खिड़की इसी दिशा में लगवानी चाहिए, जिससे आपके घर में सकारात्मकता का माहौल बनता है।

इस दिन मनाया जाएगा आखिरी बड़ा मंगल जानिए सही तारीख और पूजा विधि

मंगलवार का दिन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को समर्पित माना जाता है। विशेष कार्यों में सफलता पाने के लिए इस दिन भगवान के निमित्त व्रत भी रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को भगवान श्री राम और हनुमान जी की मुलाकात हुई थी। ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले सभी मंगलवार का बहुत महत्व माना जाता है। इस बार ज्येष्ठ का आखिरी बड़ा मंगल 18 जून को मनाया जाने वाला है।

बड़ा मंगल पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। सूर्य देव को जल चढ़ाएं। एक चौकी पर हनुमान जी की मूर्ति रखें। उन्हें सिंदूर अर्पित करें और फूलों की माला चढ़ाएं। शुद्ध घी का दीपक जलाएं और आरती करें। फिर उन्हें लड्डू, आदि चीजों का भोग लगाएं। इस दिन सच्चे मन से सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

इस दिन गरीबों को धन, भोजन और वस्त्र दान करें। कहा जाता है कि भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त हो, तो व्यक्ति भयमुक्त रहता है। साथ ही तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं।

बड़ा मंगल महत्व

हिंदू धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि भगवान हनुमान अमर देवताओं में से एक माने जाते हैं। मान्यता है कि प्रत्येक मंगलवार या बड़े मंगल को हनुमान जी की पूजा करने से व्यक्ति को रोग, दोष और नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही ग्रह दोष से भी राहत मिलती है।

हनुमान जी की पूजा करने से कुंडली में मंगल या शनि की स्थिति मजबूत होती है। बजरंगबली की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

शुक्र ग्रह कमजोर होने पर घट जाती है सुंदरता, ऐसे करें मजबूत

ज्योतिष शास्त्र में नव ग्रहों का विशेष स्थान दिया गया है। प्रत्येक ग्रह के अपने अलग-अलग कारक होते हैं। साथ ही ग्रहों का जातकों के जीवन में भी अलग-अलग असर पड़ता है। शुक्र ग्रह का भी ज्योतिष में विशेष महत्व बताया गया है। शुक्र कमजोर हो, तो आंखों में परेशानी होने लगती है। साथ ही मधुमेह की बीमारी हो सकती है। शुक्र ग्रह को महिलाओं के लिए काफी शुभ माना गया है। इस ग्रह को महिलाओं की सुंदरता से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि जिस महिला की कुंडली में शुक्र शुभ होता है, वे काफी सुंदर होती हैं। वहीं जब शुक्र कमजोर हो तो इसका शरीर पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यहां आपको बताते हैं शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत है और इसे कैसे मजबूत किया जा सकता है।

शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत हैं

चेहरे पर मुंहासों का अचानक निकलना शुक्र के कमजोर होने का संकेत माना जाता है।

चेहरे पर इंफेक्शन भी शुक्र कमजोर होने का संकेत है।

ऐसे मजबूत करें शुक्र ग्रह

- शुक्रवार के दिन सफेद रंग के कपड़े पहनने चाहिए
- सफेद रंग की वस्तुओं का दान करना शुभ होता है
- शुक्र यंत्र को घर में स्थापित करना चाहिए
- सफेद गाय को चारा खिलाने से शुक्र के प्रकोप से मुक्ति मिलती है
- केमिकल वाले परफ्यूम की जगह प्राकृतिक महक वाले इत्र का इस्तेमाल करना चाहिए
- गंदे और फटे-पुराने कपड़े पहनने से शुक्र ग्रह अशुभ फल देता है। ऐसे में इस तरह के कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

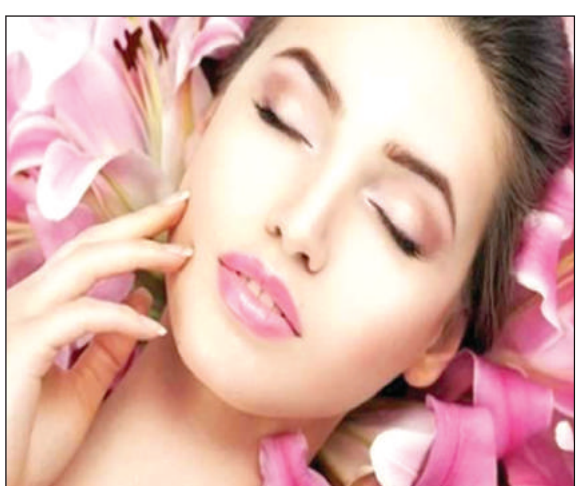

कब मनाया जाएगा रक्षा बंधन? इस बार भी रहेगा भद्रा का साया

रक्षाबंधन पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक माना जाता है। यह त्योहार हर साल सावन माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधती हैं और उसके लिए लंबी उम्र की कामना करती हैं। वहीं, भाई भी अपनी बहन को उपहार देते हैं और उसकी रक्षा करने का वचन देते हैं। आइए जानते हैं कि इस बार राखी का त्योहार कब मनाया जाएगा और शुभ मुहूर्त, तिथि क्या है।

कब मनाया जाएगा रक्षा बंधन?

पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह की पूर्णिमा तिथि सुबह 3.44 बजे शुरू होगी और रात 11.55 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, रक्षा बंधन 19 अगस्त को मनाया जाएगा। इस साल रक्षाबंधन भद्रा काल में शुरू होगा। भद्राकाल सुबह 5.53 बजे शुरू होगा और दोपहर 1.32 बजे समाप्त होगा।

कई अद्भुत संयोग का होगा निर्माण

रक्षाबंधन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और धनिष्ठा नक्षत्र समेत कई शुभ संयोग बनने जा रहे हैं। इस दिन सुबह 5.53 बजे से 8.10 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का निर्माण हो रहा है। रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने का शुभ समय दोपहर 1 बजकर 32 मिनट से शाम 4 बजकर 20 मिनट तक है। इसके अलावा आप शाम 6 बजकर 56 मिनट से रात 9 बजकर 08 मिनट तक प्रदोष काल में भी राखी बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन का महत्व

हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में रक्षाबंधन पर्व बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन भाई-बहन पारंपरिक कपड़े पहनते हैं। बहनें राखी, रोली, चावल के दाने, मिठाई, दीया और रक्षा सूत्र की थाली तैयार करती हैं। बहनें अपने भाई की आरती उतारती हैं और उसके माथे पर तिलक लगाती हैं और रक्षा सूत्र बांधती हैं। भाई अपनी बहनों को प्यार से उपहार देते हैं।

क्या आप भी गिनकर बनाते हैं रोटी, तो जान लें वास्तु की ये जरूरी बातें

खाने से लेकर सोने तक वास्तु शास्त्र में कई तरह के नियम बताए हैं। इन नियमों का पालन करके व्यक्ति एक खुशहाल जीवन जीता है। इसी तरह हिंदू धर्म में रसोई घर को बहुत महत्ता दी गई है। इसे एक पवित्र स्थान माना जाता है, जहां बना हुआ खाना व्यक्ति को जीवन व्यतीत करने की शक्ति देता है। हर दिन रोटी बनाई जाती है। हिंदू मान्यता के अनुसार, रसोई में बनाई जाने वाली रोटी से जुड़े नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। वरना घर में बरकत नहीं रहती है। साथ ही कई तरह की परेशानियां आने लगती है।

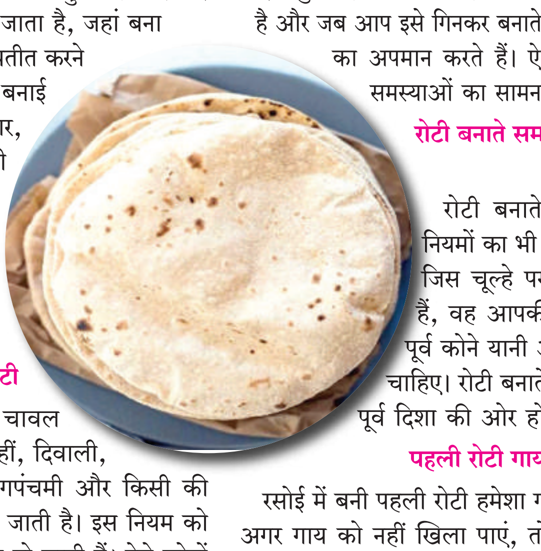

इस दिन नहीं बनानी चाहिए रोटी

एकादशी के व्रत के दिन चावल खाना वर्जित माना जाता है। वहीं, दिवाली, शरद पूर्णिमा, शीतलाष्टमी, नागपंचमी और किसी की मृत्यु पर घर में रोटी नहीं बनाई जाती है। इस नियम को न मानने पर मां अन्नपूर्णा नाराज हो जाती हैं। ऐसे लोगों को अन्न और धन की कमी होने लगती है।

गिनकर न बनाएं रोटी

रोटी बनाने से पहले अपने परिवार के सदस्यों से पूछना कि वे कितना खाएंगे या रोटी खिलाते या खाते समय रोटी गिनना, यह बहुत ही गलत आदत है। हिंदू मान्यता में इसे शुभ नहीं माना जाता है। रोटी का संबंध सूर्य से होता है और जब आप इसे गिनकर बनाते हैं, तो आप सूर्य देव का अपमान करते हैं। ऐसे में तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

रोटी बनाते समय दिशा का ध्यान रखें

रोटी बनाते समय कुछ वास्तु नियमों का भी ध्यान रखना चाहिए। जिस चूल्हे पर आप खाना बनाते हैं, वह आपकी रसोई के दक्षिण-पूर्व कोने यानी आग्नेय कोण में होना चाहिए। रोटी बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

पहली रोटी गाय को दें

रसोई में बनी पहली रोटी हमेशा गाय को देनी चाहिए। अगर गाय को नहीं खिला पाएं, तो पहली रोटी किसी कुत्ते को भी खिला सकते हैं। गाय या कुत्ते द्वारा रोटी खाने से उस घर में रहने वाले लोगों की सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं।

व्हाइट शिमरी साड़ी पहन रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज पर उनकी खूबसूरती देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से फैंस के बीच कहर ढा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने व्हाइट कलर की शिमरी साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।गले में नेकलेस, खुले बालों को स्टाइल कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि बी-टाउन की टॉप हसीनाओं में से एक रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें लोगों के बीच शेयर करती रहती हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज को देखकर तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने स्टनिंग और तीसरे यूजर ने यू लुक गॉर्जियस लिखा है।

चंदू चैंपियन ने दिखाया जलवा पहले वीकेंड पर हुई इतनी कमाई

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' बॉक्स ऑफिस पर पहला वीकेंड पूरा कर लिया है। 14 जून को रिलीज हुई फिल्म को तीन हो चुके हैं और तीनों दिन लगातार कमाई के आंकड़े बढ़े हैं। इस तरह से कार्तिक आर्यन की फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। रविवार को छुट्टी का दिन था और लोग फिल्म 'चंदू चैंपियन' देखने के लिए सिनेमाघरों में उमड़ पड़े। जिसका नतीजा बॉक्स ऑफिस आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। आइए जानते हैं कि कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' ने फर्स्ट वीकेंड पर कितना कलेक्शन किया है।

फिल्म 'चंदू चैंपियन' के फर्स्ट वीकेंड का कलेक्शन

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के स्टार कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' की फिल्म बीते शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर अच्छी कमाई कर ली है। फिल्म के शुरुआती तीन दिन के आंकड़ों को देखा जाए तो रोजाना बढ़त देखने को मिली है। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' ने रविवार को 11.01 करोड़ रुपये का कलेक्शन करते हुए अब तक 24.11 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म के तीन दिन के आंकड़ों पर नजर डालें तो शुक्रवार को 5.40 करोड़ रुपये, शनिवार को 7.70 करोड़ रुपये और रविवार को 11.01 करोड़ रुपये की कमाई की है। अब देखने वाली बात होगी कि फिल्म सोमवार को कितनी कमाई करती है।

चंदू चैंपियन' का बॉक्स ऑफिस पर 'मुंज्या' से मुकाबला

बताते चलें कि कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' का बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 'मुंज्या' से मुकाबला हो रहा है। फिल्म 'मुंज्या' को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। गौरततलब है कि कबीर खान के डायरेक्शन में बनीं फिल्म 'चंदू चैंपियन' भारत के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की लाइफ पर बनी है। फिल्म 'चंदू चैंपियन' में कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया है।

जिगरा के रिलीज डेट से उठा पर्दा

खुद आलिया भट्ट ने फिल्म के पोस्टर को साझा कर किया तारीख का ऐलान

आलिया भट्ट के दीवानों के लिए खुशखबरी आ रही है। इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म जिगरा की रिलीज डेट सामने आ गई है। खुद अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से इस फिल्म के पोस्टर को अपने फैंस के संग साझा करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया है। वेदांग रैना के साथ आलिया इस फिल्म में धमाल मचाती नजर आने वाली हैं।साल 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्म जिगरा की रिलीज डेट सामने आ गई है। आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, 11 अक्तूबर 2024 को जिगरा के साथ सिनेमाघरों में मिलते हैं। सोशल मीडिया पर आलिया का यह पोस्ट वायरल हो रहा है। उनके फैंस लगातार उनके इस पोस्ट कर कमेंट कर रहे हैं। आलिया भट्ट के लिए फिल्म जिगरा काफी खास होने वाली है। इस फिल्म में वे अभिनेत्री होने के अलावा को-प्रोड्यूसर भी हैं। आलिया ने साल 2023 में इस फिल्म की घोषणा की थी। जिगरा में उनके साथ वेदांग रैना भी नजर आने वाले हैं।आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा के पोस्टर में आलिया का एक एनिमेटेड अवतार देखने को मिल रहा है। पोस्टर में एक लड़की पीठ पर बैग टांगे खड़ी नजर आ रही है। इस पोस्टर को देखकर दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया भट्ट और वेदांग रैना की इस फिल्म की कहानी एक बास्केटबॉल खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। सूत्रों की मानें तो इस फिल्म के लिए आलिया भट्ट ने बास्केटबॉल खेलना सीखा है। वे जिगरा के कई दृश्यों में बास्केटबॉल खेलती नजर आने वाली हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की रौतू का राज की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

ट्रेलर भी आया सामने

अपनी बेमिसाल एक्टिंग के लिए फेमस नवाजुद्दीन सिद्दीकीसिल्वर स्क्रीन और ओटीटी, दोनों ही प्लेटफॉर्म्स पर अपना दमखम दिखा चुके हैं। सीरियस रोल करना हो या कॉमेडी, नवाजुद्दीन हर तरह के किरदार में खुद को ढालते हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी को आखिरी बार फिल्म सैंधव में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। यह उनकी पहली तेलुगु फिल्म थी।अब नवाज फिल्म रौतू का राज में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान आनंद सुरापुर ने संभाली है।यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि जी 5 पर रिलीज होगी। अब निर्माताओं ने रौतू का राज की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।इसके साथ फिल्म का ट्रेलर भी सामने आ गया है।रौतू का राज का प्रीमियर 28 जून, 2024 से जी 5 पर होने जा रहा है। इस फिल्म का निर्माण उमेश बंसल और चिंटू श्रीवास्तव ने किया है। जी 5 ने लिखा, जितना अलग है रौतू की बेली का मिजाज, उतना ही अलग होगा इस हत्या की जांच का अंदाज़।रौतू का राज का ट्रेलर सस्पेंस और कॉमेडी से भरपूर है। पुलिस की वर्दी में नवाज खूब जंच रहे हैं।इस फिल्म में नवाज के किरदार का नाम एसएचओ दीपक नेगी है।

रौतू के राज को लेजी मिस्ट्री थ्रिलर करार दिया गया है। ये फिल्म डराएगी, तो बैलेंस बनाने के लिए हंसाएगी भी। नवाजुद्दीन ने कहा कि शूटिंग के दौरान उन्होंने काफी मस्ती की। वहां दीवाली भी ऐसे सेलिब्रेट की जैसे सब एक परिवार की तरह हों। शूटिंग के 4-5 दिन बाद ही दीवाली थी और हमने अपनी मौज मस्ती से जंगल का माहौल खराब कर दिया।रौतू के राज को लेजी मिस्ट्री थ्रिलर करार दिया गया है। ये फिल्म डराएगी, तो बैलेंस बनाने के लिए हंसाएगी भी। नवाजुद्दीन ने कहा कि शूटिंग के दौरान उन्होंने काफी मस्ती की। वहां दीवाली भी ऐसे सेलिब्रेट की जैसे सब एक परिवार की तरह हों। शूटिंग के 4-5 दिन बाद ही दीवाली थी और हमने अपनी मौज मस्ती से जंगल का माहौल खराब कर दिया।नवाजुद्दीन ने कहा कि काम को लेकर प्रेशर लेने की जरूरत नहीं। काम को सीरियस करो, खुद को सीरियस लेने की जरूरत नहीं है। जब आप कोई सीन कर रहे होते हैं, तो आपके सामने वाले एक्टर की कैपेबिलिटी के बारे में पता चलता है। अपने को-स्टार राजेश शर्मा की तारीफ करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा कि टीवी पर इनकी इमेज कॉमेडी एक्टर की रही है, लेकिन इनके अंदर अलग इंसान है।बता दें कि रौतू का राज जी 5 पर 28 जून को रिलीज होगी।

आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ ट्रोलिंग से बच नहीं सकते : दीपिका सिंह

सुपरहिट धारावाहिक दीया और बाती से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने शो मंगल लक्ष्मी से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस शो को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी एक्टिंग की सराहना की जाती है, तो वहीं वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने डांसिंग वीडियो को लेकर ट्रोल होती रहती हैं।एक्ट्रेस का कहना है कि उन पर ट्रोलिंग का कोई असर नहीं पड़ता।दीपिका ने कहा, ट्रोलिंग का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। मैं इसे बहुत शालीनता से स्वीकार करती हूं, क्योंकि मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, पति और मेरे ओडिसी डांस टीचर्स जैसे लोग हैं। उनके साथ रहकर मैंने जिंदगी की हर परिस्थितियों को स्वीकार करना सीखा है। उन्होंने मुझे सिखाया है कि चाहे आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप इससे बच नहीं सकते।एक्ट्रेस 10 साल से ओडिसी डांस सीख रही हैं।एक्ट्रेस ने कहा, सभी लोग आपको स्वीकार नहीं कर सकते। जो लोग आपकी तरह सोचते हैं, केवल वही आपको स्वीकार कर पाएंगे। मेरे जैसे लोग ही मुझे समझेंगे।दीपिका ने कहा, कुछ लोग मुझे पसंद तो करते हैं लेकिन मेरी सराहना नहीं करते। लेकिन मैं जानती हूं कि मैं क्या कर रही हूं। मैं खुद के बारे में सोचना पसंद करती हूं, ना कि इस बारे में कि दूसरे क्या सोचते हैं। मैं अपने लिए और अपनी खुशी के लिए काम करती हूं, चाहे वह मेरा इंस्टाग्राम पेज हो या मेरी एक्टिंग।एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरी लाइफ है और भगवान ने मुझे इसके लिए चुना है, इसलिए मैं किसी के भी प्रति जवाबदेह नहीं हूं। यही वजह है कि ट्रोलिंग और आलोचनाओं का मुझ पर कोई असर नहीं होता।उन्होंने कहा, जब आपको कामयाबी मिलती है और आप ऊपर की ओर बढ़ रहे होते हैं, तो आपको प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, क्योंकि एक ऐसी शक्ति होती है जो आपको नीचे गिराने की कोशिश करेगी।दीपिका ट्रोलिंग को पॉजिटिव तरीके से देखती हैं।उन्होंने कहा, जब बिना किसी कारण के ट्रोलिंग होती है, तो मुझे पता चलता है कि मैं अच्छा काम कर रही हूं, इसीलिए लोग मुझे नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं। फिर मैं और भी ज़्यादा ताकत के साथ वापस आती हूं और पहले से भी बेहतर काम करती हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे आलोचक भी हैं।दीपिका ने कहा, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दिखते ही नहीं। कम से कम, मुझे लोग देख तो रहे हैं जो मेरी आलोचना कर

बाढ़ से निपटने को तैयार योगी सरकार, 29 जिलों पर पैनी नजर

बाढ़ से निटपने के लिए प्रदेश को तीन भाग में बांटा गया

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी और लू से परेशान प्रदेशवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आयी है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में 20 से 25 जून के बीच मानसून आने की संभावना है। ऐसे में योगी सरकार मानसून को लेकर अलर्ट हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक कर मानसून की सक्रियता के बाद बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को खाका तैयार करने का आदेश दिया था ताकि प्रदेशवासियों और उनके मवेशियों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए प्रदेश को तीन भागों में बांटा गया है। इसमें अति संवेदनशील श्रेणी में 29, संवेदनशील श्रेणी में 11 और सामान्य श्रेणी में 35 जनपद शामिल हैं। इन जिलों में

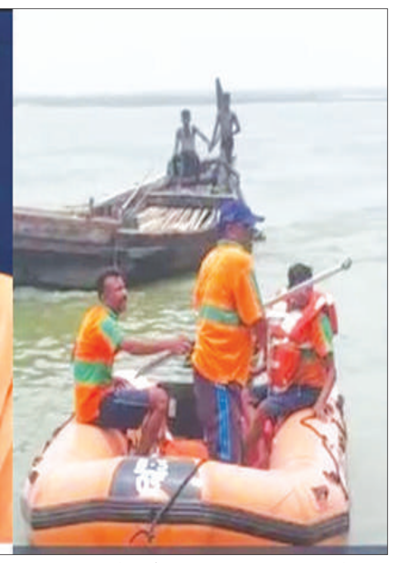

विशेष निगरानी के लिए टीमों का गठन कर अलर्ट कर दिया गया है, जिसमें सिंचाई विभाग, कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के अधिकारी के साथ कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पीएसी और मौसम विभाग भी अलर्ट मोड पर है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ की 7 टीमें, एसडीआरएफ की 18 टीमें और पीएसी की 17 टीमों की प्रीपोजीशनिंग की जा चुकी है। इसके साथ ही राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा बाढ़ की अवधि में मौसम विभाग, सिंचाई विभाग, कृषि विभाग और केंद्रीय जल आयोग से रिपोर्ट प्राप्त कर दैनिक समीक्षा का रोस्टर तैयार कर लिया गया है ताकि बाढ़ प्रबंधन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बाढ़ से निपटने के लिए राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को भी एक्टिव कर दिया गया है, जहां चौबीसों घंटे राहत हेल्पलाइन 1070 के लिए 20 सीटर कॉल सेंटर संचालित कर दिया गया है। इमरजेंसी सेंटर के माध्यम से प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में फील्ड में तैनात अधिकारियों को एसएमएस और वॉयस कॉल के माध्यम से वास्तविक स्थिति से अपडेट किया जाएगा ताकि समय रहते स्थिति से निपटा जा सके। इतना ही नहीं सभी जिलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा समेत 24 घंटे डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित कर दिए गए हैं। साथ ही इन्हे राज्य स्तरीय राहत कंट्रोल रूम से जोड़ दिया गया है। वहीं बाढ़ की तैयारी के लिए सभी जनपदों को बाढ़ पूर्व तैयारी चेक लिस्ट भेजी जा चुकी है। योगी सरकार ने प्रदेश में बाढ़ समेत अन्य आपदा से निपटने के लिए 400 आपदा मित्रों की तैनाती की है। उन्हें 15 दिन की ट्रेनिंग के साथ यूनीफार्म, आईडी कार्ड, सर्टिफिकेट तथा इमरजेंसी रिस्पांडर किट उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा 10500 वालंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर काशी का आभार जताएंगे मोदी

दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को वाराणसी आ रहे हैं पीएम

वाराणसी, 17 जून (एजेंसियां)। तीसरी बार देश की सत्ता संभालने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अपनी काशी पहुंचेंगे। 18वीं लोकसभा चुनाव परिणाम के उपरांत 18 जून से उनका दो दिवसीय वाराणसी दौरा होगा। प्रधानमंत्री सेवापुरी विधानसभा स्थित मेंहदीगंज में किसान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। साथ ही दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीएम किसान सम्मान निधि की लगभग 20,000 करोड़ की 17 वीं क़िस्त जारी करेंगे और स्वयं सहायता समूहों की 30 हजार से अधिक महिलाओं को सर्टिफिकेट भी देंगे। भारतीय जनता पार्टी ने किसान सम्मेलन में 50 हजार किसानों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र की जनता का धन्यवाद करने के लिए दो दिनों के दौरे पर मंगलवार को वाराणसी पहुंचेंगे। काशी की जनता और भाजपा कार्यकर्ता अपने सांसद का भव्य स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शाम लगभग 3.30 बजे आएंगे। वहां से मेंहदीगंज जनसभा स्थल पर हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री किसानों की जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री डीबीटी के माध्यम से लगभग 20 हजार करोड़ की किसान सम्मान निधि लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं सहायता समूह की 30,000 महिलाओं को प्रमाण पत्र भी देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नामांकन के पहले बाबा विश्वनाथ और मां गंगा का दर्शन करने गए थे। चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री पद की हैट्रिक लगाने के बाद एक बार फिर मंगलवार को वे बाबा विश्वनाथ के दरबार में शीश नवाएंगे, साथ ही दशाश्वमेध पर मां गंगा का दर्शन-आरती में भी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पीएम की अगवानी करने के बाद सभी कार्यक्रम में साथ रहेंगे। प्रधानमंत्री रात्रि विश्राम बरेका में करेंगे। 19 जून की सुबह वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ काशी की जनता भी जुटी है। भाजपा कार्यकर्ता बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ ही मेहंदीगंज ग्राम सभा स्थल पर भव्य स्वागत करेंगे। पुलिस लाइन से लेकर दशाश्वमेध घाट व विश्वनाथ मंदिर गेट नंबर चार तक पूरे यात्रा मार्ग में काशीवासियों संग भाजपा कार्यकर्ता ढोल, नगाड़ा, डमरू दल के साथ शंखनाद एवं गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर पीएम का जोरदार स्वागत करेंगे।

यूपी के पॉटरी उद्योग को बड़ा आधार देने की तैयारी

खुर्जा के पॉटरी उत्पादों की पूरी दुनिया में है मांग

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के जरिए प्रदेश के जिलों की पारंपरिक पहचान को बड़े उद्योग के रूप में डेवलप करने का योगी सरकार का प्रयास निरंतर गति पकड़ रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खुर्जा की सिरेमिक और पॉटरी उद्योग को बड़ा फलक देने की तैयारी है। खुर्जा महायोजना 2031 के अंतर्गत सिरेमिक हाट विकसित किया जाएगा, जिसके बाद इस उद्योग से जुड़े 400 यूनिट्स को बड़ा लाभ मिलना तय है। बुलंदशहर के खुर्जा शहर की पहचान ओडीओपी योजना आने के बाद से वैश्विक फलक पर छाने लगी है। यही वजह है कि प्रदेश सिरेमिक और पॉटरी उद्योग के जरिए करीब 23 मिलियन डॉलर का निर्यात कर रहा है, जिसमें खुर्जा के सिरेमिक और पॉटरी उद्योग का बड़ा हिस्सा है।

योगी सरकार राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र के आस-पास के जिलों और नगरों का तेजी से विकास करने जा रही है। इसी क्रम में बुलंदशहर के खुर्जा के लिए महायोजना 2031 पर काम शुरू हो चुका है।

अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष खुर्जा को लेकर विस्तृत प्लान पेश किया जा चुका है। इसमें सर्वाधिक जोर सेरेमिक और पॉटरी उद्योग को बूस्ट करने को लेकर लेकर है। यहां का पॉटरी उद्योग न केवल भारत बल्कि विदेशों में भी विख्यात है। इसे सेरेमिक सिटी भी कहते हैं। योगी सरकार यहां के पॉटरी और सेरेमिक उद्योग को और आगे बढ़ाना चाहती है। इसके पीछे कारण यह भी है कि यहां से दिल्ली 129 किलोमीटर, तो वहीं मेरठ 92 किमी और निर्माणाधीन जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट महज 33 किमी की दूरी पर स्थित है।

खुर्जा देश के सबसे पुराने पॉटरी क्लस्टरों में से एक है और अभी यहां तकरीबन 400 से अधिक लघु स्तरीय इकाइयां इस उद्योग में क्रियाशील हैं। साथ ही खुर्जा रणनीतिक रूप से ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, एफटीब्ल्यूज़ेड जैसी परियोजनाओं से भी जुड़ा हुआ है, जिसका लाभ सिरेमिक और पॉटरी उद्योग को मिलना तय है। सेरेमिक उद्योग यहां के एक जिला एक उत्पाद स्कीम में भी शामिल है और तकरीबन 25 हजार लोग इस रोजगार से सीधे सीधे जुड़े हुए हैं। महायोजना 2031 में योगी सरकार सेरेमिक हाट विकसित करने जा रही है। इसके अलावा पुरानी आबादी से सेरेमिक से संबंधित इकाइयों को विकसित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की भी योजना है। सीएम योगी ने इस उद्योग को और आगे ले जाने के लिए इसकी पैकेजिंग की गुणवत्ता में सुधार और एक्सपोर्ट को बढ़ाने पर बल देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। साथ ही सेरेमिक और पॉटरी उद्योग में नये इनोवेशन और टेक्नोलॉजी से जोड़ते हुए प्रोडक्ट के डिस्प्ले में वृद्धि और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण और विकास कार्यों में तेजी

गोमती नदी किनारे बन रहा राष्ट्र प्रेरणा स्थल

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के समेकित विकास का खाका खींच रही योगी सरकार प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के निर्माण व विकास कार्यों को गति देने पर विशेष फोकस कर रही है।

लखनऊ के वसंत कुंज योजना सेक्टर-जे में गोमती नदी किनारे मास्टर प्लान ग्रीन में राष्ट्र प्रेरणा स्थल परियोजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है तथा यहां म्यूजियम समेत विभिन्न निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जा रहा है। इन सभी कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को दी गई है और यहां पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इस क्रम

में, 3 प्रतिमाओं की स्थापना के लिए 21.07 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की गई है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण और विकास कार्यों को पूर्ण करने की कुल अनुमानित लागत 138 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसमें से टोकन के रूप में 1 करोड़, प्रथम किस्त के तौर पर 28.47 करोड़, तथा दूसरी किस्त के तौर पर 21.52 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की जा चुकी है। इस प्रकार, कुल 138 करोड़ की धनराशि में से 72.7 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की जा चुकी है। फिलहाल, वित्तीय व प्रशासकीय स्वीकृतियों के जरिए परियोजना के अंतर्गत जारी कार्यों को तेजी प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल में डिजिटल म्यूजियम समेत कई सुविधाओं का विकास हो रहा है जो अपने आप में विशिष्ट हैं। यहां बड़े स्तर पर वाहनों की पार्किंग के लिए पार्किंग एरिया भी बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, तीन हैलीपैड भी बनाए जा रहे हैं जबकि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की बड़ी प्रतिमाएं लगाई जा रही हैं। वहीं, म्यूजियम ब्लॉक, एंट्रेंस लॉबी, रिसेप्शन, वीआईपी लाउंज, बैक स्टेज ग्रीन रूम, 50 लोगों की कैपेसिटी वाला वीआईपी डायनिंग हॉल, इनडोर-आउटडोर डिस्प्ले एरिया, योगा सेंटर, मल्टीपर्पज हॉल, मेडिटेशन सेंटर, कैफेटेरिया ब्लॉक व टॉयलेट्स समेत तमाम सुविधाओं के निर्माण और विकास के कार्य जारी हैं।

अयोध्या में राम की पैड़ी पर सन्नाटा

25 जून तक डुबकी नहीं लगा सकेंगे श्रद्धालु

अयोध्या, 17 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी में राम की पैड़ी का अविरल प्रवाह थम गया है। यहां पर अब सन्नाटा पसर गया है। पूरे दिन राम की पैड़ी में डुबकी लगाने वालों का तांता लगा रहता था, लेकिन अब श्रद्धालु यहां आकर मायूस हो रहे हैं।

भीषण गर्मी में पिकनिक स्पॉट बने राम की पैड़ी परिसर में सन्नाटा पसरा है। 25 जून तक श्रद्धालु पैड़ी में डुबकी नहीं लगा सकेंगे। गर्मी में राम की पैड़ी का अविरल प्रवाह थम गया है। पैड़ी की सिल्ट की सफाई का काम भी चल रहा है। उस वजह से भी पैड़ी के प्रवाह को रोका गया है। अयोध्या आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं के लिए राम की पैड़ी आकर्षण का केंद्र रही है। जब से राम की पैड़ी अविरल हुई है, पर्यटकों और श्रद्धालुओं को संख्या बढ़ती ही जा रही है। दो साल पहले तक

राम की पैड़ी गंदे नाले के रूप में नजर आती थी।

2022 में 40 करोड़ की लागत से इसकी रिमॉडलिंग का कार्य सम्पन्न किया गया। पहले दो पंप चलते थे अब पंपों की संख्या बढ़ाकर छह कर दी गई है। जिससे राम की पैड़ी का प्रवाह 24 घंटे अविरल रहता है। जो किसी कारण से सरयू में स्नान नहीं कर पाते वे राम की पैड़ी में भी डुबकी लगा लेते हैं क्योंकि पैड़ी में भी सरयू की पावन जलधारा ही प्रवाहित होती है।

सरयू नहर खंड के सहायक अभियंता अरुण कुमार ने बताया कि साल भर में एक बार राम की पैड़ी की सफाई की जाती है। पैड़ी में अविरल जल प्रवाह रहे इसलिए छह पंप कैनाल लगाए गए हैं। इन पंपों के जरिए सरयू का पानी राम की पैड़ी में प्रवाहित होता है। साल भर पंप चलते हैं इससे पंपों में सिल्ट जम जाती है, इसके अलावा पैड़ी में भी सिल्ट जम जाती है। इसीलिए साल में एक बार पैड़ी की सफाई के लिए पंप बंद किया जाता है। बताया कि सफाई का कार्य पिछले 11 जून से चल रहा है। 25 जून तक सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा।

युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा निखार रही योगी सरकार

ललित कला अकादमी की कार्यशाला का युवा ले रहे लाभ

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। गर्मी की छुट्टियों में उत्तर प्रदेश के युवा दृश्य कला के गुर सीख कर अपने क्रिएटिव स्किल को समृद्ध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप राज्य ललित कला अकादमी की तरफ से राजधानी लखनऊ समेत कई जनपदों में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 10 से 17 और 18 से 25 वर्ष के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्मियों में 12 जिलों में यह प्रारंभ हुआ था। इसमें से कई जिलों में प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है, जबकि कई अन्य जिलों में 30 जून तक ग्रीष्मकालीन शिविर चलेगा।

राज्य ललित कला अकादमी की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश के युवाओं में असीम प्रतिभा है। इनकी

रचनात्मकता को निखारने और दृश्य कला के प्रति अभिरुचि जागृत करने के लिए सीएम योगी की मंशा के अनुरूप लखनऊ समेत प्रदेश के कई जनपदों में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। गर्मियों की छुट्टियों के मद्देनजर यह कार्यशाला प्रारंभ की गई थी। लखनऊ में राज्य ललित कला अकादमी में 20 जून तक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लगभग तीन दर्जन से अधिक प्रशिक्षु प्रतिभाग कर रहे हैं।

कार्यशाला में विजुअल आर्ट्स संबंधी बारीकियों को सिखाया जा रहा है जिसमें ड्रॉइंग, स्केचिंग, वॉटर कलर पेंटिंग, फैब्रिक व ऑयल कलर पेंटिंग, मेहंदी डिजाइन जैसे विषय प्रमुख हैं। इससे प्रशिक्षुओं की कलात्मक अभिरुचि को नई दिशा व उचित कौशल प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

आगरा के ललित कला संस्थान, सिविल लाइंस में 30 जून, प्रयागराज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग में 23 जून तक कार्यशाला चलती रहेगी, जिसमें नौनिहाल दृश्य कला की बारीकियों से अवगत हो रहे हैं। वहीं सिद्धार्थनगर में 30 जून, वाराणसी के जीवनदीप महाविद्यालय, ललित कला विभाग बड़ालापुर में 27 जून तक चलेगी। बरेली के साहू राम स्वरूप धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा संचालित चंद्रावती सूरज औतार पब्लिक स्कूल में पांच जून से प्रारंभ हुआ ग्रीष्मकालीन शिविर 25 जून तक चलेगा। इसके अतिरिक्त, सीतापुर, कानपुर, जौनपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, बलिया आदि जिलों में कार्यशाला पूर्ण हो गई है।

वेगहोर्स्ट के गोल से नीदरलैंड ने पोलैंड को 2–1 से हराया, डेनमार्क ने स्लोवेनिया से ड्रॉ खेला

बर्लिन, 17 जून (एजेंसियां)। नीदरलैंड के फॉरवर्ड वाउट वेगहोर्स्ट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरकर प्रभावित करते रहे हैं और यूरोपीय चैम्पियनशिप के मुकाबले में भी उन्होंने ऐसा करते हुए अंत में गोल कर अपनी टीम को पोलैंड पर 2–1 से जीत दिलायी। इस स्ट्राइकर ने 83वें मिनट में मेम्फिस डिपे की जगह मैदान पर आने के बाद पहले ही प्रयास में बायें पैर से नीचा शॉट लगाकर गोल दाग दिया। डिपे ने कई मौके गंवा दिये थे।

रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना उतरी पोलैंड की टीम – चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1–0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी। नीदरलैंड के लिए कोडी गाकपो ने 29वें मिनट में पोलैंड के गोलकीपर वोजसिएच स्जेस्नी को चकमा देते हुए 'डिफ्लेक्टिड' शॉट से बराबरी गोल दागा। नीदरलैंड की इस जीत से ग्रुप डी की प्रबल दावेदार फ्रांस की टीम पर कुछ दबाव बढ़ जायेगा जो आस्ट्रिया से भिड़ेगी।

डेनमार्क और स्लोवेनिया ने 1–1 से ड्रॉ खेला – डेनमार्क ने स्लोवेनिया के साथ दूसरे मुकाबले में 1–1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप–सी के इस मैच में डेनमार्क के क्रिश्चियन एरिक्सन ने 17वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। हालांकि, दूसरे हाफ में 77वें मिनट में एरिक जानजा ने गोल दाग स्लोवेनिया की वापसी कराई। इसके बाद दोनों टीमें फुल टाइम तक कोई गोल नहीं कर सकी।

गत विजेता इटली ने अल्बानिया को 2–1 से पराजित किया – गत विजेता इटली मैदान पर उतरते ही कुछ समझ पाता कि 23वें सेकंड में उसके खिलाफ गोल हो गया। अल्बानिया के नेदिम बजरामी की ओर से किए गए इस गोल ने नए कोच लूसियानो स्पैलेटी की टीम को हिला दिया। यह यूरोपियन चैंपियनशिप के 64 वर्षों के इतिहास का सबसे तेज गोल था। हालांकि इटली जल्द ही संभल गया और 16वें मिनट तक उसने दो गोल दागते हुए 2–1 की बढ़त बना ली और इसी अंतर से बाद में उसने अल्बानिया पर जीत हासिल कर ली।

बारेला, बास्तोनी ने इटली के लिए दागे गोल – फेडरिको डिमार्को की थ्रो अलसांद्रो बास्तोनी के पास नहीं पहुंची। बजरामी ने इसे कब्जे में लेते हुए गोल भेद कर वेस्टफालेनस्टेडिऑन में मौजूद अल्बानियाई समर्थकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद इटली ने आक्रमणों की झड़ी लगा दी।

न्यूज ब्रीफ

यूरो 2024 में इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराया

गेल्सेनकिर्चेन (जर्मनी)। इंग्लैंड ने अपने यूरो 2024 अभियान की शुरुआत जूड बेलिंगहैम के हैडर की बदौलत एरेना औफशाल्के में ग्रुप सी में सर्बिया के खिलाफ 1–0 की करीबी जीत के साथ की। इंग्लैंड ने आशाजनक शुरुआत की, विरोधियों के खिलाफ शुरुआती कब्जे का भरपूर आनंद लिया। काइल वॉकर ने बुकायो साका को एक सटीक पास दिया, जिसका दाहिनी ओर से क्रॉस स्ट्रहिंजा पावलोविच से टकरा गया। गेंद आने वाले जूड बेलिंगहैम के पास गई, जिन्होंने इसे प्रीड्रैग राजकोविच के पास से निकालकर गोल में पहुंचा दिया। बेलिंगहैम ने मैच के बाद कहा, पहले हाफ से पता चलता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ गोल क्यों कर सकते हैं, और दूसरे हाफ से पता चलता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ क्लीन शीट रख सकते हैं। हमें थोड़ा नुकसान उठाना पड़ा लेकिन हमने क्लीन शीट रखी और जब आप ऐसा करते हैं, तो आपको केवल इसकी आवश्यकता होती है मैच जीतने के लिए एक गोल करना होगा, कुल मिलाकर, हम उस प्रदर्शन से खुश होंगे। हालाँकि इंग्लैंड नियंत्रण में दिख रहा था, सर्बिया ने यह दिखाने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया था कि वे खतरा बरकरार रखे हुए हैं, और दूसरे हाफ की शुरुआत में स्थानापन्न फ़िलिप म्लादेनोविच व्लाहोविच के निचले क्रॉस को अंतिम टच देने के करीब थे। ट्रेंट अलेक्जेंडर–अर्नोल्ड ने राजकोविच के हाथों में मार दिया क्योंकि इंग्लैंड ने जवाब दिया, हालांकि इसके बाद मित्रोविच को बराबरी करने से रोकने के लिए जॉर्डन पिकफोर्ड और कीरन ट्रिप्पियर के संयोजन की आवश्यकता पड़ी। सर्बिया के स्थानापन्नों ने टीम को पुनर्जीवित किया, और डुसान टैडिच ने लुका जोविच को लगभग स्थापित कर दिया।

चिंता की बात नहीं......जब जरुरत होगी कोहली ठोंक देगा रन, भारतीय बल्लेबाजी कोच ने दिया जबाव

लॉडरहिल। भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली

का लगातार खराब फॉर्म कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि वह नेट पर शानदार फॉर्म में हैं। वे सुपर आठ से पहले कहीं ज्यादा जोश में दिख रहे हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कोहली ने अब तक आयरलैंड, पाकिस्तान और यूएसए के खिलाफ क्रमशः 1, 4 और 0 रन बनाए हैं। राठौर ने कहा, मुझे अच्छा लगता है जब मैं आता हूं, तब हर बार विराट कोहली के बारे में सवाल पूछा जाता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता की बात नहीं है। वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) से आया है, उससे शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। यहां कुछ आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। राठौर को भरोसा है कि कोहली तब अच्छा प्रदर्शन करेगा जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

रवि शास्त्री ने बताया पंत की सेहत का राज

मुंबई। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना का शिकार हुए ऋषभ पंत को मैदान पर वापसी करने में करीब 15 माह का समय लगा। सर्जरी के बाद पुनर्वास और रिकवरी के लिए उन्होंने कठिन मेहनत की। पंत मौजूदा टी20 विश्व कप में टीम के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं, उन्होंने नंबर 3 पर बल्ले से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया है। इस बीच पूर्व क्रिकेटर और पूर्व कोच रवि शास्त्री ने पंत के समर्पण के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह (ऋषभ) सबसे प्रभावशाली रहे हैं, हर नए खिलाड़ी को बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन उनकी मूवमेंट की रेंज शानदार रही है। जैसा कि उन्होंने कहा कि अक्सर आपको 2 मौके नहीं मिलते। भगवान आपको जीने के लिए दो मौके नहीं देता। यह भगवान ही उससे कह रहा है कि तुम ऊपर आने के लिए अभी बहुत छोटे हो। तुम नीचे रहो और अपना क्रिकेट खेलो। शास्त्री ने कहा कि रिकी (पोंटिंग) ने उल्लेख किया कि वह डीसी के साथ थे और वह अपने स्वयं के शेफ को ले जा रहे थे।

न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 78 रन पर समेटा

तारुबा, 17 जून (एजेंसियां)। लॉकी फर्ग्युसन बिना कोई रन दिये तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने सोमवार को टी–20 विश्वकप के 39वें मुकाबले में पापुआ न्यू गिनी को 78 रनों के स्कोर पर समेट दिया है।

आज यहां ब्रायन लारा स्टेडियम में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पापुआ न्यू गिनी की शुरुआत खराब रही और उसने 14 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। टोनी ऊरा (1) और कप्तान असद वाला (6) रन बनाकर आउट हुए। असद वाला को लॉकी फर्ग्युसन ने आउट किया। इसके बाद चार्ल्स अमिनी और सेसे बाऊ ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

12वें ओवर में लॉकी फर्ग्युसन ने चार्ल्स अमिनी (17) को आउट कर अपने खाते में दूसरा विकेट जोड़ा। अगले ही ओवर में सेसे बाऊ (12) रन बनाकर आउट हुए। फर्ग्युसन ने चैड सोपर (1) को आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया। नॉर्मन वानुआ ने (14) रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के आगे पापुआ न्यू गिनी के बल्लेबाज तू चल मैं आता हूं की तर्ज पर एक–एक कर पवेलियन लौट गये। पापुआ न्यू गिनी के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पापुआ न्यू गिनी ने 19.4 ओवर में मात्र 78 रन के स्कोर पर समेट दिया। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने चार ओवर में बिना कोई रन दिये तीन विकेट झटके। टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और ईश सोढ़ी ने दो–दो विकेट लिये। मिचेल सैंटनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

श्रीलंकाई बल्लेबाज ने दिखाया दम, जड़ा ऐसा छक्का कि छत पर जाकर टकराई गेंद

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। श्रीलंकाई बल्लेबाज चरित असलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 37वें मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ 46 रन की धांसू पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान सिर्फ एक चौका जमाया जबकि पांच छक्के जड़े।

हालांकि, असलंका के एक सिक्स ने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यह सिक्स असलंका ने पारी के 16वें ओवर में लगाया था। नीदरलैंड्स के बास डी लीड गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने ओवर की पांचवीं गेंद शॉर्ट लेंथ की डाली, जिस पर असलंका ने मिडविकेट की दिशा में हवाई शॉट जमाया।

असलंका के इस शॉट में इतनी ताकत थी कि गेंद जाकर छत से टकरा गई। आईसीसी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर असलंका के इस सिक्स का वीडियो शेयर किया, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। आईसीसी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, बूम।

श्रीलंका की विजयी विदाई

बता दें कि श्रीलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अपने आखिरी लीग मैच में नीदरलैंड्स को 83 रन के विशाल अंतर से मात दी। श्रीलंका ने किंग्सटन में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 201 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स की टीम 16.4 ओवर में 118 रन पर ऑलआउट हुई।

श्रीलंका का प्रदर्शन

श्रीलंका की टूर्नामेंट से विजयी विदाई हुई। वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी साख बचाने में कामयाब रही क्योंकि एक भी मैच नहीं जीत सकी थी। श्रीलंका को लीग मैचों में दक्षिण अफ्रीका (6 विकेट) और बांग्लादेश (2 विकेट) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। नेपाल के खिलाफ श्रीलंका का मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

कप्तानी के बारे में निर्णय पीसीबी को लेना है, मुझे नहीं : बाबर

लौडरहिल, 17 जून (एजेंसियां)। टी 20 विश्व कप से ग्रुप चरण में पाकिस्तान के बाहर होने के बाद बाबर आज़म के पाकिस्तान का कप्तान बने रहने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. हालांकि बाबर ने कहा कि वह इस संबंध में वह कोई भी निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ पाकिस्तान के वर्ल्ड कप अभियान की समीक्षा के लिए होने वाली मीटिंग के बाद ही लेंगे।

बाबर ने कहा, जब मैंने कप्तानी छोड़ी थी, तब मुझे यही लगा था कि मुझे आगे कप्तानी नहीं करनी चाहिए और इसीलिए मैंने खुद ही कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी. इसके बाद मुझे वापस कप्तानी दे दी गई और यह पीसीबी का निर्णय था. जब मैं वापस जाऊंगा तब जो भी चीज़ें यहां घटित हुई हैं उनके ऊपर बोर्ड के साथ चर्चा करूंगा और अगर मुझे कप्तानी छोड़नी पड़ी तो मैं सार्वजनिक तौर पर इसकी घोषणा करूंगा. लेकिन अभी के लिए मैंने इस बारे में नहीं सोचा है, अंततः यह पीसीबी का निर्णय है।

बाबर से जब यह पूछा गया कि क्या वह टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के शुरुआती चरण में पाकिस्तान के बाहर होने की ज़िम्मेदारी लेते हैं तब उन्होंने यही कहा, मैंने आपको जैसा कि पहले भी कहा कि हम एक व्यक्ति की वजह से नहीं हारे हैं, हम एक टीम के तौर पर जीतते या हारते हैं. आप कप्तान होने के संदर्भ में मेरे से यह सवाल कर रहे हैं लेकिन मैं हर खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता. टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी का अपना रोल होता है. हम यह स्वीकारते हैं कि हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले।

उन्होंने कहा,जिस तरह की टीम हमारे पास थी उससे बेहतर परिणाम की अपेक्षा थी. एक कप्तान के तौर पर मैं किसी एक खिलाड़ी के ऊपर उंगली नहीं उठा सकता. कमी सभी 15 खिलाड़ियों में थी. हम समीक्षा करेंगे. एक कप्तान के तौर पर मेरा दायित्व यह है कि मैं निर्णय लेने वाले लोगों को अपना फ़ीडबैक दूं।

सुपर–8 की तैयारी करने उतरेंगे वेस्टइंडीज़ और अफ़गानिस्तान

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 का अंतिम ग्रुप मुक़ाबला मेज़बान वेस्टइंडीज़ और अफ़गानिस्तान के बीच सेंट लूसिया के ग्रॉस आइलेट मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मुक़ाबला सुबह छह बजे खेला जाएगा।

दोनों टीमें ग्रुप मुक़ाबलों में अपने तीनों मैच जीतकर आ रही हैं, इसलिए उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है और यह मुक़ाबला रोमांचक हो सकता है। दोनों टीमों की नज़र आख़िरी ग्रुप मुक़ाबला भी जीतकर सही नोट के साथ सुपर–8 में पहुंचना होगा।

कप्तानों के बीच जंग : रोवमन पॉवेल और राशिद ख़ान

जनवरी 2023 के बाद से रोवमन पॉवेल वेस्टइंडीज़ के लिए टी20 मैचों में तीसरे सबसे अधिक रन (461) बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं, हालांकि इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट (163.47) अन्य दो शीर्ष बल्लेबाज़ों निकोलस पूरन और ब्रैंडन किंग से अधिक रहा है। इस विश्व कप के तीन मैचों में उनके नाम 105 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 39 रन है और वह फ़ॉर्म में वापसी को बेचैन होंगे। यह मैच उनका हो सकता है और इस मैच में रन बनाकर वह सुपर–8 मुक़ाबलों में मेज़बान कप्तान के तौर पर बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ जाना चाहेंगे।

क्या राशिद ख़ान वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ अपने फ़ॉर्म को सुधार पाएंगे

वहीं अफ़गानिस्तान के कप्तान राशिद ख़ान के नाम इस विश्व कप के तीन मैचों में छह विकेट हैं। वह बीच के ओवरों में आते हैं और विपक्षी टीम की रीढ़ ही तोड़ देते हैं। हालांकि वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ उनका रिकॉर्ड कुछ ख़ास नहीं रहा है और उन्होंने इस टीम के ख़िलाफ़ आठ टी20 मैचों में सिर्फ़ नौ विकेट लिए हैं। वेस्टइंडीज़ उन चार अंतर्राष्ट्रीय टीमों में से है, जिनके ख़िलाफ़ राशिद का औसत भी 20 से अधिक हो जाता है। वेस्टइंडीज़ के आक्रामक बल्लेबाज़ी क्रम को देखते हुए राशिद इस मैच में अपने रिकॉर्ड को सुधार सकते हैं।

टीमें

वेस्टइंडीज़ः रोवमन पॉवेल (कप्तान), अल्ज़ारी जोसेफ़ (उपकप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रॉस्टन चेज़, शिमरॉन हेटमायर, शमार जोसेफ़, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), शाई होप, आंद्रे रसेल, रोमारियो शेफ़र्ड, ओबेद मकॉए, अकील हुसैन, गुडाकेश मोती, शर्फ़ेन रदरफ़ोर्ड

अफ़गानिस्तानः राशिद ख़ान (कप्तान), रहमानउल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, मोहम्मद इशाक़, अज़्मतउल्लाह ओमरज़ाई, करीम जनत, गुलबदीन नईब, नजीबउल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, नवीन उल हक़, नांगेलिया ख़रोटे, नूर अहमद, फ़ज़लहक़ फ़ारूक़ी, फ़रीद अहमद, मुजीब उर रहमान।

सीवान टाइटेंस बनी पहली बिहार वुमेन कबड्डी लीग की चैंपियन, विजेता टीम हुई मालामाल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सीवान टाइटेंस की टीम बिहार वुमन कबड्डी लीग की पहली चैंपियन बनी। 10–16 जून तक 10 से 16 जून तक बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग में आयोजित फाइनल मुकाबले में सीवान टाइटेंस ने सारण स्ट्राइकर्स को 27–20 के अंतर से रौंदा। विजेता टीम को 1,51,000 नकद राशि और ट्रॉफी के साथ गोल्ड मेडल दिया गया। सारण स्ट्राइकर्स की टीम उपविजेता रही, जिसे सिल्वर मेडल और 75,000 रुपये की नकद राशि दी गई। पटना पेलिकंस की टीम तीसरे स्थान पर रही, जिसे ब्रॉन्ज मेडल और 51,000 रुपये की नकद राशि दी गई। इसके अलावा मगध वॉरियर्स की सुंदरी कुमारी को बेस्ट रेडर चुना गया, जिन्होंने कुल 91 अंक हासिल किए। वहीं, सीतामढ़ी सेंटीनल्स की अंजलि कुमारी

को बेस्ट डिफेंडर चुना गया। अंजलि ने 48 टैकल प्वाइंट्स बनाए। नालंदा निंजास की नैंसी प्रिया को बेस्ट ऑलराउंड चुना गया। बता दें कि पूरी प्रतियोगिता के बेस्ट रेफरी राणा रंजीतसिंह बने जबकि सारण टीम के नील कमल को बेस्ट कोच चुना गया। जानकारी है कि बेस्ट ऑलराउंडर 15000 नकद रुपये तथा बेस्ट रेडर, बेस्ट डिफेंडर ,बेस्ट रेफरी तथा बेस्ट कोच को मेडल के अलावा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

मुख्य अतिथि बिहार सरकार के खेल विभाग के मंत्री माननीय सुरेन्द्र मेहता, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक सह सचिव श्री पंकज कुमार राज की उपस्थिति में, विजेता टीम और खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता ने सभी का अभिनंदन करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि कोई भी खेल आपसी प्रेम और भाईचारा को बढ़ाता है और बिहार की बेटियों का खेल देख कर बहुत खुशी हुई। सरकार राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर हर संभव प्रयास कर रही है। बहुत जल्द ही खेल को गांव गांव तक पहुंचाने के लिए हर पंचायत में सभी संसाधनों से युक्त स्पोर्ट्स क्लब खोलने की दिशा में काम हो रहा है। खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने प्रथम बिहार वुमेन कबड्डी लीग के सफल आयोजन पर इसके प्रबंधन ,संचालन और प्रसारण से जुड़े विभिन्न घटकों के सभी लोगों का अभिनंदन करते हुए उन्हे धन्यवाद दिया कि सभी के सामूहिक प्रयास से ही इसका सफल आयोजन हो सका है। आगे श्री शंकरण ने बताया कि पूरे देश में पहली बार सरकार द्वारा महिला कबड्डी लीग का आयोजन किया जा रहा है, यह बिहार के लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है।

एक बार याद दिला दें कि बिहार वुमेन कबड्डी लीग के पहले संस्करण में कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया था। इन टीमों के नाम व प्रायोजक इस प्रकार हैं:

- सीतामढ़ी सेंटीनल्स – वुमन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
- पटना पेलिकंस – बिहार टूरिज्म
- मगध वॉरियर्स – एपीआर ऑटोमोबाइल्स
- नालंदा निंजास – माइक्रो फाइनेंस बैंक सीडॉट
- सारण स्ट्राइकर्स – निनीति हॉस्पिटल
- सीवान टाइटेंस – परिवर्तन।

ये जानना अहम

इस लीग की टूर्नामेंट डायरेक्टर रहीं प्रतिष्ठित ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित भारतीय महिला टीम की प्रशिक्षक कविता सेल्वाराज के मार्गदर्शन में इस प्रतियोगिता में चयन के लिए आयीं 480 प्रतिभागियों में से 96 प्रतिभावान खिलाड़ियों को चुन कर उन्हें 15 दिन के प्रशिक्षण शिविर में कविता द्वारा प्रशिक्षित किया गया और सभी छह टीमों में इन 96 खिलाड़ियों को योग्यता और क्षमता में बराबरी का ध्यान रखते हुए विभाजित किया गया।

संपादकीय

अल्पमत नहीं, बहुमती सरकार

रायसीना हिल्स की सत्ता स्थापित हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ग्रहण की है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है, लेकिन विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' (अल्पमत कहें) है और बहुत जल्दी इसका पतन होगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। हम एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के आंकड़े भी गिनें, तो वह 240 सांसदों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 99 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। उस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस! इतिहास को खंगालें, तो 1991 में कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन 'अल्पमत' में थी। तब गठबंधन के सहयोगी दलों के समर्थन के बूते पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बन पाए थे। उसके बाद सरकार को बचाए रखने के लिए कांग्रेस को सांसदों की खरीद-फरोख्त करनी पड़ी थी। देश के प्रधानमंत्री को 'अभियुक्त' बना दिया गया था और केस चलाने के लिए विशेष अदालत बनाई गई थी। 2004 में लोकसभा में कांग्रेस के 145 सांसद जीत कर आए और तत्कालीन सत्तारूढ़ भाजपा 138 सांसदों के साथ 'पराजित पार्टी' थी। बहुमत के आंकड़े से दोनों ही पक्ष बहुत दूर थे। गठबंधन का एक तम्बू तैयार किया गया और उसके नीचे समधर्मा राजनीतिक दल लामबंद हुए। तब प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बन सकी। खूब विरोधाभास थे, सरकार ने लगातार हिचकोले खाए, परमाणु करार पर वाममोर्चे के सांसदों ने समर्थन वापस तक ले लिया। मनमोहन सरकार अल्पमत में आकर लड़खड़ाई। तब मुलायम सिंह की सपा के 39 सांसदों और अन्य का जुगाड़ करना पड़ा। मनमोहन सरकार गिरते-गिरते बची। 2009 में भी कांग्रेस 206 सांसदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। एक बात स्पष्ट कर दें कि परंपरानुसार राष्ट्रपति सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को ही सरकार बनाने का पहला न्योता देते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के समय में भाजपा 161, 182, 182 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। वाजपेयी ने ही विभिन्न समधर्मी दलों को साथ मिला कर एनडीए का गठन किया था। बेशक आज एनडीए की संरचना बदल चुकी है, लेकिन मूल गठबंधन वही है। तेलुगूदेशम पार्टी, जद-यू, शिवसेना सरीखे दल तब भी साथ थे और अंततः आज भी गठबंधन के घटक दल हैं। प्रधानमंत्री वाजपेयी ने 1998-2004 तक सुखद, सौहार्द, समन्वय के साथ सफल गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया। कांग्रेस और भाजपा के इन तमाम संदर्भों में बहुमत का जनादेश किसी के भी पक्ष में नहीं था, लिहाजा गठबंधन सरकारें बनीं और पूरे स्थायित्व के साथ अपने-अपने कार्यकाल सम्पन्न किए। अब सवाल है कि आज मोदी सरकार, विपक्ष के नजरिए से, अल्पमत की और अस्थिर सरकार क्यों है? संसद का सत्र जल्द ही शुरू हो रहा है। इसी 26 जून को स्पीकर का चुनाव होना है। चूंकि विपक्ष के पास अपेक्षाकृत आंकड़े काफी हैं, लिहाजा वह स्पीकर का उम्मीदवार उतारने के बयान दे रहा है। पूरा विपक्ष एक तरफ हो जाए और दूसरी ओर अकेली भाजपा को रखा जाए, तब भी विपक्ष पराजित हो जाएगा। सौदेबाजी के मद्देनजर कथित 'इंडिया' ने डिप्टी स्पीकर के पद की मांग शुरू की है। यह निर्णय सरकार को लेना है। खुशफहमी में न रहें, लिहाजा जद-यू और टीडीपी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्पीकर भाजपा तय करेगी, क्योंकि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी है। स्पीकर का चुनाव ही तय कर देगा कि मोदी सरकार अल्पमत में है या उसका स्पष्ट बहुमत है। यकीनन सरकार के सामने खूब चुनौतियां होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी को अपना एकाधिकारवादी रुख भी बदलना पड़ सकता है। कैबिनेट से तो उन्होंने साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार पर सवाल नहीं किया जा सकता। फिलहाल मोदी सरकार 'अल्पमत की सरकार' नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ग्रहण की है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है, लेकिन विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' (अल्पमत कहें) है और बहुत जल्दी इसका पतन होगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। हम एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के आंकड़े भी गिनें, तो वह 240 सांसदों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 99 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। उस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस! इतिहास को खंगालें, तो 1991 में कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन 'अल्पमत' में थी।

पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं

अब नौकरियों की बड़ी चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी।

यकीनन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी, जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसदी बेरोजगार युवा थे। वल्ड बैंक के मुताबिक भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निःसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढ़कर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसदी महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसदी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढ़ना होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुट्ठी में लिए जा रहे हैं, उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध में 2014-24 की अवधि में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतः एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि सूक्ष्म कर्ज का इस्तेमाल स्थिर और टिकाऊ रोजगार सृजन के लिए किया जा रहा है। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएम-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यूए और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है तथा इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं। अब तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढ़ने से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं, ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढ़ना होगा। सरकार ने 2023 तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न देशों के साथ 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे समझौतों को अब और बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। इससे देश की युवा श्रमशक्ति विदेशों में अधिक रोजगार के साथ अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई भी कर सकेगी। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार के द्वारा उनके विकास के एजेंडे में शामिल अधिक रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता के साथ ध्यान में रखा जाएगा। हम उम्मीद करें कि नई सरकार नई सरकारी नौकरियों के सृजन पर पूर्णरूपेण ध्यान देते हुए लघु-मध्यम उद्योग और असंगठित क्षेत्र में रोजगार की जरूरतों पर ध्यान देगी। हम उम्मीद करें कि मोदी सरकार के श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और कौशल विकास व उद्यमिता राज्यमंत्री जयंत चौधरी 142 करोड़ से अधिक आबादी के साथ दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में दुनिया की सर्वाधिक युवा आबादी को नए उच्च गुणवत्ता वाले कौशल से सुसज्जित करके उनके चेहरों पर रोजगार की मुस्कुराहट देने के साथ आर्थिक तस्वीर संवारने की संभावनाओं को साकार करने के लिए नई कारगर रणनीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे।

दृष्टि कोण

राष्ट्रीय विवेचन : जंगलों का हमदर्द बनने की जरूरत

पूरे ब्रह्मांड में प्राकृतिक दुनिया की सबसे बेशकीमती व खूबसूरत संपदा पेड़ पौधों से लबरेज वन हैं। प्राचीन काल से वन्य क्षेत्र जंगली जानवरों व मानवता के लिए अनमोल प्राकृतिक संसाधन रहे हैं। देश की सियासत व तमाम इंतजामिया हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में मशगूल थे, मगर हिमाचल सहित कई अन्य राज्यों में जंगल दावानल की चपेट में आ चुके थे। नब्बे प्रतिशत से अधिक जैव विविधता जंगलों में ही पाई जाती है। लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के प्रति जागरूकता तथा पर्यावरण की अहमियत को समझाने के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर वर्ष पर्यावरण दिवस व पृथ्वी दिवस मनाए जाते हैं। जंगली जीवों के संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए तीन मार्च को 'विश्व वन्य जीव' दिवस भी मनाया जाता है। जंगलों व पेड़ों के महत्व के मद्देनजर सन् 1950 से वन महोत्सव तथा वन संरक्षण से संबधित अतरराष्ट्रीय वन दिवस भी मनाया जाता है। पर्यावरण व वन संरक्षण के लिए देश की अदालतों में एक बड़ा कानूनी मसौदा मौजूद है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण व प्रशासन जैसी व्यवस्थाओं के दफ्तरों में अंग्रेजी झाड़ने वाली अफसरशाही तथा सैकड़ों अहलकार विराजमान हैं। राज्यों से लेकर मरकजी हुकूमत तक पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मौजूद हैं। लेकिन इसे इत्तेफाक कहें या व्यवस्थाओं की नाकामी, हर वर्ष जंगलों में लगने वाली भयंकर आग से निपटने के लिए कोई भी हिकमत-ए-अमली कारगर साबित नहीं हुई। बल्कि वनाग्नि की घटनाओं में हर वर्ष इजाफा हो रहा है। चुनावी दौर में मुल्क की आवाम गुरबत, जाति, मजहब, मुफ्तखोरी की खैरात, नौकरियां व विकास जैसे मुद्दे उठाने के प्रति जागरूक है। मगर पर्यावरण संरक्षण व जंगलों की भयंकर आग जैसे संवेदनशील मसले पर आवाज कभी बुलंद नहीं होती। लोकसभा चुनावों के दौरान सियासी दलों ने महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। लेकिन पर्यावरण संरक्षण व जलते जंगलों का जिक्र किसी भी सियासी मंच से नहीं हुआ। पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा कभी चुनावी घोषणापत्रों में भी शामिल नहीं हुआ। वनाग्नि के मसले पर सियासी तौर पर भी कभी चर्चा नहीं हुई। भारत में 'राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण' (एनजीटी) को 'पर्यावरण अदालत' कहा जाता है। एनजीटी को उच्च न्यायालय के बराबर शक्तियां प्राप्त हैं। सन् 2010 में एनजीटी की स्थापना का मकसद पर्यावरणीय क्षति व वन संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित मुद्दों को शीघ्रता से हल करने से है। आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के बाद पर्यावरण न्यायाधिकरण की स्थापना करने में भारत विश्व में तीसरा देश है। दुनिया के सबसे बड़े वन क्षेत्रों वाले दस देशों में भारत भी शामिल है, मगर दावानल की भयंकर चपेट में आने से जंगल, पर्यावरण व जैव विविधता जिस कदर सिसकियां भर रहे हैं, उस सूरत-ए-हाल को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। जंगल आग की चपेट में आ रहे हैं। देश में हजारों उद्योग व फैक्टरियां लगातार प्रदूषण उगल रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों व शहरों में ज्यादातर लोग प्रदूषण की जद में जीवनयापन करने को मजबूर हैं। हिमाचल प्रदेश का नाम सुनते ही जहन में पहाड़ों व वनों की तस्वीर उभरती है। पर्वतीय राज्य हिमाचल में पर्यटन उद्योग युवावर्ग के लिए रोजगार का महत्त्वपूर्ण साधन है। मैदानी क्षेत्रों व शहरों से हजारों की तादाद में लोग भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए तथा सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहाड़ों का रुख करते हैं। प्रकृति से सराबोर जंगल पर्यटन उद्योग के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। मगर बरसात के मौसम में प्रकृति के प्रकोप से पहाड़ दरक रहे हैं। गर्मियों में जंगल भीषण आग से जल रहे हैं। कई जंगली जीवों व पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों का प्रजनन काल गर्मी के मौसम में होता है, परन्तु प्रतिवर्ष असंख्य वन्य जीव व जंगली जानवर वनों की भयानक आग में जलकर राख हो जाते हैं। वनों में आगजनी की बढ़ती घटनाओं से वन्य जीवों व पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियों का वजूद मिट चुका है। औषधीय वनस्पति से लबरेज वनों का आयुर्वेदिक पद्धति में भी अत्यधिक महत्त्व रहा है, मगर वनाग्नि से कई किस्म की औषधीय वनस्पति का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। यदि अमूल्य वन संपदा वनाग्नि की भेंट चढ़ जाएगी, तो पर्यावरण के साथ पर्यटन उद्योग भी मुतासिर होगा। वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर काबू पाने का मुफीद विकल्प पेड़ों से लबरेज वन्य क्षेत्र हैं। वन्य क्षेत्र के बिना स्वच्छ पर्यावरण, जैव विविधता व जंगली जीवों के वजूद की कल्पना नहीं की जा सकती। वनों में आग लगने की घटनाओं पर देश के न्यायालय, पर्यावरणकर्ता व सरकारें चिंता जरूर व्यक्त करती हैं, जबकि प्रकृति को सबसे अधिक नुकसान मानवीय गतिविधियों से ही पहुंचता है। जंगलों में आग लगने के ज्यादातर कारण मानवीय लापरवाही के हैं। भयंकर दावानल पर काबू पाना लगभग नामुमकिन है। अलबत्ता सामाजिक तौर पर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है, ताकि जंगलों में आग न लगाई जाए। वनों के लगातार जलने से इस धरा पर समस्त प्राणियों का जीवन असम्भव हो जाएगा। वनाग्नि से अमूल्य वन सम्पदा व जंगली जीवों तथा पक्षियों के जलने का दर्द समझना होगा। प्राचीन भारत के अनुसंधान का केन्द्र रहे वन्य क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य का सबसे बड़ा रक्षा कवच हैं। भारतीय संस्कृति में अनादिकाल से वनों का आध्यात्मिक, आर्थिक एंव सांस्कृतिक महत्व रहा है। वैदिक साहित्य के रचयिता हमारे मनीषियों के चिंतन, ध्यान साधना, अध्यात्म, दर्शन व शोध का केन्द्र वन्य क्षेत्र ही रहे हैं। आधुनिक दौर के पर्यावरण संरक्षण के आयोजनों व मंत्रालयों के बिना प्रकृति को सहेजने के कई उत्सव व संस्कार प्राचीन भारत की वैदिक संस्कृति व सामाजिक परिवेश में मौजूद थे।

कुछ अलग

डेटा सुरक्षा में बड़ी सेंध

कोविन एप के जरिए स्टोर हुए लोगों के निजी डेटा की हैकिंग पर सरकार ने जो बयान दिए हैं, उससे कहीं यह भरोसा नहीं बंधता की ऐसी घटना नहीं हुई है। सिर्फ यह कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता कि सारा डेटा सुरक्षित है और इसमें सेंध लगने की खबरें शरारतपूर्ण हैं। अगर ऐसा है, तो पहले एक मलयालम वेबसाइट और फिर कई अन्य समाचार माध्यमों में नेताओं और अन्य लोगों की निजी जानकारियों के स्क्रीन शॉट्स कैसे प्रकाशित हो गए? सूचना तकनीक मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस बारे में जो पहला बयान दिया, उससे स्थिति स्पष्ट होने के बजाय कई नए सवाल खड़े हो गए। इसलिए बेहतर होता कि कोरोना वैक्सीन लगवाने की अनिवार्य शर्त बना कर सरकार ने लोगों की जो निजी सूचनाएं ऐप के जरिए इकट्ठी की थीं, अगर हैकरों ने उसकी सुरक्षा तोड़ दी है, तो वह इस बात को स्वीकार करती। साथ ही इसकी व्यापक जांच शुरू करती, ताकि हैकरों तक पहुंचा जा सके। कुछ महीने पहले नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सर्वर की भी हैकिंग हुई थी। तब हैकरों ने महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य डेटा चुरा लिए थे। उसकी जांच कहां पहुंची, यह आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है। दरअसल, भारत में डेटा सुरक्षा में सेंध लगने की सिर्फ यही दो घटनाएं नहीं हैं। जिस युग में डेटा को सोना कहा जाता है, उस समय डेटा सुरक्षा के ऐसे हाल के साथ कोई भी देश सुरक्षित रहने और विकास मार्ग पर चलने को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता। अन्य सूचनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी डेटा की भी बाजार में ऊंची कीमत है, इसलिए अपराधी हैकरों की नजर इन पर रहती है। यह सरकार और उन संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि जिन लोगों का डेटा वे लेते हैं, उन्हें सुरक्षित रखें। भारत में सरकार और संस्थाएं इस जिम्मेदारी को निभाने में नाकाम नजर आ रही हैं। महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि अगर इसी तरह सैन्य सुरक्षा और बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी आंकड़ों की चोरी कर ली गई, तो उसका क्या परिणाम होगा? इसलिए सरकार को ताजा घटना को अति गंभीरता से लेना चाहिए और इसका पूरा सच देश को बताना चाहिए।

देश दुनिया से

प्रधानमंत्री खुद को कितना बदल पाएंगे, क्या शासन शैली में भी आएगा परिवर्तन!

हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है।" हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है। उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, "मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है।

करीब एक साल पहले यानी 1 जुलाई, 2023 को इसी पेज पर छपे एक लेख में मैंने लिखा था कि मुझे भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद है। मुझे लगता था कि "लोकसभा में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलेगा। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है।" हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है। उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, "मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है। वामपंथी और उदारवादी जमीनी हकीकत को समझ नहीं पाए और भाजपा को लगभग 230 सीटें मिल सकती हैं।" एक सप्ताह बाद फिर माहेश्वरी ने यह लिखा, "मोदी अपने राजनीतिक स्वभाव में तानाशाही गुणों के साथ अनिर्णय से ग्रस्त हैं। यह बात मेरे इस कथन को मजबूत करता है कि भाजपा की ताकत 230 सीटों तक कम हो सकती है।" 18 मार्च को माहेश्वरी ने पुनः मुझे एक ई-मेल भेजा, जिसमें लिखा था, "भाजपा को 230 सीटें मिलेंगी, जिनमें उत्तर प्रदेश में 80 में से 30 सीटें शामिल हैं। राहुल गांधी की क्षमताओं के बारे में मेरे मन में कई तरह की आशंकाएं हैं, फिर भी वह एकमात्र ऐसे गैर-भाजपाई नेता हैं, जो सड़क पर उतरे हैं और अच्छी-खासी भीड़ को अपनी ओर खींचने में सफल रहे हैं।" अनिल माहेश्वरी ने चुनाव शुरू होने से एक महीने पहले यह भविष्यवाणी कर दी थी। जुलाई, 2023 में मैंने आशा के विपरीत उम्मीद जताते हुए कहा था कि "गठबंधन की सरकार आएगी। भारत बहुत बड़ा और विविधताओं वाला देश है। इसे सहयोग और सलाहों के बिना चलाया ही नहीं जा सकता है। हालांकि संसद में ज्यादा बहुमत होने से सत्ता पक्ष में अहंकार आ जाता है। बहुत अधिक बहुमत वाला प्रधानमंत्री अपने कैबिनेट के सहयोगियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है, विपक्ष का अनादर करता है, प्रेस पर लगाम लगाता है, संस्थानों की स्वायत्तता को खत्म करता है और नहीं तो कम से कम राज्य के हितों और अधिकारों की अनदेखी करता है। खासतौर पर उन राज्यों की, जहां किसी और पार्टी का शासन रहता है।" नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले मैंने इंदिरा और राजीव गांधी की सरकारों को देखा है, जिनमें प्रचंड बहुमत के कारण सत्तावादी प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के लक्षण मिलते हैं। दूसरी तरफ मैंने गठबंधन सरकारों

को भी देखा है, जब प्रेस और न्यायपालिका अधिक स्वतंत्र थे और नियामक संस्थाओं पर नियंत्रण करने की कोशिश कम थी। 1989 से 2014 के बीच किसी भी एक पार्टी को संसद में बहुमत नहीं मिला था। इस दौरान सात प्रधानमंत्री हुए, जिनमें से चार- वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा और गुजराल दो साल से भी कम समय तक कार्यालय में रहे। दूसरी तरफ, तीन प्रधानमंत्रियों ने पांच साल के कार्यकाल पूरे किए, जिनमें नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह शामिल हैं। अब मोदी तीसरे कार्यकाल में उन प्रधानमंत्रियों की श्रेणी में आ गए हैं, जिन्होंने बिना पूर्ण बहुमत के सरकार चलाई। हालांकि उनसे पहले के प्रधानमंत्रियों ने अपने अनुभव और स्वभाव के चलते प्रभावी तरीके से सरकार चलाई। नरसिम्हा राव ने प्रधानमंत्री बनने से पहले इंदिरा और राजीव गांधी की कैबिनेट में लंबे समय तक काम किया। वाजपेयी प्रधानमंत्री बनने से पहले मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की सरकार में विदेश मंत्री रहे। मनमोहन सिंह ने भी प्रधानमंत्री के पद पर आने से पहले नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में काम किया था। इसके अलावा राव, वाजपेयी और मनमोहन ने सरकार से बाहर रहते हुए विपक्षी सांसदों की भूमिका भी निभाई। एक प्रचारक और पार्टी के संगठनकर्ता के तौर पर मोदी ने कई वर्षों तक अन्य लोगों के साथ या उनके अधीन भी काम किया, लेकिन जब से उन्होंने चुनावी राजनीति में कदम रखा, वह कभी भी मात्र विधायक या सांसद नहीं रहे। यहां तक कि राज्य या केंद्रीय स्तर पर मंत्री भी नहीं रहे। 2001 से उन्होंने खुद को मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के रूप में ही देखा है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने खुद को बॉस, टॉप बॉस, सोल और सुप्रीम बॉस के रूप में देखा है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसने एक बहुत बड़े पंथ का निर्माण किया है या एक ऐसा नेता, जो अपने दम पर पहले अपने राज्य और फिर देश को समृद्धि के शिखर पर ले जाएगा। राज्य और केंद्र, दोनों जगहों पर उन्होंने किसी भी नई परियोजना के शुरू होने या उसके पूरे होने का हमेशा श्रेय लिया, चाहे वह पुल हो, हाईवे हो, रेलवे स्टेशन हो, खाद्य सब्सिडी हो या कुछ और। नरसिम्हा राव और वीपी सिंह का व्यक्तित्व आत्मसंतुष्ट और संयमित था। वाजपेयी का व्यक्तित्व अधिक करिश्माई था, लेकिन उन्होंने कभी भी खुद को पार्टी का केंद्र-बिंदु नहीं माना, अपनी सरकार या देश का तो बिल्कुल भी नहीं। इस तरह देखा जाए तो ये तीनों ही अपने अनुभव और स्वभाव के आधार पर कैबिनेट के सहयोगियों और विपक्ष के साथ सलाह-मशविरा कर काम करने के लिए तैयार रहते थे। देखा जाए तो प्रधानमंत्री को स्वयं जीत की हैट्रिक लगाने की पूरी उम्मीद थी, इसलिए उन्होंने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि नए सिरे से पदभार संभालने पर वह पहले सौ दिनों के एजेंडे पर तेजी से काम करेंगे। 'द इकोनॉमिक टाइम्स' ने 10 मई को इस बात का दावा किया कि 'मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में 100 दिनों के एजेंडे में 50 से 70 लक्ष्य निर्धारित करेंगे।'

आप का नजरिया

पर्यटन सारथी परिवहन

यह महज यात्री बस नहीं है और न ही हिमाचल की डेस्टिनेशन में सहज रूट है। यह एक अनुभव, साल की गणना में खुला मौसम, पर्वतीय आवरण में चहलकदमी और लेह रूट का हिमाचल के पर्यटन का गहरा रिश्ता है। जाहिर तौर पर यह एचआरटीसी की साहसिक यात्रा का सालाना समारोह भी है, जो चंद महीनों के लिए ट्रांसपोर्ट की बादशाहत में हिमाचल को पर्यटन का ब्रांड बनाता है। दिल्ली- लेह मार्ग पर फिर से दौड़ रही बस अपने साथ शगुनों का एक पूरा मोहल्ला ले कर चलती है और यह सफर की चुनौतियों में मंजिल का भरोसा है। यानी 981 किलोमीटर की दूरी और तीस घंटे का साथ, पर्वतीय दुरुहता से गुजरने का शौर्य है। एक रिकार्ड, एक मील पत्थर और यादों के नजारों के बीच रुह में बस जाने का तजुर्बा। वास्तव में यह हिमाचल की दिलेर यात्रा है जहां ड्राइविंग हुनर की पराकाष्ठा में एचआरटीसी पर भरोसा परवान चढ़ता है, लेकिन अब हमें इस रिकार्ड से आगे निकल कर दिल्ली-लेह रूट के अनुभव को परिमार्जित करते हुए, इसे पर्यटकों की बेशकीमती मांग बनाना चाहिए ताकि यह एहसास सदा जिंदा रहे। यह इसलिए कि हिमाचल की धुरी केवल एक रूट की बस के इर्द-गिर्द घूम रही है। अगर हम इस रूट को पर्यटन का परमिट बना दें, तो मानव जिज्ञासा के हर मोड़ पर हिमाचल परिवहन सारथी बन सकती है। दिल्ली से मनाली तक के सफर की आरामदायक भूमिका में कई आयाम स्थापित करने के बावजूद आगे का सफर अभी भी एक रिवायत के सिवा नहीं बढ़ा। बेशक यह चार दिनों की चांदनी जैसा है, लेकिन इस खजाने में कई उपयोग व प्रयोग हो सकते हैं। यह महज यात्रा के आगे 'पर्यटन सारथी परिवहन' की मुद्रा में हिमाचल के आकर्षण को कई गुणा बढ़ा सकती है बशर्ते हम इस एहसास की पेशगी में सैलानियों को यात्रा टिकट से कहीं आगे सुविधा टिकट की गारंटी दें। पर्यटन सारथी परिवहन की परिकल्पना में एक साथ लेह के लिए न केवल दिल्ली, बल्कि जयपुर, देहरादून-मसूरी, अमृतसर व जम्मू से बसें निकलें जो मनाली के आगे मिनी बसों का काफिला बन सकती हैं। यात्रा के दौरान कम से कम एक दिन-रात का विश्राम हिमाचल में होना चाहिए। हिमाचल को अंतरराज्यीय बस सेवाओं से कुछ रूट 'पर्यटन सारथी परिवहन' के रूप में चिन्हित करने चाहिएं। प्रदेश के बहुत सारे डेस्टिनेशन अब साधारण बस सेवाओं से कहीं अधिक लग्जरी बसों की अधिकतम मांग पैदा कर रहे हैं। धर्मशाला, डलहौजी, मनाली, शिमला, बीड़ व कुछ अन्य शहरों में निजी क्षेत्र परिवहन की इस मांग को पूरा करके सफल हो रहा है, तो परिवहन निगम को भी अपनी सेवाओं में यात्रियों के अलावा पर्यटक आकर्षित करने चाहिएं। 'पर्यटन सारथी परिवहन' सेवा के तहत डेस्टिनेशन टू डेस्टिनेशन सेवा के आधार पर अगर बस सेवाएं उपलब्ध हों तो अंतरराज्यीय पर्यटन की क्षमता में पथ परिवहन निगम के घाटे कम हो जाएंगे। यह इसलिए भी कि निजी वोल्वो बसें अपने किराए व बस स्टॉपेज के कारण विवादित रहती हैं, जबकि दिल्ली जैसे शहर से पर्यटकों को हिमाचल पहुंचाने के लिए एचआरटीसी कई पैकेज बना सकता है। पर्यटन व परिवहन निगम अगर 'पर्यटन सारथी परिवहन' योजना के साथी बनाए जाएं तो पर्यटन के रूट खासी चर्चा में आएंगे।

2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़ा भारत का यूएई से सोने, चांदी का आयात, जीटीआरआई ने कहा- एफटीए में शुल्क संशोधन की जरूरत

नई दिल्ली,17 जून (एजेंसियां) । आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि सोने और चांदी के आयात में तेज वृद्धि मुख्य रूप से भारत-यूएई के व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत की तरफ से यूएई को दी गई आयात शुल्क में रियायतों से प्रेरित है। भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर 7 प्रतिशत टैरिफ या सीमा शुल्क रियायत और 160 मीट्रिक टन सोने पर 1 प्रतिशत रियायत देता है।

मई 2022 में लागू हुआ था सीईपीए - फरवरी 2022 में सीईपीए पर हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। इसके अलावा भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से निजी फर्मों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा प्रदान करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले, केवल अधिकृत एजेंसियां ही इस तरह के आयात को संभाल सकती थीं।

बाकी सभी उत्पादों पर घटा आयात - यूएई से भारत का कुल आयात वित्त वर्ष 2023 में 53.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2024 में 48 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। वहीं सोने और चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 बिलियन अमरीकी डॉलर से 10.7 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। रिपोर्ट में ये कहा गया है, कि बाकी सभी उत्पादों का आयात 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 23 में 49.7 बिलियन अमरीकी डॉलर से वित्त वर्ष 24 में 37.3 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

उच्च आयात शुल्क ही समस्या की जड़ - ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने बताया कि मौजूदा समय में यूएई से सोने और चांदी के आयात टिकाऊ नहीं है क्योंकि यूएई सोने-चांदी का खनन नहीं करता हैं या आयात में पर्याप्त मूल्य नहीं जोड़ता है। अजय श्रीवास्तव ने आगे कहा कि भारत में सोने, चांदी और आभूषणों पर 15 प्रतिशत का उच्च आयात शुल्क ही समस्या की जड़ है। इस टैरिफ को घटाकर 5 प्रतिशत करने पर विचार करें। इससे बड़े पैमाने पर तस्करी और अन्य दुरुपयोगों में कमी आएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

निचले स्लैब के लोगों को आयकर में मिले राहत; सीआईआई अध्यक्ष बोले- जारी रहे सरलीकरण की प्रक्रिया

नई दिल्ली । भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में निचले स्लैब के लोगों को आयकर में राहत मिलनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि महंगाई अब भी उच्च स्तर पर है।सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मई में थोक महंगाई लगातार तीसरे महीने बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 फीसदी पर पहुंच गई।अच्छे मानसून की उम्मीद के कारण इस वर्ष खुदरा महंगाई की दर 4.5 फीसदी के आसपास रहने की उम्मीद है। पुरानी व्यवस्था में कर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये तक की आय पर लागू होती है। नई व्यवस्था में यह 3 लाख रुपये तक की आय पर है। पुरी ने कहा, हमारा सुझाव है कि कर के मोर्चे पर सरलीकरण की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और दरों की बहुलता में कुछ परिचालन कठिनाइयां हैं। इनका सरलीकरण जरूरी है। पुरी ने कहा, सीमा शुल्क के मोर्चे पर हमें त्रिस्तरीय संरचना की ओर बढ़ना चाहिए। सबसे निचले स्तर पर प्राथमिक, बीच में मध्यवर्ती और फिर तैयार माल एवं कुछ समय की अवधि में अपवादों के साथ मध्यम दरें होनी चाहिए। बेहतर मानसून से सस्ते होंगे खाद्य पदार्थ सीआईआई अध्यक्ष ने कहा, मानसून के उम्मीद से बेहतर रहने के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।इससे महंगाईके मोर्चे पर भी राहत मिल सकती है।उम्मीद है कि आरबीआई प्रमुख ब्याज दर में कटौती करेगा। यह दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से शुरू हो सकता है। कुछसाल में तीसरी बड़ी जीडीपी बन जाएगा भारत पुरी ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन व मोदी के पिछले दो कार्यकाल में नीतियों की सफलता इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आधार तैयार करेगी। हमें उम्मीद है कि भारत अगले कुछ साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सीआईआई ने इस साल जीडीपी के 8 फीसदी की मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ने की उम्मीद जताईहै। नए अध्यक्ष ने कहा, जीडीपी को अनुमान से बेहतर मानसून और खाद्य महंगाई में नरमी जैसे कईकारकों से समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में सुधारों पर नहीं पड़ेगा असर पुरी ने कहा, गठबंधन राजनीति की मजबूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सुधारों में बाधक नहीं बनेंगी।

ब्रिटेन भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना, पिछले साल मई में ब्रिटेन भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था

नई दिल्ली । ब्रिटेन मई में चीन को पीछे छोड़कर भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। पिछले साल मई में वह भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मई में भारत से ब्रिटेन को निर्यात लगभग एक तिहाई बढ़कर 1.37 अरब डॉलर हो गया और चीन का निर्यात 1.33 अरब डॉलर ही रहा। मई में भारत का वस्तु निर्यात 9.13 फीसदी बढ़कर 38 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार कम होने से पिछले कई महीनों तक निर्यात में सुस्ती रही थी मगर मई में अच्छी वृद्धि हुई। अमेरिका को निर्यात में 13 फीसदी इजाफा हुआ और वह भारत का सबसे बड़ा निर्यात साझेदार बना रहा। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात में 19 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात साझेदार है और मई में वहां के लिए निर्यात 44 फीदी चढ़कर 2.19 अरब डॉलर हो गया। भारत से चीन को निर्यात में पिछले महीने केवल 3 फीसदी इजाफा हुआ। सऊदी अरब को निर्यात में 8.46 फीसदी, सिंगापुर को 4.64 फीसदी, बांग्लादेश को 13.47 फीसदी, जर्मनी को 6.74 फीसदी और फ्रांस को निर्यात में 36.94 फीसदी बढ़ोतरी रही। भारत ने जिन 10 देशों से सबसे ज्यादा आयात करता है, उनमें से केवल 2 देशों से आयात में कमी आई। मई में सऊदी अरब से आयात में 4.11 फीसदी और स्विट्जरलैंड से आयात में 32.33 फीसदी कमी दर्ज की गई। मई में भारत का कुल वस्तु आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर हो गया। रूस से होने वाला आयात 18 फीसदी बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया, जिसकी बड़ी वजह वहां के तेल पर भारत की निर्भरता है। चीन के बाद भारत सबसे ज्यादा आयात इसी देश से करता है और यह सिलसिला मई में भी जारी रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोहिंग्या पर..

के दौरान चेहरे की तस्वीर और उसका पूरा डाटा आता है। चश्मा लगाए लोग और दाढ़ी बढ़ाकर भी कोई व्यक्ति इन कैमरों से नहीं बच सकता। एआई इस डाटा को कलेक्ट करके सारी जानकारियां निकाल लेता है और उनसे जुड़ी सारी जानकारी चीन के सुरक्षा अधिकारियों को देता है। फिलहाल जुहई में यह एआई सिस्टम 14 पुलिस थानों, डिटेंशन सेंटर और ट्रैफिक पुलिस कार्यालयों में इस्तेमाल में है।

तीन साल में ...

बड़ा अंग्रेजी बोलने वाली आबादी वाला देश है और साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथ (स्टेम) शिक्षा में अग्रणी है। भारत अपने उच्च शिक्षित कार्यबल, मध्य पूर्व, यूरोप और पश्चिम अफ्रीका के करीब रणनीतिक स्थान के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया से जुड़ने वाले अपने स्थापित समुद्री कनेक्शन के कारण व्यापार के लिए एक शानदार क्षेत्र है।इंडिया रिव्यू के अनुसार, भारत अपने बड़े श्रम, विशाल उपभोक्ता आधार, कम परिचालन लागत और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ाव के कारण निर्माताओं और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण के लिए एक विश्वसनीय वैकल्पिक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था, व्यापार करने में अपेक्षाकृत आसानी और अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए खुले उद्योगों की बढ़ती रेंज इसके और भी आकर्षण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर भारत व्यापार के लिए एक प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने वाले व्यवसायों में फेडएक्स, फॉक्सकॉन, एप्पल और कई अन्य प्रसिद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और चिकित्सा उपकरण उद्योग शामिल हैं। यह संभवतः भारत सरकार द्वारा मिलने वाले प्रोत्साहनों के कारण है। भारत को दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में स्थापित करने के लिए वर्ष 2019 में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति बनाई गई और मदरबोर्ड चिपसेट, ग्राफिक्स चिप्स, सेमीकंडक्टर चिप्स और अन्य कंप्यूटिंग उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन गया। इसके बाद, घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने और सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और इलेक्ट्रॉनिक घटकों में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन कार्यक्रम के माध्यम से वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया गया। इन प्रोत्साहनों की वजह से अब चौदह और नए उद्योग शामिल हो गए हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल का विश्लेषण कहता है कि हाल के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार और विविधीकरण देखा गया है, जिसमें कई उद्योग देश की आर्थिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत का विनिर्माण क्षेत्र जीवंत और विविधतापूर्ण है, जिसमें चिकित्सा उपकरण, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

अंतरिक्ष यान, हवाई जहाज और संबंधित उपकरणों के निर्माण के लिए भारत को एक बेहतरीन जगह के रूप में देखा जा रहा है। सैन्य और वाणिज्यिक दोनों तरह के उपयोगों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ विमान निर्माण क्षेत्र में समय के साथ काफी वृद्धि हुई है। तकनीकी विकास, अत्यधिक कुशल श्रम आधार और एयरोस्पेस उत्पादन का समर्थन करने के लिए सरकारी योजनाएं और कार्यक्रम इस क्षेत्र की सहायता करते हैं। विदेशी एयरोस्पेस व्यवसायों के साथ सहयोग और साझेदारी ने इस क्षेत्र के विकास में योगदान दिया है, जो दुनिया भर में एयरोस्पेस निर्माण में भारत की ताकत को पहचान दिला रहा है।रिपोर्ट कहती है कि भारत में चिकित्सा प्रौद्योगिकी या मेडटेक का क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। उदाहरण के लिए, बोस्टन साइंटिफिक ने 2016 में गुरुग्राम में अपना पहला केंद्र स्थापित किया। 2023 में अमेरिका स्थित कॉरपोरेशन बोस्टन साइंटिफिक ने पुणे में अपना दूसरा अनुसंधान और विकास केंद्र खोला। अमेरिका के बाहर कंपनी की दूसरी सबसे बड़ी अनुसंधान और विकास सुविधाएं भारत में ही स्थित हैं। ट्रिविट्रॉन हेल्थकेयर और ऑप्टो सर्किट इंडिया लिमिटेड जैसे व्यवसायों द्वारा वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए चिकित्सा उपकरणों और गैजेट्स की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के साथ, भारत का चिकित्सा उपकरण निर्माण उद्योग भी बढ़ा है।ऑटोमोबाइल क्षेत्र में टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी कंपनियां ऑटोमोबाइल और मोटरबाइक से लेकर कॉमर्शियल ट्रक और बस तक कई तरह के वाहन बनाती हैं, जिसके चलते भारत वैश्विक ऑटोमोटिव क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। मेक इन इंडिया परियोजना उन कई रणनीतियों में से एक है, जिनके तहत भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को अपने देश में बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।भारत को अंतराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 2014 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मेक इन इंडिया पहल की शुरुआत की गई थी। इस अभियान के घोषित लक्ष्य निवेश आकर्षित करना, नवाचार का समर्थन करना, कौशल विकास में सुधार करना, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा करना और दुनिया में सबसे बेहतरीन विनिर्माण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। इसके तहत 25 उद्योगों की पहचान की गई है जो विदेशी निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि से तुरंत लाभान्वित होंगे। इनमें चिकित्सा उपकरण, रेलमार्ग, बीमा और रक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं।दुनियाभर के उद्योग क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ-उद्यमी यह सवाल उठाते हैं कि व्यवसाय भारत में क्यों स्थानांतरित हो रहे हैं? भारत अगला विनिर्माण केंद्र क्यों है? इस पर व्यापक सहमति व्यक्त की गई कि औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार को बढ़ावा देने के लिए भारत के संघीय और राज्य सरकारों द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है। भारत के राज्य भी अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए होड़ कर रहे हैं। भारत ने पहले ही बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश किया है, और यह और भी तेजी से बढ़ रहा है।

भारत में कई उद्योगों के पास विशेष आर्थिक क्षेत्र हैं, खासकर वे जो फैब्रिकेशन और सेमीकंडक्टर सुविधाओं से सम्बद्ध हैं। भारत की नई नौकरशाही व्यवसाय समर्थक है। भारत की पुरानी नौकरशाही जो अत्यंत धीमी गति से चलती थी और लाल फीताशाही में अनेक उद्योग धंधे चौपट हो रहे थे, वह दौर अब समाप्त हो गया है। भारत सरकार का अभियान इन्वेस्ट इंडिया का उद्देश्य ही है भारत में व्यवसाय करने को आसान बनाना। भारत में शिक्षा की स्तरीयता पर भी जोर है। आर्थिक के साथ-साथ भारत सरकार शिक्षा नीतियां बना रही है। इसका नतीजा है कि सबसे अच्छे स्कूलों से निकलने वाली प्रतिभा कार्यबल के लिए तैयार है। उद्योग और शिक्षा अन्योन्याश्रित तरीके से मिलकर काम करते हैं।भारत के विनिर्माण विकास का एक हिस्सा खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के क्षेत्र में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से संचालित हो रहा है। उपभोक्ता प्रतिस्पर्धी मूल्य बिंदुओं पर अत्याधुनिक सुविधाओं और क्षमताओं के साथ प्रीमियम सामान की तलाश करते हैं। भारत उपभोक्ताओं को विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कम लागत पर अधिक विकल्प प्रदान कर रहा है। भारत में एयरोस्पेस के सफल होने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में है। देश के सुस्थापित वैमानिकी बुनियादी ढांचे, विनिर्माण करारों और उदार प्रोत्साहनों के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रसिद्ध उद्यमी कंपनियां भारत में बड़े निवेश कर रही हैं।भारत अपने कम टैरिफ के कारण उद्यमों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। क्षेत्रीय संचालन पर विचार करने वाले विदेशी कॉरपोरेट्स को आकर्षित करने वाला एक अन्य कारक भारत की कम जमीनी लागत भी है। भारत में कई अन्य देशों की तुलना में अधिक किफायती श्रम है और यह यूरोप, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापार के लिए आदर्श स्थान है। इसके अलावा, भारत के पास कई व्यापार समझौते हैं जो टैरिफ को कम करते हैं और आयात और निर्यात प्रक्रियाओं को आसान और कम खर्चीला बनाते हैं। अंततः क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के लिए कुल लैंडेड लागत रसद प्रभावशीलता और कम परिवहन व्यय से और भी कम हो जाती है।दुनिया के प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक विश्लेषक प्रतिष्ठानों का मानना है कि भारत विश्व औद्योगिक परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है और अनुमान है कि आने वाले वर्षों में यह गति जारी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय लीथियम-आयन बैटरी रीसाइकलिंग कंपनी लोहुम के संस्थापक और सीईओ रजत वर्मा का कहना है कि भारत लिथियम आपूर्ति श्रृंखला में बिना इसका उत्पादन किए वैश्विक लीडर बन सकता है। भारत रीसाइक्लिंग पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

भाजपा से लाभ ..

लिए भाजपा कई तरह के आउटरीच प्रोग्राम चल रही थी। पार्टी द्वारा पसमांदाओं को अपने पाले में लाने के लिए कई तरह के सम्मेलन, स्नेह यात्राओं का आयोजन किया गया। पसमांदा मुसलमानों और मुस्लिमों के अन्य वर्गों में अंतर दिखाने के लिए भाजपा ने इस साल की शुरुआत में कौमी चौपालों का भी आयोजन किया था।जुलाई 2022 में हैदराबाद में हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग में पसमांदा मुसलमानों पर फोकस करने की योजना बनाई गई थी। इस योजना पर भाजपा द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी की सभी समुदायों के वंचित और दलित वर्गों तक पहुंचने की अपील के बाद शुरू किया गया। उस साल हुए विधानसभा चुनावों में पसमांदा समुदाय के करीब 8 प्रतिशत वोटर्स द्वारा पार्टी का समर्थन किए जाने के बाद भाजपा उत्साहित थी। लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस के गठबंधन होने के बाद भी भाजपा को उम्मीद थी कि उसे पसमांदा मुसलमानों से और समर्थन मिलेगा।विधानसभा चुनाव 2022 के बाद भाजपा ने दानिश आजाद अंसारी को एमएलसी बनाया और फिर राज्य सरकार में मंत्री पद दिया। दानिश आजाद पसमांदा मुस्लिम समाज से आते हैं। वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज राज्य मंत्री हैं। उनके अलावा भाजपा ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर को भी एमएलसी बनाया और उन्हें पार्टी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया। पिछले साल के स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान, भाजपा ने 300 से ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवार खड़े किए थे, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत पसमांदा थे।अपने चुनावी भाषणों में पीएम नरेंद्र मोदी अक्सर पसमांदा मुसलमानों का जिक्र करते थे। उन्होंने एक रैली में कहा था कि उन्हें मुस्लिम महिलाओं का आशीर्वाद भी प्राप्त है। भाजपा मानती रही कि 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मुस्लिम महिलाओं ने उन्हें वोट दिया है। भाजपा यह भी आरोप लगाती है कि कांग्रेस और सपा दोनों ने तुष्टिकरण के नाम पर केवल चुनिंदा अल्पसंख्यक नेताओं को लाभ पहुंचाया और पसमांदाओं की उपेक्षा की।हाल ही में लखनऊ स्थित भाजपा दफ्तर में हुई एक समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा, हमने नतीजों को स्वीकार कर लिया है और हम जनता के फैसले के आगे नतमस्तक हैं। लेकिन एक राजनीतिक संगठन के तौर पर हमने अपने सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से लोकसभा सीटवार कैंप करने और जानकारी जुटाने को कहा है। इस जानकारी के आधार पर हम आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। हम उन सभी कारणों को समझने की कोशिश कर रहे हैं, जिनकी वजह से हमें अपेक्षित नतीजे नहीं मिल पाए।

उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने कहा, यह सच है कि पसमांदा मुस्लिम समुदाय के लिए बहुत कुछ किया गया है, संगठन में पद देने से लेकर एमएलसी बनाने तक और यहां तक कि मंत्री पद भी दिए गए हैं। पसमांदा मुसलमानों को पीएम आवास के तहत बीस लाख घर और 2.61 करोड़ राशन कार्ड प्रदान किए गए हैं। बुनकर समुदाय के लिए भी विशेष पहल की गई है। लेकिन इन सबके बावजूद समुदाय ने शायद ही हमारे उम्मीदवारों को वोट दिया हो।

उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में पार्टी को पसमांदा मुसलमानों का कुछ वोट जरूर मिला, लेकिन यह कैराना, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर जीतने के लिए काफी नहीं था। काफी सीटों में भाजपा को पसमांदा मुसलमानों का एक फीसदी वोट भी नहीं मिला। पसमांदा मुस्लिम बहुल इलाकों में बूथ की समीक्षा में पता चला कि भाजपा को पसमांदा समुदाय के महज एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले। जबकि, भाजपा को मुस्लिम राजपूतों, जाटों, त्यागियों, अशरफों, पठानों और तुर्कों सहित ऊंची जाति के मुसलमानों के कुछ वोट अवश्य मिले। विडंबना यह है कि मुसलमानों के इस उच्च जाति वर्ग को भाजपा ने कोई तरजीह नहीं दी।

भाजपा पसमांदा मुस्लिमों को मनाने में क्यों विफल रही, इस पर चिंतन की जरूरत की बात करते हुए पार्टी के एक नेता कहते हैं कि हमें बारीकी से विचार करने की जरूरत है। ओम प्रकाश राजभर के बेटे घोसी लोकसभा से चुनाव लड़े, यहां पसमांदा मुस्लिमों यानी अंसारियों की आबादी काफी ज्यादा है। इस सीट पर दानिश अंसारी को कैंप करवाया गया था फिर भी यहां सपा के भूमिहार नेता की जीत हुई। समीक्षा में यह बात स्पष्ट हुई कि मुसलमान और हिंदू समुदाय की समझदार और उदार जातियां भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों को समझती हैं और समर्थन भी देती हैं, लेकिन भाजपा हो या कांग्रेस, इन्हें तरजीह नहीं देती और इसका खामियाजा भी भुगतती हैं।

पेट्रो कीमतें ...

नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। इसके बाद अपनी कार में बैठते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह गिर गए। भाजपा नेता को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

उधर ईंधन की बढ़ती कीमतों पर कर्नाटक को भाजपा नेता सीटी रवि ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर निशाना। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री दोहरे चरित्र वाले हैं? भाजपा ने कहा मुख्यमंत्री बनने से पहले सिद्धारमैया ने कहा था कि सरकार ईंधन की कीमतों को 10 रुपए कम करेगी। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद ईंधन की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी हुई है। अगर सरकार के खजाने में पैसा है तो जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, स्टांप ड्यूटी शुल्क, आबकारी शुल्क और बिजली के दामों में बढ़ोतरी क्यों की गई?

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि भारत एकमात्र देश है जहां प्रतिनिधि अवधि में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवधि के दौरान डीजल की कीमतें बढ़ने के बजाय कम हुईं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने इसकी वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में दो बार पेट्रोल और डीजल पर केंद्र द्वारा लगाए गए उत्पाद शुल्क को कम किया। इस वजह से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों ने भी पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम किया। वैट के आंकड़ों पर ध्यान देने से यह बात स्पष्ट हो जाती है।

खालिस्तानी आतंकी ...

लिए वहां के स्थानीय कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, लेकिन अमेरिका के दबाव में चेक गणराज्य की कहां चलने वाली थी। जबकि चेक गणराज्य की अदालत ने इससे पहले फरवरी 2024 में निखिल गुप्ता को अमेरिका ले जाए जाने की अमेरिकी कोशिशों पर रोक लगा दी थी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के जस्टिस विभाग ने आरोप लगाया था कि निखिल गुप्ता अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मरवाने की साजिश में शामिल था। निखिल गुप्ता पर आरोप लगाया गया था कि उसने अमेरिका में पन्नू को मारने के लिए एक हत्यारे को 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपए) की सुपारी दी थी। अमेरिकी एजेंसियों ने यह भी आरोप लगाया था कि वह भारतीय खुफिया एजेंसियों से मिल कर काम कर रहा था और यह सुपारी उसने भारतीय एजेंटों के कहने पर ही दी थी। इसके लिए 15,000 डॉलर का अग्रिम भुगतान किया गया था। निखिल गुप्ता ने जिसको पैसे दिए थे वह अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का ही सदस्य था। इसी कारण पूरा मामला खुल गया। अमेरिका में निखिल गुप्ता को प्रताड़ित किया जा रहा है। निखिल गुप्ता के परिवार वालों ने कहा कि निखिल को जबरन गोमांस और सुअर का मांस खिलाया जा रहा था जो उनके धार्मिक मूल्यों के विरुद्ध है।अमेरिका के आरोपों को भारत लगातार खारिज कर रहा है। भारत ने अमेरिकी आरोप की जांच के लिए एक कमेटी भी गठित कर दी है। निखिल गुप्ता को अमेरिका लाए जाने को लेकर विदेश मंत्रालय ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

नौसेना में शामिल ...

नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजेक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। नवंतिया के प्रमुख ने कहा कि जून के आखिरी सप्ताह से भारतीय नौसेना कार्टाजेना के पोत कारखाने में वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) यानी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन परीक्षण करेगी।रिकार्डो डोमिंगुज ने कहा कि इस परीक्षण में उनका साथ लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) कंपनी देगी। परीक्षण के दौरान भारतीय नौसेना को विश्व स्तर की एआईपी तकनीक की जानकारी दी जाएगी। बताया गया कि भारतीय नौसेना एआईपी तकनीक से सुसज्जित छह पनडुब्बियों का अधिग्रहण करेगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं। भारतीय नौसेना के पास इससे पहले एआईपी सिस्टम वाली पनडुब्बियां नहीं थीं।

करीब 60 हजार करोड़ की इस परियोजना में एलएंडटी और नवंतिया के साथ जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम और भारत की मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड भी शामिल हैं। नवंतिया ने भारतीय नौसेना की परियोजना के लिए एस-80 पनडुब्बी के डिजाइन की पेशकश की है। इनमें से एक पनडुब्बी वर्ष 2024 में स्पेनिश नौसेना में शामिल हो चुकी है। नवंतिया ने दावा किया कि ड80 की खास बात यह है कि यह बिना किसी पुनर्निर्माण की आवश्यकता के पी75(आई) की तकनीक आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करती है।

एनडीए के लिए...

उसमें भाजपा के पास सात, कांग्रेस के पास दो और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पास एक सीट है। फिलहाल भाजपा इनमें से कम से कम छह सीटें जीतने का दम रखती है। ऐसे परिदृश्य में एनडीए को कानून पारित करने के लिए दूसरों के समर्थन की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन वाईएसआरसीपी और बीजेडी का समर्थन उसे आरामदायक स्थिति में रखेगा।

बीजेडी ने अभी तक अपनी राज्यसभा रणनीति के बारे में बात नहीं की है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में पार्टी ज्यादातर संसद में भाजपा के साथ गठबंधन करती रही है। वहीं वाईएसआरसीपी ने कहा है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को मुद्दा-आधारित समर्थन देगी। पिछले हफ्ते दिल्ली में वाईएसआरसीपी नेता वी विजयसाई रेड्डी ने केंद्र सरकार से आंध्र प्रदेश में चुनाव-संबंधी हिंसा का जायजा लेने के लिए कहा और कहा कि एनडीए को राज्यसभा में बिल पारित करने के लिए हमारी संख्या की आवश्यकता होगी।वाईएसआरसीपी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भाजपा के बाद एनडीए की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी टीडीपी पर चुनाव के दौरान ज्यादतियां करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, उन्हें (भाजपा को) हमारी शिकायत पर ध्यान देना होगा क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में मिलाकर हमारे पास 15 सांसद हैं। यह टीडीपी की संख्या से सिर्फ एक सांसद कम है।टीडीपी ने आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनावों में 135 सीटें और 16 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। वाईएसआरसीपी 11 विधानसभा सीटों पर सिमट गई और लोकसभा में उसके चार सांसद हैं। वाईएसआरसीपी ने स्पष्ट किया है कि वह एनडीए या इंडी गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने को तैयार नहीं है। रेड्डी ने कहा हम उन मामलों का समर्थन करेंगे जो देश के हित में हैं। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी के फैसले संवैधानिक मूल्यों पर आधारित होंगे।वाईएसआरसीपी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वाईएसआरसीपी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर किसी भी कानून का समर्थन नहीं करेगी। रेड्डी ने कहा, चुनाव से पहले ही हमने स्पष्ट कर दिया था कि हम यूसीसी का समर्थन नहीं करेंगे। हालांकि पार्टी ने यह सार्वजनिक नहीं किया है कि क्या वह एक राष्ट्र, एक चुनाव का समर्थन करेगी या नही। रेड्डी ने कहा कि इसपर निर्णय बाद में लिया जाएगा। वहीं बीजेडी ने भी अभी तक यूसीसी या वन नेशन, वन इलेक्शन पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है।पिछली लोकसभा के कार्यकाल के दौरान वाईएसआरसीपी और बीजेडी ने दोनों सदनों में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) जैसे कानून पारित करने में भाजपा का समर्थन किया था। हालांकि वाईएसआरसीपी ने अपने रुख पर फिर से विचार किया और मार्च में कहा कि वह मौजूदा प्रारूप में सीएए का समर्थन नहीं करती है। इससे पहले पार्टी ने आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का विरोध किया था। तीन तलाक पर बीजेडी ने भाजपा का समर्थन किया जबकि वाईएसआरसीपी ने इसका विरोध किया। हालांकि वाईएसआरसीपी ने भाजपा सरकार के विवादास्पद कृषि कानूनों का समर्थन किया, जिन्हें किसानों के साल भर के विरोध के बाद 2021 में निरस्त कर दिया गया था। बीजेडी ने भी कृषि कानूनों का विरोध किया था।राज्यसभा में जो अन्य दल अपनी बात रखेंगे उनमें 26 सांसदों वाली कांग्रेस और 13 सांसदों वाली तृणमूल कांग्रेस शामिल हैं। आम आदमी पार्टी (आपा) और डीएमके (दोनों इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं) के पास 10-10 सदस्य हैं। राज्यसभा सदस्यों वाली अन्य प्रमुख पार्टियों में पांच सांसदों वाली भारत राष्ट्र समिति शामिल है। सीपीआई (एम) और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पास पांच-पांच सदस्य, एआईएडीएमके, जनता दल (यूनाइटेड), और समाजवादी पार्टी के पास चार-चार सदस्य, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के पास तीन सांसद और दो सांसद सीपीआई के पास हैं।

अब तक अधूरे ...

लाख करोड़ रुपए के 7,118 प्रोजेक्ट्स 7 जून तक पूरे हो चुके थे। जबकि 21,189 करोड़ की 878 परियोजनाएं अभी भी चल रही हैं। वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों को पूरा करने में शहरों को लगभग छह महीने का वक्त और लग सकता है।स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सभी 100 शहरों में 11,775 करोड़ रुपए की लागत से एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए हैं। 44,300 रुपए की पानी, सफाई और स्वच्छता से जुड़े प्रोजेक्ट्स, 33,019 करोड़ रुपए के स्मार्ट मोबिलिटी प्रोजेक्ट्स और 15,474 करोड़ रुपए के स्मार्ट गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स को पूरे हो चुके कामों में शामिल किया गया है।हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को मोदी सरकार ने शहरी आवास मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। खट्टर के सामने सबसे पहली चुनौती स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स को जल्द से जल्द पूरा करने की है।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने इस साल जनवरी में बताया था कि 100 स्मार्ट शहरों में 600 किमी. से अधिक लंबे साइकिल ट्रैक विकसित किए गए हैं, जबकि 76,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, 6,855 स्मार्ट क्लासरूम और 40 डिजिटल लाइब्रेरी बनाई गई हैं। 50 लाख से अधिक सोलर और एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं और 89,000 किमी. से अधिक अंडरग्राउंड बिजली केबल का निर्माण किया गया है।इस साल की शुरुआत में शहरी आवास मंत्रालय ने कहा था कि अगर प्रोजेक्ट्स 30 जून तक पूरे नहीं होते हैं तो राज्य सरकारों को इन्हें खुद के खर्च पर पूरा करना होगा। फरवरी में भी केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के सचिव मनोज जोशी ने संसद की स्थाई समिति को बताया था कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे कुछ प्रोजेक्ट्स 30 जून की डेडलाइन तक पूरे नहीं हो पाएंगे और इसके लिए संबंधित राज्य सरकारें जिम्मेदार होंगी।

पिछले साल मध्य प्रदेश के इंदौर शहर को बेस्ट स्मार्ट सिटी का पुरस्कार मिला था। यह लगातार दूसरी बार था जब उसे नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड मिला था। शहरी विकास मंत्रालय ने 100 स्मार्ट शहरों की जो सूची जारी की थी उसमें इंदौर के बाद सूरत और आगरा का नंबर था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 18 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें ।

देश की छवि को धूमिल करने के लिए विदेशी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं राहुल : चुग

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) जैसे मुद्दों को उछालकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की छवि खराब करने की कोशिश करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला।

श्री चुघ ने एक बयान में कहा कि श्री गांधी मोदी सरकार को गिराने के लिए विदेशी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गंठबंधन का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास देश पर शासन करने के लिए लोकतांत्रिक बहुमत है।

उन्होंने कहा कि श्री गांधी समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने कई बार ईवीएम पर सवालिया निशान उठाए हैं, लेकिन उच्चतम न्यायालय की ओर से इस मामले को निर्णायक रूप से निपटाए जाने के बाद इस मुद्दे को उठाना शर्मनाक है।

भाजपा महासचिव ने इस मामले पर पक्षपातपूर्ण और दुर्भावनापूर्ण बयान देने के लिए कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की भी जमकर निंदा की। उन्होंने कहा कि पहले भी श्री पित्रोदा ने गांधी परिवार के इशारों पर देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने की कोशिश की है। श्री चुघ ने कहा श्री गांधी और उनके प्रशंसक उन राज्यों में ईवीएम का मुद्दा क्यों नहीं उठाते, जहां उन्होंने चुनावी जीत हासिल की है। किसी न किसी आधार पर देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घूमिल और बदनाम करना कांग्रेस की दुर्भावनापूर्ण प्रवृत्ति बन गई है।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना कि समीक्षा बैठक सोमवार को दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में बिनय कुमार यादव कि अध्यक्षता में संपन्न हुई। समिति के महासचिव सागर भगत ने बताया कि हम लोगों को प्रत्येक एरिया में एक कमेटी बनाई जानी चाहिए। कोषाध्यक्ष लल्लन मिश्रा और दीपक गुप्ता ने पूरा लेखा-जोखा पेश किया और सभी सदस्यों से ली हुई राशि को जल्द जल्द से जमा करने का निवेदन किया।

इस मौके पर समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी राजेश्वर भगत ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने के लिए कहा। इस मौके पर सेंट्रल कमेटी के जैन्त यादव ने बताया कि कुछ नए पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारी दी जाए।

इस मौके पर अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष बिवेश झा, महासचिव सागर भगत, उपसचिव सुनील भगत, कोषाध्यक्ष लल्लन मिश्रा, दीपक गुप्ता, हरीश यादव, गोपाल भगत, पंकज यादव, पंचम भगत, बिनोद यादव, आंनद गुप्ता, सुनील ठाकुर, मनोज भगत, विकास यादव, संजय भगत, चंदन यादव, एवं भारी संख्या में युवा सदस्यों ने भाग लिया।

राजेश्वर भगत और जैन्त यादव ने आए हुए सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है : विधायक हरीश बाबू

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर टी विधायक डॉ.पलवई हरीश बाबू ने सोमवार को हैदराबाद में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार की विफलता उस घटना से स्पष्ट है जहां आसिफाबाद जिले के दहेगाम मंडल केंद्र की एक लड़की के साथ पेद्दापल्ली जिले के सुल्तानाबाद में क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से मजदूरी करने आए लोगों की जानकारी जुटाने में पुलिस विफल रही। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने गांजे के नशे में हिंसा की और जगह-जगह गांजे की उपलब्धता राज्य में कानून-व्यवस्था की गिरावट का कारण है।

उन्होंने मांग की कि आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा मौत की सजा दी जाए और पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपए का मुआवजा, सरकारी नौकरी और सरकारी घर दिया जाए। इसके अलावा, राज्य के ग्रामीण इलाकों से लोग पलायन कर रहे हैं। शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार नहीं है। खेती लाभदायक नहीं है जिसके कारण स्थानीय लोगों को पलायन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस बच्ची के साथ हुई हृदय विदारक घटना में सामाजिक और आर्थिक पहलू भी छिपे हैं और सरकार पलायन रोकने में विफल हो रही है। प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. शिलरेड्डी, सिरपुर जेडपीटीसी नीरेती सत्यनारायण और अन्य लोग शामिल रहे।

विहंगम योग संत समाज का सत्संग आयोजित

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विहंगम योग संत समाज हैदराबाद द्वारा सत्संग का आयोजन वरिष्ठ गुरु भाई रमाकांत अग्रवाल के निवास पर हुआ। सत्संग में स्वर्वेद महामंदिर धाम, वाराणसी से राष्ट्रीय प्रचारक संत किशनलाल जी ने विहंगम योग के विषय में नए जिज्ञासुओं को विस्तृत जानकारी दी एवं साधना करने से होने वाले लाभ बताए। सत्संग में सदगुरु के समर्पित शिष्य वरिष्ठतम गुरु भाई रतनलाल जाजू (काका जी), प्रदीप जाजू, सुभाष अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, सुशील अन्ने, ओमप्रकाश अग्रवाल, शिव कुमार अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, विरेंद्र मालपानी, जितेश अग्रवाल, आलोक अवस्थी, महेश दूबे, गुरु बहन किरण अग्रवाल, पूजा मालपानी एवं अन्य कई नए जिज्ञासु उपस्थित रहे। वंदना, आरती, शांति पाठ एवं प्रसाद वितरण के साथ सत्संग का समापन हुआ।

दुर्गम चेरुवु ब्रिज पर आत्महत्या की कोशिश कर रही महिला को पुलिस ने बचाया

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। माधापुर यातायात पुलिस के समय पर हस्तक्षेप से सोमवार को दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर एक महिला की जान बच गई। 25 वर्षीय महिला को पैदल यात्रियों के लिए निर्धारित क्षेत्र में रेलिंग पर चढ़कर झील में कूदने का प्रयास करते देख यातायात पुलिस की गश्ती टीम पुल पर पहुंची। बाद में महिला को आगे के उपचार के लिए उनके वाहन में पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। पता चला है कि पुल पर पहुंचने से पहले महिला ने कुछ गोलियां खा ली थीं।

हालांकि महिला द्वारा आत्महत्या करने के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस को संदेह है कि व्यक्तिगत या पारिवारिक मुद्दे इसके कारणों में से एक हो सकते हैं। पुलिस ने कहा कि काउंसलिंग के बाद महिला को उसके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा।

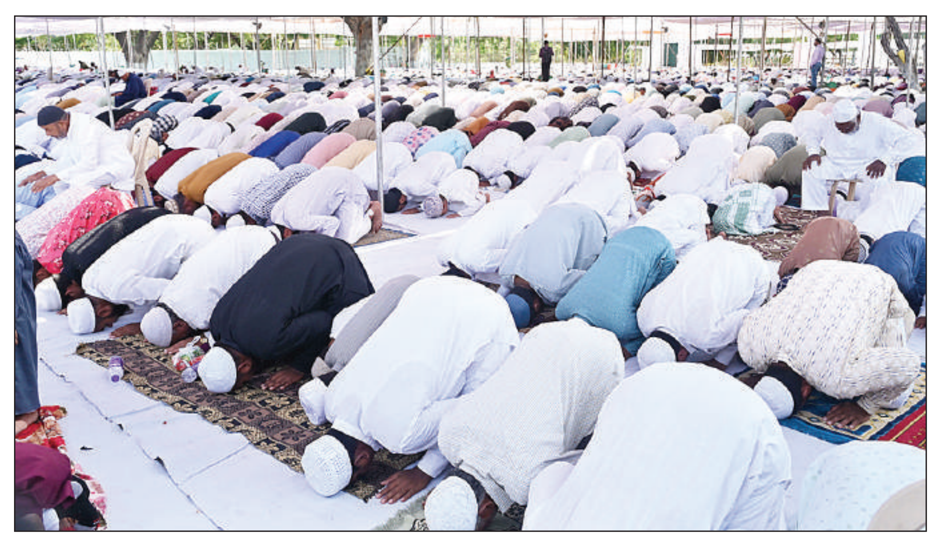

सोमवार को हैदराबाद में ईद-उल-फितर त्यौहार पर मुस्लिम श्रद्धालु नमाज अदा करते हुए।

भारी बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन किया अस्त-व्यस्त

कई इलाकों में भरा पानी राहगीरों के लिए बना मुसीबत

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद में सोमवार को भारी बारिश और तेज़ हवाओं ने कहर बरपाया है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ गई है और निवासियों के लिए कई तरह की समस्याएँ खड़ी हो गई हैं। सोमवार दोपहर को मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण शहर के कई इलाकों में भारी बारिश हुई, जिसमें जुबली हिल्स, बंजारा हिल्स, खैरताबाद और कई इलाके शामिल हैं। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने पूरे शहर में अलर्ट जारी किया है, जिसमें निवासियों से आग्रह किया गया है कि वे घर के अंदर ही रहें, जब तक कि कोई आपातकालीन स्थिति न हो।

मौसम विज्ञान केंद्र ने तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून के फैलने के कारण अगले तीन दिनों तक लगातार बारिश की चेतावनी दी है।

भारी बारिश के परिणामस्वरूप, कई इलाकों में पेड़ों के तने टूट गए हैं, जिससे बाढ़ और बिजली की समस्याएँ पैदा हो गई हैं। शहर के कई इलाकों में यातायात जाम की भी सूचना मिली है।

जगन्नाथ मंदिर अत्तापुर में जलाभिषेक कार्यक्रम 22 को

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मंदिर रामबाग अत्तापुर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देव स्नान पूर्णिमा शनिवार 22 जून को धूमधाम से मनाई जायेगी। पूर्वान्ह 11.00 बजे काला हनुमान मंदिर गौशाला से भगवान जगन्नाथ स्वामी, सुभद्रा माई एवं बलभद्र भैया के जलाभिषेक के लिए 108 कलश जल बावड़ी से भरकर हरी कीर्तन के साथ महिलाओं एवं पुरुषो के सहयोग से जगन्नाथ मंदिर लाकर आप अपने हाथों से भगवान का जलाभिषेक मंत्रो के साथ संपन्न करवाएं।

अर्चना-अभिषेक पूजा आरती प्रसाद लेकर जगन्नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त कर आनंद की अनुभूति प्राप्त करें। पंडित सुरेश शर्मा ने श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि शनिवार को पूर्वान्ह 10.30 बजे जगन्नाथ मंदिर आ जाएं। महिलाएं एवं पुरुष अपने घर से तांबा,पीतल या मिट्टी का लोटा अपने साथ लेकर ही आएं एवं पूजा के पश्चात ले जाएं। जो भाई-बहन इस आयोजन में सम्मिलित होना चाहते हैं वह अपना नाम अंकित करवाएं।

विप्र फाउन्डेशन जोन–16 तेलंगाना की नई कार्यकारणी गठित

हरिकिशन ओझा बने अध्यक्ष और रामदेव नागला महामंत्री

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विप्र फाउन्डेशन जोन–16 तेलगाना की 2024–2026 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का गठन रविवार शाम को राजस्थानी स्नातक संघ आरजीए पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान परशुराम की पूजा अर्चना में प्रारम्भ हुआ। महामंत्री महेश अवस्थी ने अपने कार्यकाल का ब्यौरा मंच से दिया तथा अध्यक्ष शिव सागर त्रिवेदी, महामंत्री महेश अवस्थी, मदनलाल व्यास ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरिकिशन ओझा एवं महामंत्री रामदेव नागला को ससम्मान कार्यभार सौंपा। कार्यभार सम्भालने के बाद अध्यक्ष हरिकिशन ओझा ने सभी को धन्यवाद दिया व अपने सम्बोधन में अपने कार्यकाल के प्रथम चरण में तीन योजन–ाओं कि घोषणा की जिसमें प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह द्वितीय शिविर का आयोजन एवं संगठन का विस्तार तथा तीसरा तेलंगाना में 10 चैप्टर का शुभारम्भ करना। इसी क्रम में अध्यक्ष ने आज हैदराबा चैप्टर की घोषणा की व हैदराबाद चैप्टर के पदाधिकारियों के नाम कि घोषणा कर उनका सम्मान किया। जिसमे ग्रेटर हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत व्यास, मंत्री प्रदीप खंडेलवाल एवं कोषाध्यक्ष के रूप में भरत चाण्डा को निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष ने विप्र फाउंडेशन के द्वारा किये गए कार्यों एवं वर्तमान में किए जा रहे कार्यों पर बारीकी से एक एक योजना का वर्णन किया साथ ही अरुणाचल प्रदेश में भव्य रूप से बन रहे परशुराम कुंड का विस्तार से वर्णन किया व इस आयोजन में अपना सहयोग देने की अपील की साथ ही स्वयं ने अपनी तरफ से सहयोग राशी एक लाख इक्कीस हजार देने कि घोषणा की। इसी क्रम में सारस्वत समाज के दीपक सारस्वत व श्याम सुन्दर सारस्वत द्वारा भी एक लाख इक्कीस हजार कि राशि का सहयोग देने कि घोषणा की गई। तेलंगाना से इस योजना में सहयोग राशी बीस लाख का लक्ष्य रखा गया है। सभी भामाशाहों के सहयोग से अध्यक्ष ने बताया कि अतिशीघ्र सभी योजनाओ के संयोजक मण्डल की घोषणा कार्यकारिणी के विचार विमर्श के बात की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास, दक्षिण जोन के प्रभारी एव राष्ट्रीय मंत्री भगवान व्यास, राष्ट्रीय प्रतिनिधि केशव शर्मा एवं शिव सागर विवेदी का शाल द्वार द्वारा स्वागत किया गया। इसी क्रम में निवर्तमान मंत्री महेश अवस्थी एवं मदनलाल व्यास का स्वागत किया गया। आज की बैठक में अध्यक्ष के एजेंडे के हिसाब से अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों के नाम एवं पदों की घोषणा की गई। जिसमे गोविन्द मडी, पुरषोतम लाला, श्रीलाल पारिक, सुरेश शर्मा, जगदीश रूंथला को उपाध्यक्ष, रामदेव नागला को महामंत्री, दीपक पुरोहित, आनंद शर्मा, मुकेश शर्मा, गोपाल शर्मा को मंत्री एवं मदन गोपाल व्याम को कोषाध्यक्ष। हरिश्चंद्र बोहरा, अर्जुन थानवी को सह कोषाध्यक्ष, श्याम लाल शर्मा, अरविन्द नारनिया को सहमंत्री, उमेश शर्मा, सुनील व्यास को शिक्षा मंत्री, संदीप जायलवाल, राजगोपाल व्यास को प्रचार मंत्री, रामबाबू कौशिक, श्रवण कुमार दाधीच, श्रीनिवास रिणवा, गोकुलचंद उपाध्याय, श्रवण कुमार व्यास, राजकुमार जोशी, राम निवास पाराशर, विक्रम शर्मा, महेश अवस्थी, सुरेश गाँधी, सुरेश कुमार व्यास, भंवर लाल रिणवा, दीपक शर्मा, भभूत सिंह राजपुरोहित, टीकम पालीवाल, मदन लाल रावल, विजय कुमार व्यास, जगदीश रूंथाला, किरण व्यास, हेमलता शर्मा को कार्यकारिणी सदस्यमनोनीत किया गया। महिला प्रकोष्ठ में अमिता जोपट, लता मिश्रा, सरस्वती नागौरी, मल्टी शर्मा, परमेश्वरी ओझा, शोभा उपाध्याय, नित्या पारीक, अलका दाधीच को मनोनीत किया गया। लक्ष्मी निवास शर्मा, डॉ. ए के पुरोहित, श्रीकिशन शर्मा, छगनलाल शर्मा, श्रीनिवास पंडित, लक्ष्मी नारायण खंडेलवाल, सोहन ला दायमा, गणेश लाल जोशी, घनश्याम सूंठवाल, भागीरथ तिवारी,जयप्रकाश जोशी को परामर्शदाता के रूप में मनोनीत किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महामंत्री एवं राष्ट्रीय प्रतिनिधि ने आज की बैठक को सम्बोधित किया एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं नवगठित कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री के धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के पश्चात बैठक के समापन की घोषणा कि गई।

त्रिदण्डी श्रीनिवासा रामानुज व्रतधर जियर स्वामी परम पद को प्राप्त

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीताराम झिरा स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ के मठाधीपति श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवासा रामानुज व्रतधर जियर स्वामी सोमवार को रात्रि करीब 8.30 बजे परम पद को प्राप्त हुए।श्री जगन्नाथ स्वामी मठ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ती मे श्री जगन्नाथ स्वामी मठ सीतारामबाग उत्तराधिकारी श्री अच्युत रामानुजाचार्य ने बताया कि श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवासा रामानुज व्रतधर जियर स्वामी का 79 वर्ष की उम्र मे मासाब टैंक स्थित महावीर हॉस्पिटल मे निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। श्रीनिवास जियर स्वामी ने कई वर्षो तक अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप मे अपनी सेवाएं दी। वे श्री जगन्नाथ मठ–माधवदास जीरा, सीतारामबाग हैदराबाद, श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्धाश्रम, श्री जगन्नाथ स्वामी गौ सेवा संस्थान, श्री जगन्नाथ गुरूकुल वेद विद्यालय, श्री मन्नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर नैमिशरणधाम (उ.प्र.) आदि संस्था के संरक्षक के रूप मे जुडे थे।स्वामी जी के परम पद के समाचार से नगरद्वय ही नही बल्की समस्त भारत देश के समस्त सनातन हिन्दू समाज मे शोक की लहर दौड पडी। लव फॉर काऊ फाउण्डेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि स्वामीजी सनातन धर्म के एक अनमोल रत्न थे उनके निधन से एक अपूर्णिय क्षती हुई है। जियर स्वामीजी बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्तित्व थे।

उत्तराधिकारी श्री अच्युत रामानुजाचार्य ने कहा कि त्रिदण्डी व्रतधर रामानुज जियर स्वामी के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण मे सर्वजन हिताय के संकल्प के साथ अनेको कथायें, महायज्ञ एवं धार्मिक कार्यक्रमो के आयोजन सम्पन्न हुए। उनके अंतिम दर्शन मंगलवार को सुबह 10.30 बजे तक सितारामबाग झिरा स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ मे किये जा सकेंगे। उनका अंतिम संस्कार दोपहर 12.15 बजे मठ के प्रांगण में होगा।

राजस्थानी स्नातक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीएस द्वारकाप्रसाद असावा, मंत्री सीए अमित झंवर, कोषाध्यक्ष सीए संदीप झंवर, उपाध्यक्ष गोपालदास सारडा, सुमेश कुमार बंग, सहमंत्री अनिरुद्ध कांकाणी, कार्यकारिणी सदस्य सीए मनीष जोशी, सीए जगदीश भट्टड़, दीपक बंग, जितेन्द्र विजयवर्गीय को तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मान करते हुए अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, एवं प्रकाश नारायण राठी।

दीपक चिंडालिया वाल्मीकि महासभा हैदराबाद के अध्यक्ष बने

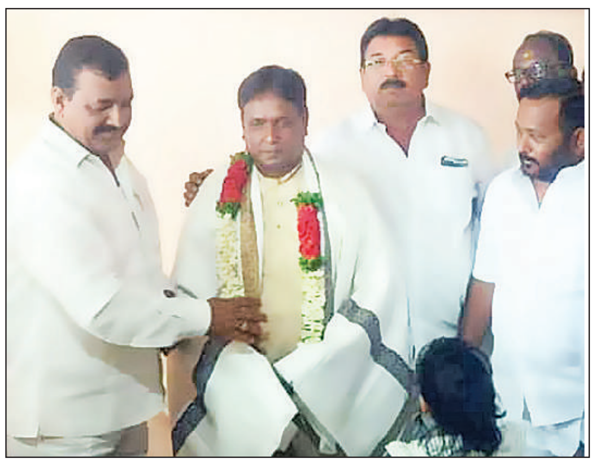

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराना पुल अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के तेलंगाना अध्यक्ष किशन लाल के निवास स्थान पर महासभा की ओर से एक सभा का आयोजन किया गया। सभा अध्यक्ष किशन लाल ने कहा कि इस सभा में कवि दीपक चिंडालिया वाल्मीकि को महासभा की सर्वसम्मति से हैदराबाद प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन सभा के महासचिव अशोक कुमार ने किया। महासभा के चेयरमैन देवेंद्र सिंह राणा ने शाल और पुष्पमाला से हैदराबाद अध्यक्ष नियुक्त किये जाने दीपक चिंदलिया को सम्मानित किया बधाई ओर हार्दिक शुभकामनाएं दी। कारमबीर, बाबू लाल, रमेश, राजेंद्र, राजू, पापू, रमेश, प्रवीं जी, विजेंदर, बब्ला, अर्जुन, तरजां, राकेश ने महासभा के सभी पधाधिकारियों ने दीपक चिंदलिया वाल्मीकि को शुभकामनाएं दी।

निजी कॉरपोरेट स्कूल अभिभावकों का शोषण बंद करें : दीपक कुमार

किताबों, यूनिफॉर्म के नाम पर छात्रों के अभिभावकों से जबरन वसूली

निजी कॉरपोरेट स्कूल सरकारी नियमों का पालन नहीं करते

बेल्लमपल्ली, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में निजी कॉरपोरेट स्कूल छात्रों के अभिभावकों का शोषण कर रहे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को उन निजी कॉर्पोरेट स्कूलों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए जो तेलंगाना सरकार के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अन्यथा एबीवीपी ने चेतावनी दी कि वे जिले के निजी कॉरपोरेट स्कूल में लूटपाट बंद करवा देंगे। एक ओर जहां निजी कॉरपोरेट स्कूलों में छात्रों के अभिभावकों का शोषण बंद नहीं हो पा रहा है, वहीं सरकार ने किताबें, यूनिफॉर्म और स्टेशनरी न बेचने का आदेश जारी कर दिया है। एबीवीपी सवाल कर रही है कि जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी क्या कर रहे हैं ? छात्रों की उम्र से ज्यादा भारी वजन किताबे उठा रहे छात्रों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहा है। एबीवीपी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपक कुमार ने मांग की है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी अपनी नींद की लत से छुटकारा पाएं और सरकारी नियमों का पालन नहीं करने वाले निजी कॉरपोरेट स्कूलों पर तुरंत कार्रवाई करें।

कादंबिनी क्लब हैदराबाद की 30 वीं वर्षगांठ गोष्ठी एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तीन सौ तिरासवीं मासिक गोष्ठी क्लब की साहित्यिक यात्रा की 30वें वर्ष के समापन और 31वें वर्ष में पदार्पण के रूप में रविवार को क़ीमती सभागार राम कोट में संपन्न हुई। जानकारी देते हुए डॉ अहिल्या मिश्र क्लब अध्यक्ष एवं जैन रत्न मीना मुथा कार्यकारी संयोजिका ने संयुक्तरूप से आगे बताया कि इस अवसर पर डॉ अहिल्या मिश्र, प्रो शुभदा बांजपे (पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, उस्मानिया वि वि), डॉ अनिल सुलभ. मुख्य अतिथि (अध्यक्ष, हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना बिहार), प्रो ऋषभदेव शर्मा, मुख्य वक्ता (परामर्शी (हिंदी) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, मानु), डॉ संगीता व्यास, वक्ता, असिस्टेंट प्रो. उ वि वि), मंचासीन हुए। अतिथियों ने माँ सरस्वती की छवि के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया गया। स्वर कोकिला शुभ्रा मोहंती ने सस्वर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

डॉक्टर अहिल्या मिश्र ने स्वागत भाषण देते हुए क्लब की परिकल्पना और स्थापना दिवस दो जून 1994 की यादों को साझा किया कि किस तरह से भीषण गर्मी में डॉ राजेन्द्र अवस्थी, योगेंद्र बाछोतिया, डॉ सरोजनी प्रीतम, प्रो इंदू वशिष्ठ एवं शहर के गणमान्य साहित्यकारों की उपस्थिति में कादंबिनी क्लब की हैदराबाद शाखा उद्घाटित हुई। तब से लेकर अब तक सभी को साथ लेते हुए आज़ तीन दशक क्लब ने पूर्ण कर लिया है। उन्होंने मंचासीन अतिथियों का परिचय देते हुए डॉ अनिल सुलभ के संबंध में बताया कि वे हिन्दी साहित्य के ऐसे योद्धा हैं जिन्होंने लगभग 5000 नई पीढ़ी के साहित्यकारों का निर्माण किया है।

मंचासीन अतिथियों का शॉल माला से सम्मान करने के उपरांत प्रवीण प्रणव ने कादंबिनी क्लब के 30 वर्षों की यात्रा का परिचय देते हुए कहा कि 1994 में एजीआई का बाईसवाँ अधिवेशन हुआ और कई शहरों में क्लब की शाखाएं खोली गयी जिसमें हैदराबाद भी एक था। क्लब की संस्थापक अध्यक्ष डॉ अहिल्या मिश्र ने महिलाओं को गोष्ठियों में उपस्थिति आसान हो इसलिए दिन के समय में ही संगोष्ठियों व काव्य गोष्ठी का नियम बनाया। गोष्ठियों की निरंतरता, साहित्यिक कृतियों का लोकार्पण, सोशल मीडिया, राष्ट्रीय स्तर उपस्थिति, रजत जयंती समारोह, ऑनलाइन देश विदेश के साहित्यकारों से भेंट आदि उपलब्धियां एवं क्लब के कार्यों को उन्होंने सभा के सम्मुख रखा।

तत्पश्चात कविता कहाँ जा रही है विषय पर संगोष्ठी आरंभ हुई जिसका विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ अहिल्या मिश्र ने कहा कि वाल्मीकि और तुलसीदास जी ने लोक भाषा का उपयोग करते हुए अपने भावों को प्रवाहित किया था। आज भी कविता हृदय में समाहित होती है तो रचनाकार का प्रयास निश्चित ही फलीभूत होता नज़र आता है। डॉ संगीता व्यास ने आदि काल से लेकर वर्तमान समय में कविताओं की स्थिति परिस्थिति बताई और कहा कि आज हम क़लम और किताब से दूर होते जा रहे हैं। कविता परिवर्तित हो रही है। अतः हमें चिन्तन करना होगा। प्रो ऋषभ देव शर्मा ने अपने संबोधन में कहा हम संप्रेषण के युग में जी रहे हैं। कविता को ग्लैमरस करेंगे तो कविता कविता नहीं रहेगी। इक्कीसवीं सदी की कविता बदल रही है। हमें अपने साहित्य की कसौटी बदलनी है। कविता अपनी जगह यथा स्थित है बल्कि हम कविता के निकट नहीं जा पाते हैं। डॉक्टर अनिल सुलभ ने कहा कि कविता, साहित्य, संगीत ऐसे प्राण तत्व हैं जो मनुष्यता को सिंचित करते हैं। वेदना का संबंध सीधे दिल से है। साहित्य केवल दर्पण नहीं, दिग्दर्शक है। पूर्व में हमारे ऋषि मुनि नहीं होते तो आज हमारे हाथ कुछ भी न होता। वाल्मिकी न होते तो कौन जानता राम को। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो शुभदा बांजपे ने कहा कि सम्पूर्ण हिन्दी काव्य का इतिहास आज के विषय में समाहित है। पंच कलाओं का काव्य शास्त्र बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए भौतिक उपकरणों की ज़रूरत नहीं होनी होती। आज की कविता में संप्रेषणीयता बाधित हो रही है। कविता में सिर्फ मनोरंजन का कर्म ही नहीं उपदेश का भी मर्म होना चाहिए। सभी वक्ताओं ने क्लब को इस यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। हैदराबाद के वरिष्ठ रचनाकार विनीता शर्मा, नरेंद्र राय नरेन, वेणु गोपाल भट्टड, शांति अग्रवाल, पुष्पा वर्मा का उनके पचहत्तर वर्ष पूरे करने पर और साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखते हुए मोमेंटो,शॉल और माला से सम्मानित किया गया।

साथ ही डॉ टी सी वसन्ता एवं जैन रत्न मीना ललित मुथा को जैन रत्न की उपाधि से अलंकृत होने पर क्लब की ओर से सम्मानित किया गया। सभी सम्मान ग्राहिताओं ने अपने भाव व्यक्त किए। सत्र का संचालन शिल्पी भटनागर ने किया। और डॉ सुरभि दत्त ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दूसरे सत्र में प्रो ऋषभ देव शर्मा ने अध्यक्षता की। नरेंद्र राय नरेन, डॉ अहिल्या, डॉ गंगाधर वानोडे विशेष अतिथि, वेणुगोपाल भट्टड, डॉ अनिल सुलभ मंचासीन हुए। डॉ वानोडे को क्लब की ओर से सम्मान किया गया। डॉ आशा मिश्रा द्वारा पुष्पक साहित्यिकी का परिचय देने के उपरांत पत्रिका का लोकार्पण डॉ अनिल जी के कर कमलों से हुआ। सत्र का संचालन तृप्ति मिश्रा ने किया। काव्य गोष्ठी में उषा शर्मा, सरिता दीक्षित, नरेंद्र राय नरेन, वेणुगोपाल भट्टड अजित गुप्ता, गीता अग्रवाल, पुष्पा वर्मा, बी के अग्रवाल उमासोनी, डॉ स्वाति गुप्ता, वर्षा शर्मा, सीताराम माने, पुरुषोत्तम कड़ेल, चन्द्र प्रकाश दायमा, तृप्ति मिश्रा, सूरज कुमारी, मीरा ठाकुर, श्री पूनम जोधपुरी, डॉ आशा मिश्रा, जी परमेश्वर, डॉ जय प्रकाश नागला (नांदेड),डॉ रमा द्विवेदी, डॉ सुषमा देवी, मोहित, प्रवीण प्रणव, शिल्पी भटनागर, राजीव कुमार सिंह नयन, डॉ अहिल्या मिश्र, शोभा देशपांडे आदि ने काव्य पाठ किया। डॉ वानोडे एवं डॉ अनिल सुलभ ने काव्य प्रस्तुति दी। प्रो ऋषभ देव शर्मा ने अध्यक्षीय काव्य पाठ किया। सुहास भटनागर, रवि वैद, डॉ सुमनलता, डॉ जयश्री, दर्शन सिंह, श्रुतिकांत भारती, के राजन्ना, पुलिन अग्रवाल, दीपा कृष्णदीप देवा प्रसाद मायला, जितेंद्र प्रकाश, दीपक कुमार दीक्षित, सत्यनारायण काकड़ा, शशि राय आदि की उपस्थिति रही। डॉ सुषमा देवी ने सत्र का धन्यवाद ज्ञापित किया और संयोजिका डॉ रमा द्विवेदी ने कार्यक्रम समापन की घोषणा की। अवसर पर सुरुचि भोज की व्यवस्था की गई थी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

नलगोंडा, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार रात जिले के मोथे मंडल के तुम्मलपल्ली गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से 32 वर्षीय मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान मंदा उपेन्द्र के रूप में हुई।

जानकारी के मुताबिक, उपेन्द्र ममिलागुडेम गांव से आ रहे थे, तभी एक रेत से भरे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक बिना रुके भाग निकला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सूर्यापेट सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। पुलिस ट्रैक्टर चालक की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रही है।

बिजली समस्या पर कांट्रेक्टर बस्ती वासियों ने डीई को सौंपा ज्ञापन

बेल्लमपल्ली, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय बाजार क्षेत्र के कांट्रेक्टर बस्ती वासियों ने बेवजह समय–बेसमय बिजली की कटौती स्ट्रीट लाइट की पूर्ण व्यवस्था के लिए सोमवार को बस्ती वासियों ने स्थानीय सबस्टेशन कार्यालय में डीई को ज्ञापन सौंपा। डिवीजन अधिकारी के समक्ष सब स्टेशन पर आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन में कहा कि संपर्क में मुख्य लाइन कॉल टेक्स्ट सब स्टेशन के माध्यम से बिजली की आपूर्ति की जानी चाहिए,बेल्लमपल्ली

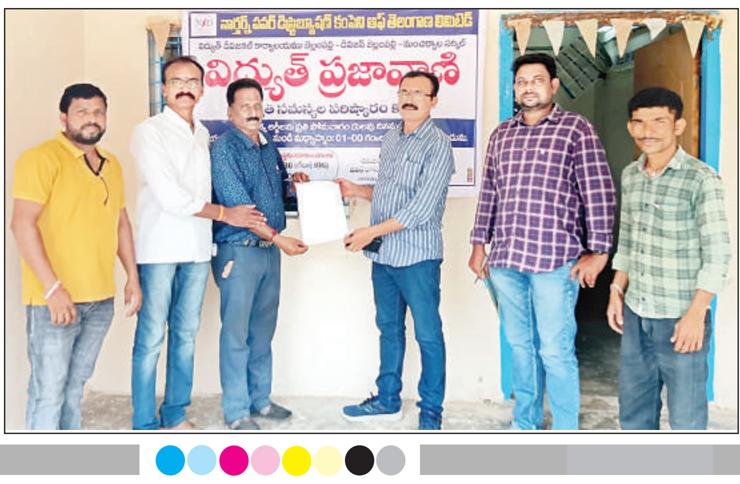

शहर के बाजार क्षेत्र में रेवंत रेड्डी सेना के राष्ट्रीय महासचिव कोलीपाका श्रीनिवास, कांग्रेस आई पार्टी के नेता कोंडा बत्तिनी राममोहन ने रामा टॉकीज में सार्वजनिक भाषण दिया।

इस कार्यक्रम में बनोथ राजन्ना, डिविजनल इंजीनियर (डीई) ने लाइट लगाने के विशेष अनुरोध का जवाब दिया और बिजली अधिकारियों को तुरंत स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश जारी करने के लिए बस्ती वासियों ने आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस और इंडी गिरोह को चुनाव आयोग ने लताड़ा

अफवाहें फैलाने वालों पर हो रही है कार्रवाई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। ईवीएम को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों के बीच चुनाव आयोग ने कहा है कि ईवीएम मशीन एक स्टैंडअलोन मशीन है। इसे किसी ओटीपी की जरूरत नहीं पड़ती और न ही इसमें किसी तरह से इंटरनेट या कोई तकनीक हस्तक्षेप कर सकता है। यही वजह है कि ईवीएम हैकिंग प्रूफ है। चुनाव आयोग ने कहा कि ईवीएम को शुरू करने के लिए किसी तरह के ओटीपी की जरूरत नहीं पड़ती। इस तरह की अफवाह फैला रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मुंबई उपनगर की जिला कलेक्टर वंदना सूर्यवंशी ने ईवीएम पर जारी विवादों को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईवीएम पर गलत खबर फैलाई गई है और सारे आरोप बेबुनियाद हैं। ईवीएम किसी मशीन से जुड़ा हुआ नहीं होता है। ईवीएम से जुड़े राहुल गांधी के ट्वीट पर उन्होंने कहा, जो खबर चल रही है, वह गलत है। ईवीएम के लिए किसी ओटीपी की जरूरत नही होती है, बल्कि रिजल्ट बटन प्रेस करके काम होता है। चुनाव आयोग ने ईवीएम को लेकर अपनी पूरी प्रक्रिया का पालन किया है। एलन मस्क की बिना सोचे-समझे नकल कर रहे राहुल गांधी ने कहा था कि ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स है, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। उन्होंने भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई थीं। राहुल के पीछे-पीछे अखिलेश भी ईवीएम पर बोले और प्रागैतिहासिक काल की मतपत्र प्रणाली लागू करने की मांग कर बैठे।

इस आरोपों पर चुनाव आयोग ने सख्त जवाब पेश करते हुए कहा, कुछ लोगों को हमने डाटा अपलोड करने के लिए मोबाइल ले जाने की इजाजत दी थी। लेकिन उस संबंधित व्यक्ति तक वह मोबाइल कैसे गया, उस पर हमने खुद भी एफआईआर दर्ज कराई है और मामले की जांच की जा रही है। किसी को सीसीटीवी नहीं मिलेगा, जब तक कि कोर्ट का ऑर्डर नहीं होता है।

सोशल मीडिया पर भारतीय लड़कियों के नाम की आईडी से

भारत के वैज्ञानिकों और सैनिकों को फंसा रही आईएसआई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के जासूस भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सैनिकों को निशाना बना रहे हैं। आईएसआई जासूस भारतीय लड़कियों के नाम से सोशल मीडिया पर आईडी बना कर इन वैज्ञानिकों को हनीट्रैप कर रहे हैं। हाल ही में जासूसी के आरोप में उम्रकैद की सजा पाए ब्रम्होस मिसाइल के इंजीनियर निशांत अग्रवाल के साथ भी ऐसा ही हुआ था।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया माध्यमों पर सेजल कपूर, नेहा शर्मा, पूजा रंजन, अनामिका शर्मा और अदिति अग्रवाल जैसे भारतीय नामों से फर्जी आईडी बनाते हैं और भारत के संवेदनशील प्रतिष्ठानों में तैनात वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सैनिकों को फर्जी प्रेम-जाल में फंसाते हैं। आईएसआई के झांसे में आने वाले निशांत अग्रवाल ने भी ऐसे ही एक अकाउंट पर भरोसा किया था। निशांत अग्रवाल ने सेजल नाम की एक फेसबुक आईडी पर भरोसा करके बातचीत चालू की थी। सेजल नाम का यह अकाउंट पाकिस्तान से चलाया जा रहा था। सेजल नाम के अकाउंट के जरिए आईएसआई एजेंट पाकिस्तान में बैठे अपने सरगनाओं और भारतीय सुरक्षा कर्मियों और वैज्ञानिकों से लगातार बातचीत कर रहा था। सेजल नाम से आईएसआई एजेंट ने निशांत अग्रवाल को हनीट्रैप में ले लिया था।निशांत अग्रवाल प्रकरण का खुलासा करने वाली उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को इस मामले में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं। यूपी एटीएस ने बताया है कि सेजल नाम का यह अकाउंट साइबर अटैक की योजना भी बना रहा था। सेजल ने खुद को इंग्लैंड की एक कम्पनी की एचआर अधिकारी बताया कर निशांत को पटाया था। निशांत अग्रवाल को सेजल ने बताया था कि वह हेस एविएशन नाम की एक कम्पनी के लिए लोगों को भर्ती कर रही है। इन दोनों की अन्य सोशल मीडिया माध्यमों से भी बातचीत हुई थी। इस दौरान निशांत अग्रवाल के लैपटॉप पर सेजल ने कुछ सॉफ्टवेयर डलवाए थे। इनके नाम क्यूव्हिस्पर, चैट टू हायर और एक्स ट्रस्ट थे।

सेजल ने बताया था कि यह भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा है। असल में यह सॉफ्टवेयर, वायरस थे जो निशांत अग्रवाल के लैपटॉप से डाटा चुराने के काम आते थे। निशांत अग्रवाल के लैपटॉप में ब्रह्मोस से जुड़ा गोपनीय डाटा था, जिसे पाकिस्तानियों ने इन सॉफ्टवेयर के जरिए चुरा लिया। पाकिस्तानी जासूसों ने वायुसेना के भी दो पूर्व कर्मचारियों से भारतीय सुरक्षा व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी जुटाने की कोशिश की थी लेकिन इसमें वह सफल नहीं हुए थे। इनसे भी फर्जी फेसबुक आईडी के जरिए ही जानकारियां जुटाए जाने का प्रयास किया जा रहा था। लखनऊ के एक पूर्व वायुसेना कर्मचारी के साथ यह प्रयास किया गया था।

गौरतलब है कि निशांत अग्रवाल को 2018 में उत्तर प्रदेश एटीएस ने गिरफ्तार किया था। वह भारत के महत्वपूर्ण रक्षा कार्यक्रम ब्रह्मोस का हिस्सा था। यहां वह एक सीनियर सिस्टम इंजीनियर था। उसे नागपुर में चले मुकदमे में गोपनीय जानकारियां साझा करने का दोषी पाया गया है। उसे हाल ही में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

अमित शाह ने मणिपुर में हिंसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि केन्द्र सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राज्य में हिंसा की कोई और घटना न हो तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्रीय पुलिस बलों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जानी चाहिए।

श्री शाह ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मणिपुर की स्थिति की समीक्षा के बाद यह भी निर्देश दिया कि हिंसा करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए और केन्द्र सरकार आवश्यकता पड़ने पर इससे भी ज्यादा केंद्रीय पुलिस बलों को भेजने के लिए तैयार है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने राहत शिविरों की स्थिति, विशेष रूप से भोजन, पानी, दवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं की उचित उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्थापितों के लिए उचित स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा उनके पुनर्वास का निर्देश दिया।

गृह मंत्री ने मौजूदा जातीय संघर्ष को सुलझाने के लिए समन्वित दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय जल्द से जल्द दोनों समूहों, मैतेई और कुकी से बात करेगी ताकि दोनों समुदायों के बीच की खाई को पाटा जा सके। केन्द्र सरकार राज्य में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने में मणिपुर सरकार का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही है। बैठक में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, केंद्रीय गृह सचिव, खूफिया ब्यूरो के निदेशक, सेना प्रमुख (नामित) लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार, असम राइफल्स के महानिदेशक, मणिपुर के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और सेना तथा गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

उल्लेखनीय है कि मणिपुर में करीब एक वर्ष पहले शुरू हुई जातीय हिंसा के कारण उत्पन्न हुई तनावपूर्ण स्थिति अभी भी जारी है। केंद्र सरकार के तमाम दावों और कदमों के बावजूद राज्य में स्थिति सामान्य नहीं है और विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार को लगातार घेरते रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी हाल ही में केंद्र सरकार से मणिपुर में स्थिति सामान्य बनाने के लिए कदम उठाने को कहा है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भी केंद्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी को मणिपुर की तनावपूर्ण स्थिति का खामियाजा उठाना पड़ा है और राज्य की दोनों लोकसभा सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा है। राज्य की दोनों सीट मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जीती हैं।

झारखंड में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में चार इनामी नक्सली मारे गए

रांची,17 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के गुवा थाना क्षेत्र के लिपुंगा में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 10 लाख रुपए के इनामी जोनल कमांडर समेत 4 नक्सली मारे गए।

राज्य के पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह ने आज यहां मीडिया को बताया कि एक जोनल कमांडर, सबजोनल कमांडर और एक एरिया कमांडर के साथ-साथ एक महिला नक्सली को भी मार गिराया गया। इसके अलावा एक महिला नक्सली समेत 2 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों के शवों के पास से हथियार और अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। सुरक्षा बल सोमवार को सर्च ऑपरेशन चला रहे थे तभी घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी तत्काल मोर्चा संभाला और जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। जवानों की जवाबी कार्रवाई में 4 नक्सली ढेर हो गए। नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। घायल नक्सलियों में एक एरिया कमांडर और एक हार्डकोर महिला नक्सली शामिल है।

मारे गए नक्सलियों की पहचान जोनल कमांडर सिंगराई उर्फ मनोज, सबजोनल कमांडर कांडे होनहागा उर्फ दिरशुम, एरिया कमांडर सूर्या उर्फ मुंडा देवगम और महिला नक्सली कैडर जुनगा पुर्ति उर्फ मारला के रूप में हुई है। मारला को छोड़कर सभी मारे गए नक्सलियों पर पुलिस ने इनाम की घोषणा कर रखी है।

यह मध्यप्रदेश है, हैदराबाद नहीं, ओवैसी पर भड़के सीएम मोहन यादव

भोपाल, 17 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा है। उन्होंने ओवैसी पर धर्म के आधार पर राजनीति कर दो समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओवैसी ऐसा करके न महज खुद को, बल्कि अपने लोगों को भी लज्जित करते हैं। ओवैसी की इस हरकत से दुखी होकर अब उनके लोग ही उनसे दूरी बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, ओवैसी हमेशा ही अपने सियासी फायदे के लिए दो वर्गों की बात करते आए हैं। वो हमेशा अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के बारे में सोचते हैं। उनकी इसी फितरत से आजिज होकर अब उनके लोग ही उनसे दूरी बना रहे हैं। सीएम यादव ने कहा, मैं आपको एक बात कह देना चाहता हूं कि संविधान की दृष्टि में सभी नागरिक एक समान हैं। हमारा संविधान किसी के भी साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव की इजाजत नहीं देगा। हर किसी के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई करने का प्रावधान हमारे संविधान में दिया गया है, लेकिन कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए हर चीज को मजहब का रूप देते हैं, जिनमें ओवैसी का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। सरकार संविधान के आधार पर चलती है। सीएम ने कहा, अपराधी कोई भी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और कानून के अनरूप सभी को चलना होगा, इसमें हम किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे।

|| श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः ||

परमपदवास
(आचार्य तिरुवडी)

प.पू. श्री श्री श्री त्रिदण्डी
श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी
मठाधीश : श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा), सीतारामबाग

परम पूज्य स्वामीजी का सोमवार दि.17-6-2024 को परमपदवास (आचार्य तिरुवडी) हो गया है।
आज मंगलवार दि.18-6-2024 को प्रातः 10:30 बजे तक दर्शनार्थ रखा जायेगा।
मध्याह्न 12:15 बजे पूज्य स्वामीजी को श्री जगन्नाथ मठ में समाधीस्थ किया जायेगा।

– शोक संतप्त –
अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (अजय स्वामी)
उत्तराधिकारी – श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा, सीतारामबाग, हैदराबाद ✆ 8099563154

श्री जगन्नाथ मठ, सीतारामबाग द्वारा संचालित
श्री जगन्नाथ सेवा समिति | श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्धाश्रम | श्री जगन्नाथ स्वामी गो सेवा संस्थान | श्री जगन्नाथ भवन
श्री जगन्नाथ स्वामी गुरुकुल वेद विद्यालय | श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ समिति | श्री जगन्नाथ मठ परिवार
सीतारामबाग, हैदराबाद
श्री रंगनाथ स्वामी मन्दिर | श्रीमन्नारायण शरणागती आश्रम भैरमपुर रोड, नेमीशारण्य, जिला : सीतापुर (उ.प्र.)

|| श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः || श्री हरिः ||

कांग्रेस के युवा नेता के खटाखट-खटाखट का झूठ पकड़ा गया : हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने और खटाखट स्कीम को लेकर जोरदार तंज कसा।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आईएएनएस से खास बातचीत में कर्नाटक सरकार के पेट्रोल-डीजल के दाम 3 और 3.5 रुपए बढ़ाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस ने फ्री की गारंटियां दी थी कि सालाना हर एक परिवार में एक महिला के खाते में एक लाख रुपये देंगे।

अगर 32 लाख परिवार है तो 32 लाख करोड़ रुपये की जरूरत है, किससे उन्होंने सलाह ली थी या किसके कहने पर किया था। वो तो मैं नहीं कह सकता। लेकिन, इन्होंने ये जो निर्णय लिया है, उसका असर केवल ईंधन की कीमतों पर नहीं होगा, बल्कि ट्रांसपोर्टेशन महंगा होने की वजह से खाने-पीने की चीजों के दाम भी बढ़ जाएंगे, मतलब, जो केंद्र सरकार ने काम किया, उस पर इन लोगों ने पानी फेर दिया। कांग्रेस के युवा नेता ने एक बार कह दिया खटाखट-खटाखट तो इन्होंने आते ही खटाखट तो कर दिया, पर युवा नेता को समझाना भूल गए कि जो उन्होंने झूठ बोला, वो भी पकड़ा गया।

उन्होंने आगे कहा कि भारत में पेट्रोल-डीजल के दामों की दक्षिण एशियाई देशों से तुलना करेंगे तो ये सबसे नीचे है। 70 से 80 प्रतिशत का अंतर है। भारत के पेट्रोल-डीजल के दामों की तुलना अंतरराष्ट्रीय देशों, जिनमें यूके, अमेरिका, कनाडा हैं, से करेंगे तो यह भारत में सबसे कम मिलेगा। पिछले दो साल में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हुए हैं, बाकि सभी जगह दाम 30-40 प्रतिशत बढ़े हैं।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने पेट्रोल-डीजल के दामों की भाजपा और कांग्रेस शासित राज्यों से भी की।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Kalpana W/o N Ravi Kumar R/o H.No.26, Doveton Bazar, Bolararm, Sec-bad, T.S, 500010, have changed my name from **KALPANA** to **NACHARLA KALPANA**, vide affidavit dt.17-6-2024.

CHANGE OF NAME
I, N Ravi Kumar R/o H.No.26, Doveton Bazar, Bolararm, Sec-bad, T.5, 500010, have changed my son's name from **RAKESH PAVITHRU** to **NACHARLA RAKESH PAVITHRU**, vide affidavit dt.17-6-2024.

CHANGE OF NAME & DOB
I, N Ravi Kumar R/o H.No.26, Doveton Bazar, Bolararm, Sec-bad, T.S, 500010, have changed my daughter's name from **N AWATHVIKA** to **NACHARLA SATHWIKA** and DOB from **25-11-2008** to **23-11-2008**, vide affidavit dt.17-6-2024.

हरीश राव ने बीआरएस छोड़ने की खबरों को किया खारिज, कहा

मैं केसीआर का वफादार सिपाही हूं

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बीआरएस के वरिष्ठ नेता और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने सोशल मीडिया पर उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि वह नए कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में बीआरएस की कमान संभालेंगे या दूसरों के साथ शामिल होने के लिए पार्टी छोड़ देंगे। उन्होंने लोगों, विशेषकर मीडिया से आग्रह किया कि वे ऐसी दुर्भावनापूर्ण रिपोर्टें फैलाने से बचें।

सोमवार को तेलंगाना भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि मेरे जैसे नेता की विश्वसनीयता और वफादारी को नुकसान न पहुंचाए। मीडिया को अपनी खबरों को सनसनीखेज बनाने के लिए अपने यूट्यूब चैनलों पर ऐसे थंबनेल डालने से बचना चाहिए।

हरीश राव ने आगे कहा कि वह बीआरएस अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव के वफादार सिपाही हैं और उनके पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने केटी रामा राव की जगह पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनने और भाजपा या कांग्रेस में शामिल होने की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इसके बाद वह ऐसी दुर्भावनापूर्ण खबरें फैलाने वालों को कानूनी नोटिस भेजेंगे और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे।पूर्व मंत्री ने मांग की कि राज्य सरकार तेलंगाना के लोगों को परेशान करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करे और बीआरएस के खिलाफ कीचड़ उछालकर समय व्यतीत करने के बजाय उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बेरोजगार युवाओं से संबंधित मुद्दों को हल करने का वादा करके सत्ता में आई थी। लेकिन न तो कांग्रेस और न ही एम कोदंडराम जैसे नेता उनकी दलीलों का जवाब दे रहे हैं। हरीश राव ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार तुरंत नौकरी कैलेंडर की घोषणा करे और विभिन्न परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतर सुनिश्चित करे ताकि उम्मीदवारों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस द्वारा पहले किए गए वादे के अनुसार समूह- खख के लिए लगभग 2,000 नौकरियों और समूह- खखख के लिए लगभग 3,000 पदों को अधिसूचित करे, इसके अलावा प्रस्तावित 11,000 पदों के बजाय कुल 25,000 पदों के लिए डीएससी आयोजित करे।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाने के आदेश जारी किए, हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को भी इसे दोहराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब आंध्र प्रदेश ऐसा कर सकता है तो तेलंगाना सरकार पेंशन क्यों नहीं दे सकती? बढ़ोतरी की तो बात ही छोड़िए, पिछले दो महीनों – अप्रैल और मई – से राज्य में वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन बकाया है। बीआरएस विधायक ने आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी शिक्षकों और ग्रामीण स्थानीय निकायों के स्वच्छता कर्मचारियों के लंबित वेतन का मुद्दा भी उठाया। एनईईटी परीक्षा विवाद पर, हरीश राव ने कहा कि केंद्र को पेपर लीक की उच्च स्तरीय जांच का आदेश देकर सफाई देनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि केंद्र में भाजपा सरकार की अक्षमता के कारण 24 लाख से अधिक छात्र और उनके माता-पिता की रातों की नींद हराम हो रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना के बंडी संजय छात्रों को न्याय दिलाना सुनिश्चित करें।

आसिफाबाद में बाघ परिवार की चलकदमी से स्थानीय लोगों में दहशत

कुमरामभीम आसिफाबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कागजनगर मंडल के गोंधी गांव के पास कथित तौर पर एक बाघ अपने शावकों के साथ घूमता देखा गया, जिससे पिछले कुछ दिनों से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

स्थानीय लोगों ने कहा कि बाघ ने अपने शावकों के साथ जंगल के किनारे स्थित गांव के पास एक नहर के किनारे को अपना आश्रय स्थल बनाया और आसपास के क्षेत्र में घूम रहा था, जिससे किसान और स्थानीय निवासियों में दहशत है। उन्होंने कहा कि बाघों की आवाजाही के बाद वे खेत में काम करने से डर रहे हैं। उन्होंने वन अधिकारियों से बाघों को जंगलों की ओर मोड़ने और मनुष्यों और मवेशियों के नुकसान को रोकने के लिए समुचित कदम उठाने का अनुरोध किया।इस बाबत पूछे जाने पर जिला वन अधिकारी नीरज कुमार टेबरीवाल ने कहा कि रविवार तक गांव के बाहरी इलाके में कोई बाघ नहीं घूम रहा था। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपोर्ट की जांच के लिए विभागीय कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा। हालांकि, पर्यावरणविदों ने बाघों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि वन अधिकारियों को बाघों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। शिकार सुनिश्चित करने के अलावा फील्ड कर्मचारियों को तैनात करके बाघों की गतिविधियों पर नज़र रखी जानी चाहिए। अन्यथा, बाघों को शिकारियों से खतरा होगा। हाल ही में, इस क्षेत्र के जंगलों में दो बाघों की मौत हो गई, जो खराब बाघ संरक्षण को उजागर करता है।

होटल की छठी मंजिल से कूदकर छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बीती रात्रि को माधापुर के अयप्पा सोसाइटी इलाके में यूपीएससी की तैयारी कर रहे एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। पीड़ित की पहचान आंध्र प्रदेश के अनंतपुर निवासी साई (29) के रूप में हुई है, जिसने अयप्पा सोसाइटी के एक होटल की छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। हाल ही में युवक ने सिविल प्रारंभिक परीक्षा दी थी और मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार, साई अपने चार दोस्तों के साथ होटल में ठहरा था। उन्हें इस घटना के बारे में पता नहीं था, क्योंकि साई कुछ समय से लापता था। पुलिस ने कहा, जब वे (दोस्त) कमरे में थे, तब वह लापता हो गया। बाद में, उन्होंने तेज आवाज सुनी और जांच करने गए, तो वह जमीन पर मृत पाया गया। माधापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया है।

मशहूर डिस्को जॉकी ड्रग मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) के साथ मिलकर माधापुर पुलिस ने एक मशहूर डिस्को जॉकी को ड्रग मामले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर जांचकर्ता डीजे की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहे थे। वह ड्रग्स लेने के बाद अक्सर माधापुर और गच्चीबावली के पबों में जाता था। वह जिन लोगों से मिलता था, उन पर भी नजर रखी जा रही थी। खुफिया जानकारी के आधार पर उन्होंने 16 लोगों को बुलाया जो ड्रग्स से जुड़े हैं और पब जाते हैं। उनका ड्रग सेवन के लिए परीक्षण किया गया और डीजे समेत दो लोगों में कोकीन और गांजा सेवन की पुष्टि हुई।

उन्हें हिरासत में ले लिया गया और माधापुर में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। टीजीएएनबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने आम जनता से ड्रग सप्लायरों से दूर रहने का आग्रह किया है क्योंकि वे पुलिस की निगरानी में हैं। टीजीएएनबी के अधिकारियों ने कहा, हम शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों और स्कूलों में ड्रग के खतरे से लड़ने के लिए भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में ड्रग विरोधी समितियों (एडीसी) को संदेह होने पर स्थानीय पुलिस या टीजीएएनबी को जानकारी देनी चाहिए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की राजमुंदरी स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा

राजमुंदरी रेलवे स्टेशन का बड़े पैमाने पर किया जाएगा पुनर्विकास

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) जोन ने राजमुंदरी रेलवे स्टेशन के लिए एक व्यापक पुनर्विकास योजना की घोषणा की है। स्टेशन, जो वर्तमान में प्रतिदिन 86 हॉल्टिंग, 3 आरंभिक और 3 टर्मिनेटिंग ट्रेनों को संभालता है, को क्षेत्र की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए अपग्रेड किया जाएगा। पुनर्विकास योजना की अनुमानित लागत 250 करोड़ रुपए है। पुनर्विकास योजना के तहत अगले 50 वर्षों की जरूरतों को पूरा करने वाली सुविधाओं से युक्त प्रतिष्ठित स्टेशन भवन तैयार किया जाएगा। जिसमें टर्मिनल बिल्डिंग को जोड़ने वाला विशाल कॉनकोर्स/रूफ प्लाजा, सभी आवश्यक सुविधाओं वाले प्लेटफार्म यानी फूड कोर्ट, रिटेल, एटीएम, वन स्टेशन वन प्रोडक्ट, किड्स प्ले जोन, फार्मेसी, इंटरनेट, वॉश रूम आदि होंगे। इसके अलावा शहर के दोनों किनारों का एकीकरण (पटरियों के दोनों किनारों पर स्टेशन भवन),दिव्यांगजन एवं वृद्ध नागरिक अनुकूल सुविधाएं। पर्याप्त सर्कुलेटिंग एरिया और ड्रॉप-ऑफ, पिक-अप और पार्किंग के लिए पर्याप्त प्रावधान। हरित भवन, ऊर्जा बचत, सौर पैनल, अग्निशमन, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट जल/तूफान जल का पुन: उपयोग और साइट पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन। एवं व्यावसायिक विकास हेतु स्थान का प्रावधान होगा। इसके साथ ही प्लेटफार्मों, ट्रैक और सिग्नलिंग सिस्टम का उन्नयन किया जाएगा। वातानुकूलित वेटिंग लाउंज, एस्केलेटर और लिफ्ट

सहित यात्री सुविधाओं में वृद्धि की जाएगी। हरित भवन और ऊर्जा-कुशल प्रणालियों सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाएं और निगरानी प्रणालियां विकसित की जाएंगी। पुनर्विकसित स्टेशन को 2071-72 तक प्रति घंटे 9,533 और प्रति दिन 95,328 लोगों की अनुमानित संख्या को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, जिससे यह एक विश्व स्तरीय परिवहन केंद्र बन जाएगा।राजमुंदरी, एक प्रमुख क्षेत्रीय परिवहन केंद्र और व्यापार केंद्र, को इस पुनर्विकास से काफी लाभ होगा। शहर के कपड़ा, कागज और तंबाकू उद्योगों के साथ-साथ इसके पर्यटन और सांस्कृतिक आकर्षणों को कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का समर्थन मिलेगा। यह परियोजना क्षेत्र की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और उन्नयन के दमरे क्षेत्र के प्रयासों का हिस्सा है।

अमरावती के विकास से संबंधित कार्य ढाई साल में पूरे जाएंगे : पी. नारायण

अमरावती, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में अमरावती के विकास से संबंधित कार्य ढाई साल में पूरे हो जाएंगे। यह बात नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री पी. नारायण ने रविवार को अपना कार्यभार संभालने के बाद कही।

तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सत्ता में वापस आने के साथ, अमरावती में काम फिर से शुरू होने वाला है, जहां 2019 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार द्वारा तीन राज्य राजधानियों के निर्माण की अपनी योजना की घोषणा के बाद काम रुक गया था। तेदेपा, जो अपने सहयोगियों जन सेना और भाजपा के साथ सत्ता में आई है, ने स्पष्ट कर दिया है कि अमरावती को पहले की योजना के अनुसार एकमात्र राज्य की राजधानी के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य सचिवालय में पदभार संभालने के बाद पी. नारायण ने कहा कि अमरावती में काम जल्द ही फिर से शुरू होगा। हम 15 दिनों में समीक्षा करेंगे और एक समयबद्ध कार्यक्रम पर निर्णय लेंगे। उन्होंने यह स्पष्ट करते हुए कहा कि अमरावती को पुराने मास्टर प्लान के रूप में विकसित किया जाएगा। नारायण ने कहा कि तीन चरणों में अमरावती के विकास पर 1 लाख करोड़ रुपए की लागत आएगी।

पहला चरण पिछली टीडीपी सरकार द्वारा 48,000 करोड़ रुपए की लागत से शुरू किया गया था। उन्होंने याद दिलाया कि राजधानी के एक बड़े हिस्से को कवर करने वाली बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने और मंत्रियों, सचिवों, अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के लिए आवासीय क्वार्टरों के निर्माण के लिए काम करने के लिए निविदाएं बुलाई गई थीं। तत्कालीन सरकार ने 9,000 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया था। उन्होंने दावा किया कि मंत्रियों, सचिवों और अधिकारियों के आवासीय ब्लॉक से संबंधित 90 फीसदी काम पूरे हो गये हैं।

मंत्री ने कहा कि अमरावती को दुनिया की पांच सर्वश्रेष्ठ राजधानियों में से एक के रूप में डिजाइन किया गया है। यह डिज़ाइन सिंगापुर सरकार की सहायता से तैयार किया गया है। डिजाइन तैयार करने के लिए मंत्रियों और अधिकारियों की एक टीम ने सिंगापुर, चीन, जापान, रूस और मलेशिया का दौरा भी किया था। उन्होंने याद दिलाया कि तत्कालीन सरकार ने राज्य की राजधानी के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण करने के लिए 1 जनवरी 2015 को एक लैंड पूलिंग अधिसूचना जारी की थी और 28 फरवरी तक किसानों ने बिना किसी मुकदमे के 34,000 एकड़ जमीन सरकार को सौंप दी थी। नारायण ने कहा कि चूंकि उन्होंने पिछली टीडीपी सरकार के दौरान राज्य की राजधानी के विकास के लिए विभिन्न अध्ययन करके अनुभव प्राप्त किया था, इसलिए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक बार फिर उन्हें नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग सौंपा है। नारायण ने यह भी घोषणा की कि अगले 21 दिनों में 100 अन्ना कैंटीन फिर से खोले जाएंगी। ।

मंत्री पद संभालने के बाद उन्होंने अन्ना कैंटीन पर पहली समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकार खाद्य आपूर्ति का काम अक्षय पात्र फाउंडेशन को देने के प्रस्ताव की जांच करेगी। सरकार पूर्व में हुए समझौते और जारी आदेशों का अध्ययन कर रही है। फाउंडेशन ने बताया है कि वह तीन सप्ताह में कैंटीनों में भोजन की आपूर्ति शुरू करने के लिए तैयार है। मंत्री ने कहा कि पहले की तरह ये कैंटीनें पांच रुपए में भोजन उपलब्ध कराएंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.